शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम ने यातायात उल्लंघन करने वालों का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने का दिया निर्देश @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 24 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-265

अमेरिका के टेक दिग्गजों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया खास संदेश

प्रौद्योगिकी विकसित भारत की यात्रा का एक अहम स्तंभ है

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीन दिवसीय अमेरिकी दौरे के दूसरे दिन अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनियों के सीईओ के साथ एक राउंडटेबल (गोलमेज) मीटिंग में हिस्सा लिया। इसी मीटिंग में पीएम मोदी ने भारत की विकास संभावनाओं पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने की बात कही है। राउंड टेबल बैठक में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पिछले साल जब मैं वाशिंगटन आया था, तब मैं एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था, तब भी मुझे आपमे से कई साथियों से मिलने

लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रौद्योगिकी का मिलन मानव कल्याण की गारंटी

भारत तेजी से ग्लोबल बायो-टेक पॉवर हाउस के रूप में उभर रहा

का मौका मिला था। आज एक साल बाद यहां दुनिया के बड़े-बड़े इन्नोवेटर के साथ बैठक कर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि, मैं जो ऊर्जा और उत्साह देख रहा हूं और भारत के प्रति जो भरोसा देख रहा हूं। ये वाकई बहुत सुखद है, क्योंकि जब आप जैसे विशेषज्ञ बदलती हुई दुनिया और भारत की संभावनाओं के विषय में कोई बात बताते हैं, तब भारत में भी नीति-निर्धारण के विषय में हमारा विश्वास बढ़ जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि, 21वीं सदी प्रौद्योगिकी संचालित है। जीवन का शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा है, जिसे प्रौद्योगिकी संचालित न करती हो। ▶10 पर

पीएम मोदी के डिजिटल इंडिया विजन के फैन हुए टेक दिग्गज

बोले- भारत संग साझेदारी गर्व की बात

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

पीएम मोदी के साथ इस राउंडटेबल बैठक में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, एडोबी के सीईओ शांतनु नारायण, आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा, एएमडी की सीईओ लिसा सु, मॉडर्ना के सीईओ नूबर अफयान, एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग, होलटेक इंटरनेशनल के सीईओ क्रिस सिंह और एक्सेंचर की सीईओ जूली स्वीट समेत कई टेक क्षेत्र के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि, प्रधानमंत्री भारत को ट्रांसफॉर्म करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह डिजिटल इंडिया विजन है। ▶10 पर

मोदी ने क्राउन प्रिंस सबाह, राष्ट्रपति अब्बास के साथ की द्विपक्षीय बैठकें

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के इतर कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-सबाह और फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कुवैत के क्राउन प्रिंस के साथ उनकी बातचीत बहुत ही सार्थक रही और उन्होंने फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण, तकनीक, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में संबंधों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, कुवैत के क्राउन प्रिंस, महामहिम शेख सबा खालिद अल-हमद अल-सबाह के साथ बातचीत बहुत ही सकारात्मक रही। हमने फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण, तकनीक, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में भारत-कुवैत संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। ▶10 पर

चाइल्ड पोर्नोग्राफी रखना और देखना अपराध : सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय का फैसला पलटा

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को भी दिए कड़े दिशा निर्देश

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि बच्चों के साथ यौन-क्रिया के स्पष्ट चित्रण और उनसे संबंधित अपमानजनक सामग्री को रखना या देखना यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो कानून) के अलावा सूचना एवं तकनीकी कानून के तहत भी अपराध माना जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गैर सरकारी संगठन जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायंस की अपील और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हस्तक्षेप पर इस विषय में मद्रास उच्च न्यायालय के एक फैसले को पलटते हुए नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। पीठ ने अपने फैसले में केंद्र सरकार को बाल पोर्नोग्राफी शब्द की जगह संशोधित शब्दावली- बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री रखने के लिए जरूरी प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए हैं। पीठ ने कहा है, संसद को ऐसे अपराधों की वास्तविकता को अधिक सटीक रूप से दर्शाने के उद्देश्य से बाल पोर्नोग्राफ़ी शब्दावली को बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री शब्दावली से प्रतिस्थापित करने के उद्देश्य से पॉक्सो में संशोधन लाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि इस संशोधन के लिए फिलहाल सरकार अध्यादेश जारी कर सकती है।

शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही देश में यौन शिक्षा कार्यक्रमों को व्यापक रूप से लागू करने का भी सुझाव दिया, जिसमें नाबालिगों के साथ रतिक्रिया के चित्रण के कानूनी और नैतिक नतीजों की भी जानकारी शामिल की जाए। पीठ को उम्मीद है कि इससे संभावित अपराधों को रोकने में मदद मिल सकती है। यौन शिक्षा जैसे कार्यक्रमों के संबंध में जनसामान्य के बीच भ्रामक सोच को दूर

किया जाना चाहिए और युवाओं को यौन सहमति और यौन शोषण के प्रभाव की स्पष्ट समझ कराई जानी चाहिए।

पीठ ने केंद्र सरकार को एक विशेषज्ञ समिति के गठन पर विचार करने के सुझाव का भी समर्थन किया है, जो स्वास्थ्य और यौन शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम या तंत्र तैयार करने की सिफारिश कर सकती है। अदालत ने पूरे देश में बच्चों को कम उम्र से ही पोक्सो के बारे में जागरूक बनाने पर जोर दिया है ताकि बाल संरक्षण, शिक्षा और यौन कल्याण के लिए एक मजबूत और सुविचारित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके। शीर्ष अदालत ने यह भी माना है कि यदि सोशल मीडिया मंच सरकार या उसकी एजेंसियों द्वारा समुचित रूप से बाल यौन सामग्री के रूप में अधिसूचित आपत्तिजनक समग्री को साक्ष्य को अप्रभावित रखते हुए अपने मंच से शीघ्रता पूर्वक नहीं हटाते हैं तो ऐसे मंचों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत दी गई सुरक्षा का लाभ नहीं मिलेगा।

ऐसे मंचों द्वारा नियंत्रित कंप्यूटर संसाधन में मौजूद या उससे जुड़ी किसी भी सूचना, डेटा या संचार लिंक का उपयोग गैरकानूनी कार्य करने के लिए किया जा रहा है तो भी उन्हें आईटी अधिनियम की उपरोक्त धारा का संरक्षण नहीं मिलेगा।

▶10 पर

दुर्गा पूजा समितियों को फंड देने पर कलकत्ता हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

85 हजार रुपए मामूली, कम से काम 10 लाख तो दे सरकार

यह पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है

कोलकाता, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

दुर्गा पूजा समितियों को पंडाल के लिए फंड देने के पश्चिम बंगाल सरकार के फैसले पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि दुर्गा पूजा समितियों के लिए 85 हजार रुपए कम हैं, सरकार कम से कम 10 लाख रुपए तो दे। दुर्गा पूजा समितियों को दिए जाने वाले अनुदान पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को समितियों को किए गए धन के वितरण और उपयोग का सीएजी ऑडिट कराने के लिए हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा।

मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणन ने पश्चिम बंगाल सरकार के महाधिवक्ता किशोर दत्ता से कहा कि राज्य को प्रत्येक आयोजक को 10 लाख रुपए देने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह पूजा के आयोजन के अनुरूप होगा। 85 हजार रुपए आवश्यक व्यय की तुलना में कुछ भी नहीं है। न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में कई दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा किया और महसूस किया कि 85,000 रुपए आयोजन में किए गए खर्च के लिए कुछ भी नहीं है।

अदालत ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार दिव्यांग को महज एक हजार रुपए प्रतिमाह देती है। संविदा कर्मियों, दैनिक वेतन भोगी और प्रतिस्थापन कर्मी धन की समस्या से जूझ रहे हैं। हाईकोर्ट में प्रतिनियुक्त पीडब्ल्यूडी कर्मियों को न्यूनतम वेतन नहीं दिया जा रहा है। वहीं सरकार दुर्गा पूजा आयोजकों को 85 हजार रुपए दे रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में दुर्गा पूजा आयोजकों के लिए अनुदान 85 हजार रुपए जारी किया था। जबकि 2023 में यह 75 हजार रुपए था। खंडपीठ में शामिल न्यायमूर्ति बिवास पटनायक ने राज्य सरकार को पूजा आयोजकों को बिजली शुल्क पर छूट देने से रोकने के आदेश की प्रार्थना भी स्वीकार नहीं की। ▶10 पर

भारत में एमपॉक्स के क्लैड

1 बी स्ट्रेन का पहला मामला आया सामने

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत में भी एमपॉक्स का पहला केस सामने आया है। केरल के मलप्पुरम जिले के एक 38 वर्षीय युवक ने एमपॉक्स का क्लैड 1 बी स्ट्रेन पाया गाया है। युवक हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लौटा था। मरीज की हालत स्थिर बताई जा रही है। लगातार

यूएई से भारत लौटे युवक में मिले लक्षण

बढ़ रहे एमपॉक्स को लेकर डब्ल्यूएचओ ने सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने मामला सामने आने के बाद विदेश से लौटने वाले लोगों से कोई भी लक्षण दिखने पर स्वास्थ्य विभाग को सूचित करने और इलाज कराने की अपील की है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने राज्यभर के उन सरकारी अस्पतालों की सूची जारी की, जहां पर एमपॉक्स से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार और क्वारंटीन सुविधा की व्यवस्था की गई है। ▶10 पर

हरियाणा की चुनावी रैलियों में गरजे गृहमंत्री अमित शाह

कांग्रेस की सभाओं में लगे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे

चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को हरियाणा में ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं कीं। उन्होंने टोहाना में हिसार रोड स्थित शहीद मदनलाल ढींगरा पार्क के सामने मैदान में जन आशीर्वाद रैली को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के नारे के साथ की। इसके बाद उन्होंने टोहाना के प्रत्याशी के साथ-साथ आसपास की सीटों के प्रत्याशियों के लिए वोट की अपील की। अमित शाह ने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम जी की पुण्यतिथि है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में टोहाना ने नई उचाइयों को छुआ है। उनको मैं पहले नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि पहले दो दलों की सरकार चलती थी। एक दल में भ्रष्टाचार बढ़ता था, एक में गुंडागर्दी। परिवारवाद और

कांग्रेस दलित विरोधी, बाबा साहेब अंबेडकर को अपने शासन काल में नहीं दिया भारत रत्न

कांग्रेस ने पहले अशोक तंवर की अनदेखी की और अब कुमारी सैलजा का अपमान किया

जातिवाद चरम पर था। लेकिन भाजपा ने पूरे हरियाणा की सरकार बनाई है। अमित शाह ने कहा कि बड़ी चिंता की बात है, हथिन से लेकर थानेसर और पलवल तक कांग्रेस की रैलियां होती है, पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते हैं और राहुल गांधी रोकते भी नहीं है। मैं तो टीवी में देखकर बड़ा चिंतित हूं। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी की सभाओं में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते हैं उनके साथ हरियाणा वाले रह सकते हैं क्या।

अमित शाह ने हरियाणा में सड़कों के निमार्ण व अन्य परियाजनाओं को गिनवाया। उन्होंने नौकरियों में खर्ची पर्ची का मुद्दा उठाया और कहा कि भाजपा ने पारदर्शिता से नौकरियां दी है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस दलित विरोधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेडकर को भारत रत्न नहीं दिया। उन्होंने कहा कि दलितों को नौकरी से वंचित रखा गया, साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले अशोक तंवर की अनदेखी की और अब कुमारी सैलजा का अपमान किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा है कि विकास होने के बाद आरक्षण वापस ले लेंगे। वन रैंक वन पैंशन का जिक्र भी उन्होंने किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कश्मीर में जाकर धारा 370 वापस लाने और आतंकवादियों को छोड़ने की बात कहते हैं। उन्होंने कहा कि धारा 370 कभी वापस नहीं आ सकती। उन्होंने नेहरु तक पर निशाना साधा। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,910/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,940/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 22^0

तिरुपति मंदिर में 4 घंटे चला अनुष्ठानिक शुद्धिकरण

भगवान वेंकटेश्वर स्वामी से मांगी गई माफी

लड्डू में चर्बी के आरोपों के बाद से मचा है बवाल

तिरुमला, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

तिरुमाला के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति बालाजी) में सोमवार को एक विशेष शांति हवन का आयोजन किया गया, जिसमें चार घंटे तक पंचगव्य प्रक्षालन किया गया। यह अनुष्ठान सुबह 6 बजे से 10 बजे तक चला और इसका उद्देश्य मंदिर को दोबारा से शुद्ध करना था। तिरुपति बालाजी मंदिर हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र स्थानों में से एक है। हालिया एक लैब रिपोर्ट से पता चला था कि मंदिर

का प्रसाद बनाने में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल होता है। यह जानकारी सामने आने के बाद लगातार विवाद बना हुआ है। अब मंदिर को फिर से पवित्र करने के लिए अनुष्ठानिक शुद्धिकरण किया जा रहा है। मंदिर सूत्रों ने सोमवार को बताया कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान तिरुमाला मंदिर में हुए कथित अपवित्र काम को सुधारने के लिए चार घंटे का होने वाला शांति होमं पंचगव्य प्रोक्षणा (अनुष्ठानात्मक शुद्धिकरण) का आयोजन किया गया। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के एक सूत्र ने ▶10 पर

तिरुपति मंदिर में घी की आपूर्ति करने वाली कंपनी को नोटिस

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने तिरुमला तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू प्रसादम के लिए घी की आपूर्ति करने वाली एक कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सूत्रों के अनुसार मंत्रालय ने मंदिर में घी की आपूर्ति करने वाली चार कंपनियों के उत्पाद के नमूने मांगें थे और उनका परीक्षण किया था। इनमें से एक कंपनी के उत्पाद का नमूना मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडु ने विश्व प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के प्रसाद लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले घी में मिलावट के आरोप लगाये हैं। इस पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि तिरुमला तिरुपति प्रसाद मामले में आंध्र प्रदेश सरकार से रिपोर्ट मांगी गयी है और इस पर उचित कार्रवाई की जाएगी। श्री नड्डा ने कहा है कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई होगी और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने की प्रणाली तय होगी। उन्होंने कहा है कि रिपोर्ट की जांच करने के बाद प्रसाद में मिलावट के मामले में उचित और कानूनी कार्रवाई होगी।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

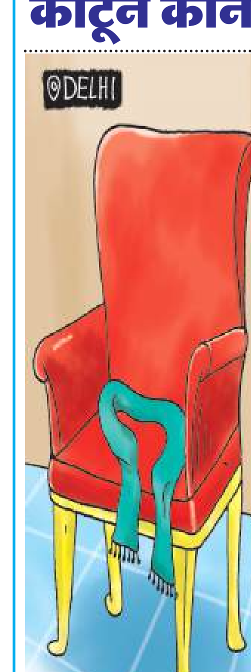

तीन दिवसीय आयोजन गुरु गुणगान के साथ सम्पन्न

योग्य विद्वान, कवि और लेखक के रूप में प्रसिद्ध हुए गुरु अमर: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में स्वर्ण संयम आराधक वीरेंद्रमुनि, उप प्रवर्तक पंकजमुनि, मुनि सौम्यप्रभविजय, डॉ वरुणमुनि, रुपेशमुनि, महासती सुधाकँवर, महासती डॉ दर्शनप्रभा, महासती विपुलदर्शना, महासती चैतन्यश्री, महासती तृप्तिलीनाश्री एवं कृष्णगिरी तीर्थ शक्ति पीठाधिश्वर डॉ वसंतविजय महाराज के पावन सानिध्य में गुरु अमर संयम अमृत वर्ष का तीन दिवसीय आयोजन गुरु गुण-गान द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह अध्यक्ष महेंद्र जैन, जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंदमल छल्लाणी, राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया, विजयनगर क्षेत्र के विधायक एवं कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री एम. कृष्णप्पा व अन्य उपस्थित रहे। संघ द्वारा अतिथियों का अभिनंदन किया गया। गुरु गुणगान समारोह की शुरुआत रुपेशमुनि द्वारा नवकार महामंत्र जाप एवं गुरु आरती से हुई। वीरेंद्रमुनि ने नवकार महामंत्र द्वारा मंगलाचरण किया और आचार्य आत्म शुक्ल शिव जन्मोत्सव पर गुरु की महिमा को प्रकाशित किया। समस्त चारित्र आत्माओं ने आत्माचार्य की ज्ञान साधना, प्रवर्तक श्री शुक्लचंद की चारित्र साधना एवं श्रृताचार्य प्रवर्तक गुरुअमर की श्रुत साधना को रेखांकित किया। साध्वी सुयशा, साध्वी चैतन्यश्री, साध्वी विपुलदर्शना, साध्वी डॉ दर्शनप्रभा, साध्वी सुधाकँवर, मुनि सौम्यप्रभविजय, डॉ वरुणमुनि, वीरेंद्रमुनि एवं कृष्णगिरी तीर्थ शक्ति पीठाधीश्वर डॉ वसंतविजय ने गुरु अमर के जीवन चारित्र एवं उनके सद्गुणों का गुणगान किया। गुरु अमर ने मात्र ग्यारह वर्ष की उम्र में हिन्दी, संस्कृत और जैन धर्म का अध्ययन प्रारंभ कर दिया और पंद्रह वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण कर ली। आचार्य आत्माराम के आशीर्वाद से गुरु पदम् के सानिध्य में गुरु अमर ने भारतीय दर्शनों व धर्मों का गहरा अध्ययन किया। आप योग्य विद्वान कवि और लेखक के रूप में प्रसिद्ध हुए। आपकी वाणी तो मधुर थी ही आपकी प्रवचन शैली भी बड़ी ज्ञानप्रद और रोचक थी। आपने साहित्य के क्षेत्र में भी महान कार्य किए। गुरु पदम के सानिध्य में गुरु अमर ने ज्ञान साधना आराधना को व्यवस्थित एवं विकसित किया। ऐसे महान संतरत्न जिनके हृदय में विशालता और जीवन में निर्मलता थी। ऐसे संत गुर अमर का आशीर्वाद सदैव हम सभी पर बरसता रहे। इस अवसर पर नवकारसी एवं गौतमप्रसादी के लाभार्थी संतोषबाई, चेतनकुमार, रश्मि रेदासनी, दरबार उद्घाटन के लाभार्थी किशनलाल, अभय खाबिया, सांझी के लाभार्थी धीरजकुमार, नीरजकुमार नाहर परिवार, भक्तिगीत प्रतियोगिता के लाभार्थी सरोजादेवी, उमेशचंद बोहरा परिवार, टी शर्ट लाभार्थी सुरेश जैन, हनीकुमार जैन परिवार, भक्ति संध्या के लाभार्थी महेंद्र जैन, कमलेश जैन परिवार, विज्ञापन के लाभार्थी उत्तमचंद, पदमचंद, नीतेश रातड़िया परिवार, ध्वजारोहण के लाभार्थी प्रकाशचंद प्रसन्नचंद भलगट, डाक टिकट विमोचन लाभार्थी प्रकाशचंद, अमित कुमार चाणोदिया परिवार और आयंबिल तप के लाभार्थी अमरचंद, गौतमचंद गांधी परिवार रहे। सभी लाभार्थियों एवं संघ संस्थाओं के पदाधिकारियों, अतिथियों का अभिनंदन श्री संघ की ओर से किया गया। इस अवसर पर बेंगलूरु एवं बाहर नगरों के सभी संघ संस्थाओं तथा जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया, जैन कांफ्रेंस राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंदमल छल्लाणी, सुरेखा कटारिया, रामनिवास जैन और भागचंद गुगलिया ने अपने भाव रखे। आरती बुरड ने भक्तिगीत प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम घोषित किए।

संघ की ओर से पुरस्कृत किया

पहले पांच विजेताओं को संघ की ओर से पुरस्कृत किया गया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने सभी का स्वागत किया। उपस्थित संत सतीवृंद की सानिध्यता के लिये संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने कृतज्ञता ज्ञापित की एवं उपस्थित गणमान्य एवं सभी महानुभावों का उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने आभार व्यक्त किया। संघ के समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। ज्ञानचंद लोढ़ा एवं टीम ने आवास निवास और प्यारेलाल टपरावत एवं टीम सदस्यों का अतिथियों की सेवा में विशेष सहयोग रहा। श्री त्रिशला महिला मंडल, श्री त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल, जिनेश्वर युवा सदस्यों का भी पूर्ण सहयोग रहा। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

अग्रबंधु चिंतन शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रवाल समाज कर्नाटक ने एक नई पहल की शुरुआत करते हुए समाज बंधुओं द्वारा एक समाज सशक्त समाज बनाने के लिए एमजी रोड स्थित ताज होटल के सभागार में रविवार को अग्रबंधु चिंतन शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, उपाध्यक्ष संजय जालान, ललित गुप्ता, रतनलाल सिंघल, नरेश गुप्ता, संजय तायल, गणेश मित्तल सहित अग्रवाल युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया, अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल सहित समाज के गणमान्य लोगों ने महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर चिंतन शिविर की शुरुआत की। इस अवसर पर समाज को कैसे सशक्त किया जाए, समेत अन्य विषयों पर आपस में चर्चा करते हुए समाज में एकता, सामाजिक उत्थान, विवाह संबंधित जन समस्याओं पर चर्चा, समाज की स्थिति को मजबूत करना एवं लोगों द्वारा दिये गए परमर्श पर विशेष चर्चा हुई। इस अवसर पर अग्रवाल समाज की अनेक संस्थाओं से अध्यक्ष व महामंत्री के साथ गणमान्य लो-गों ने उपस्थित होकर अपनी बात रखी। अंत में सचिव सतीश गोयल ने आगंतुकों का धन्यवाद किया। मंच संचालन महिला मंडल की सचिव सुनीति अग्रवाल ने किया।

कश्यप सवर्ण महासभा राजस्थान के प्रदेश सचिव मनोनीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय सवर्ण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रदेवसिंह ने राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष विशनसिंह राठौड़ की अनुशंसा पर समाज में दहेज उन्मूलन एवं सह समाज उत्थान हेतु सवर्ण महासभा राजस्थान के प्रदेश सचिव पद पर प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं समाजसेवी भूपेश कश्यप को सचिव मनोनीत किया। कश्यप के सचिव मनोनीत होने पर शुभ चिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.डी. सिंह एवं प्रदेशाध्यक्ष विशनसिंह राठौड़ का आभार जताते हुए गिरवरसिंह राठौड़, पंकज त्रिवेदी, प्रफुल ओझा, राजेन्द्र पोकरना, राजेन्द्र सिंह किसान, उगमराज चौहान, रमेश भट्ट, प्रकाश सिंह, नणीगराम सीरवी, ओम देवासी आदि ने खुशी जताते हुए हर्ष प्रकट किया।

श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ की नई कार्यकारिणी गठित

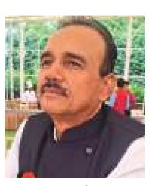

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ बेंगलूरु का क्षमापना समारोह एवं बिलावास की आम साधारण सभा श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन धर्मशाला कैंटोनमेंट में पूज्य साध्वी दिव्य रत्ना श्रीजी की निश्रा में संपन्न हुआ।

विभिन्न तपस्वियों का अभिनंदन किया गया। संघ की आम सभा में आय व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया गया। धिनावास श्री ऋषभदेव जैन संघ के सदस्यों द्वारा मंदिर जी के आगे की व्यवस्था का संचालन श्री बिलावास संघ को प्रदान किया गया। संघ की आमसभा में ट्रस्ट की नूतन कार्यकारिणी का अगले 3 वर्ष के लिए चुनाव हुआ और निर्विरोध अध्यक्ष पद पर संघवी इंदरचंद बोहरा को चुना गया। बोहरा का यह छठा कार्यकाल है। उपाध्यक्ष गौतम चंद संचेती, एस.मोहनलाल बोहरा, भिकमचंद लूणिया, सुमतिलाल पगारिया, सचिव एम. नरेंद्र कुमार आच्छा, सहसचिव रमेश लूणिया, शांतिलाल गुलेचा, प्रसन्न पगारिया, कोषाध्यक्ष हस्तीमल देसरला, सह-कोषाध्यक्ष विनोद लुणिया एवं निर्मल बोहरा को बनाया गया। सभा में पुरानी धर्मशाला को नूतन बनाने का निर्णय लिया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने सभी का स्वागत किया व संघ के आगामी कार्य की रूपरेखा प्रस्तुत की।

मासिक ज्योत व संगीतमय भजन संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री अक्षय भक्त मंडल बेंगलूरु के तत्वावधान में रविवार को रामदेव प्रार्थना मंदिर दासरहल्ली में बालाजी महाराज व अखाराम जी दादोजी महाराज की मासिक ज्योत व संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया।

भव्य दरबार में राधेश्याम आसोपा व सुशील रतावा ने दिव्य ज्योत प्रज्वलित कर अशोक रतावा ने गणेश वन्दना के साथ भजन संध्या का आगाज किया। मंडल के अध्यक्ष किशन लाल मांडोलिया व दीनदयाल पलोड़, मुरारी दाधीच, रुचीका, महेश, रामजी, शकर लाल, महावीर, बाल कलाकार दक्ष मांडोलिया ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। आचार्य रामानन्द पारीक (नाप-ासर) का अध्यक्ष किशन लाल मांडोलिया ने सम्मान किया। इस अवसर पर मणीशंकर ओझा, मदन लाल पलोड़, पंकज दाधीच, सोहन लाल सांखला, परमेश्वर, मोहित बहड़, पवन पलोड़, मोती लाल शर्मा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वापस बेंगलूरु लौटी जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ की सदस्याएं

पांच दिवसीय थाईलैंड पर्यटन यात्रा में सभी ने प्राकृतिक आबोहवा का उठाया लुफ्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग का समूह अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में पांच दिवसीय थाईलैंड का पर्यटन यात्रा पूरा कर वापस बेंगलूरु पहुंचा। जहां जीतो थाईलैंड चैप्टर और बेंगलूरु नार्थ चैप्टर का इंटरचैप्टर मीट का आयोजन हुआ। इस भेंटवार्ता में थाइलैंड चैप्टर महिला विंग उपाध्यक्ष अर्चना शाह, महामंत्री श्वेता जैन, कार्यसमिति सदस्य शीतल शाह, संगीता गांधी, तरुणा सुखलेचा, सूची जैन ने मेजबानी करते हुए बेंगलूरु नॉर्थ महिला विंग का गर्मजोशी के साथ स्वागत-सत्कार किया। उपाध्यक्ष अर्चना शाह ने थाइलैंड में प्रवासित जैन समुदाय के आत्मीय सौहार्द, समन्वय व एकता के बारे में विस्तार से बताया। महामंत्री श्वेता जैन ने जीतो गतिविधियों को साझा करते हुए हर प्रोजेक्ट पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां पर भी जीतो बैनर तले अनेकों आयोजन व्यवस्थित होते रहते है और सभी का सहयोग मिलता है। भारत के सभी चैप्टर की कार्यशैली से हम बहुत प्रभावित होते है। बेंगलूरु नॉर्थ महिला विंग के प्रथम महिला जेबीएन रेफरल मीट के आयोजन द्वारा देश ही नहीं विदेश में भी अच्छा उदाहरण पेश किया है। जेबीएन पॉवर की क्या बात, जहां हर महिला आर्थिक रूप से सुदृढ़ और सशक्त होती है।

रेफरल समूह द्वारा प्रस्तुति कौशल, संचार कौशल और व्यावसायिक कौशल पर शिक्षित हो अपने सपनों को पंख देने की प्रेरणा मिलती है। आर्थिक सुदृढ़ हर कोई होना चाहता है। जिम्मेदारियों के साथ सामंजस्य बिठाते हुए कैसे आगे बढ़ती है। इस हेतु जीतो एक बहुत अच्छा मंच प्रदान करता है। अपने कार्य की विशेषताओं को उजागर कर उसकी खूबियों और उपलब्धियों के साथ प्रस्तुत करना सीखाता है। यह एक ऐसा मंच है जो आपसी नेटवर्किंग को महत्व देते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है।

सदस्यों को अपने उत्पादकता, प्रेरणा और आपसी सौहार्द की भावना से एक-दूसरे को सहयोग करना चाहिए। यही इंटर चैप्टर मीट का मुख्य ध्येय रहा। इस बारे में उनकी जिज्ञासाओं को ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने जेबीएन की रूपरेखा साझा की व आगे भी इस कार्य हेतु सहयोग का आश्वासन दिया। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने टीम के सदस्यों का परिचय दिया। बहुत ही अच्छी तरह से विचारों के आदान-प्रदान द्वारा यह भेंटवार्ता सफल रही। इस पांच दिवसीय पर्यटन यात्रा में सभी सदस्यों ने प्राकृतिक आबोहवा का लुफ्त उठाया व वहां के ग्रांड पैलेस महल जो अठारहवीं सदी से चली आ रही, के साथ देश की सांस्कृतिक और संरचनात्मक सुंदरता का अवलोकन किया। राजधानी बैंकॉक में स्थित यह वास्तुकला सुंदर थाई वास्तुकला का एक बेहतरीन उदाहरण है। जो अभी भी सबसे प्रसिद्ध शाही समारोहों की मेजबानी करता है। फेंटासिया शो द्वारा ऐतिहासिक कलाकृतियों के बारे में बेहतरीन जानकारी सुनी। आश्चर्यजनक व्हाइट टेम्पल, वहाँ के काँच की सजावट और विशाल संरचनाएँ देखने लायक रही। अनेक जैन मंदिर एवं बुद्ध भगवान के अत्यंत लोकप्रिय वाट फ्रा काऊ मंदिर के दर्शन किए। शॉपिंग के लिए मशहूर सियाम पैरागॉन मॉल, टर्मिनल 21, सेंट्रल वर्ल्ड मॉल, मार्केट विलेज, प्रीमियम शॉपिंग मॉल, नाइट मार्केट, फ्लोटिंग मार्केट में सदस्यों ने जमकर खरीदारी की। काफी सदस्यों ने व्यवसाय करने हेतु उनके बिजनेस कार्ड लिए व नेटवर्किंग बढ़ाई। इस यात्रा में संयोजिका नीता गादिया, सह-संयोजिका संगीता मुथा के साथ साथ सभी सदस्यों का बहुत -बहुत सहयोग रहा। बहुत सारी यादों के साथ समूह पुन: बेंगलूरु सकुशल लौटा। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने सभी का धन्यवाद दिया।

धन के लिए धर्म को नहीं छोड़ें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी श्री स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारा जीवन आदर्शमय हो जो हमारे जाने के पश्चात भी हमारे आदर्शों को लोग याद करें। परमात्मा देशना के माध्यम से हमारा जीवन कैसे विकासशील बनें इसके लिए देशना देते हैं। सम्राट वह नहीं है जिसके पास संपत्ति सत्ता और बल हो बल्कि वह सम्राट है जिसके जीवन में सद्भाव हो। मन तो हमारा दास है लेकिन हमने उसको मालिक बना दिया है और हम हमारे मन के वश में हो गए हैं।

जिस धन के पीछे हम भागते हैं वो हमारे कुछ भी काम नहीं आता है, धन के पीछे हम धर्म को भी छोड़ देते हैं। हम हमारे घर की सफाई का जितना ध्यान रखते हैं उतना ही हमें अपनी आत्मा की सफाई और कर्म बंधन का ध्यान रखना है। हमें अपनी आत्मा की सफाई के लिए तप रूपी साबून और भक्ति रूपी पानी का उपयोग करते हुए आत्मा को निर्मल बनाना है। साध्वी मुद्रांजना श्री जी ने कहा कि परमात्मा केवल ज्ञान की सम्पदा को प्राप्त करने के पश्चात हमारी आत्मा के उत्थान के लिए देशना देते हैं। स्वर्ण को भी खदान से निकालने के बाद शुद्ध करना पड़ता है। इसी तरह हमारे जीवन को भी निरंजन बनाना है। जब तक हमारे हृदय में गन्दगी मान कषाय रहेगा तब तक हमारे जीवन में धर्म नहीं टिक पाएगा।

शिरूर भूस्खलन में लापता स्कूटर बरामद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला के निकट शिरूर में भूस्खलन में मरे लक्ष्मण नायका का स्कूटर रविवार को तलाशी अभियान के दौरान गंगावली नदी में मिला। घटना में लापता हुए गैस टैंकर का इंजन वाला हिस्सा भी बरामद हुआ।

इंजन के हिस्से ड्रेजिंग बार्ज का उपयोग करके मिट्टी हटाने के अभियान के दौरान मिले, जबकि स्कूटर गोताखोर ईश्वर मालपे ने पाया। इसे क्रेन की मदद से उठाया गया। एक बर्तन और एक लकड़ी के लट्ठे सहित कुछ सामान भी बरामद हुए। अभियान लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा, जिसमें मिट्टी और पत्थर हटाने की प्रक्रिया जारी रही।

45 नई एम्बुलेंस का उद्घाटन

सीएम ने यातायात उल्लंघन करने वालों का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने निर्देश दिया है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को नोटिस जारी करने के बजाय उनके ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिए जाएं। विधानसौधा के सामने सीढ़ियों पर मुख्यमंत्री आपातकालीन सेवा के तहत 45 नई एम्बुलेंस का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, लेकिन अगर आम जनता और वाहन चालक नियमों का पालन नहीं करेंगे तो दुर्घटनाओं को कम नहीं किया जा सकता है। यदि युवा और छात्र किसी दुर्घटना में अपनी जान गंवा देते हैं, तो वे देश को जो सेवाएं दे सकते हैं, वे समाप्त हो जाएंगी। परिवारों को कष्ट होता है। उन्होंने कहा कि जब कोई घायल हो जाता है तो जीवन ही अस्त-व्यस्त हो जाता है। प्रदेश में हर साल 40 हजार दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिनमें से 9 से 10 हजार लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। दुर्घटनाओं को कम करने के लिए 2017 में सड़क सुरक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया था।

उन्होंने कहा कि एकत्रित धनराशि में से 45 करोड़ रुपये स्वास्थ्य विभाग को दिए गए हैं, जिसमें से 65 नई एम्बुलेंस खरीदी गई हैं। दुर्घटना की स्थिति में एक घंटे के अंदर इलाज मिल जाए तो जान बचाई जा सकती है, जिसे स्वर्णिम समय कहा जाता है। इसके लिए शुरू की गई 30 एम्बुलेंस में जीवन रक्षक उपकरणों के साथ-साथ वेंटिलेटर, दवा और तकनीकी कर्मचारी भी होंगे जो लोगों की जान बचाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

उन्होंने कहा कि नजदीकी तालुक अस्पताल में प्राथमिक इलाज कराने के बाद सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में ले जाकर जान बचाने का प्रयास किया जाएगा। यातायात नियमों का पालन किया जाए तो दुर्घटनाएं कम होंगी। नशे में गाड़ी न चलाएं। उन्होंने कहा कि अगर कहीं कोई बोर्ड लगा है कि यहां पेशाब न करें तो लोग वहां वर्जित काम करते हैं। लोगों को इस तरह का नजरिया छोड़कर बदलाव लाना चाहिए। अनुपालन हर किसी की जिम्मेदारी है। वाहनों को सुरक्षित स्थिति में रखा जाना चाहिए। मैंने कई लोगों को फोन पर बात करते हुए गाड़ी चलाते देखा है। वह तेज गाड़ी चलाते हैं। विदेश में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की व्यवस्था है। हमारे साथ भी यही अभ्यास अपनाएं। नोटिस न दें। उन्होंने निर्देश दिया कि सीधे लाइसेंस रद्द किया जाये और गड़बड़ी करने वालों को कोर्ट में पेश किया जाए। लोग यह जानते हुए भी गलत करते हैं कि यदि वे गलत करेंगे तो उन्हें कारावास की सजा होगी। उन्होंने कहा कि यह ठीक नहीं है। इस मौके पर मंत्री रामलिंगारेड्डी, दिनेश गुंडूराव, विधायक रूपकला, नागराज यादव और अन्य मौजूद थे।

कर्नाटक के राज्यपाल तुच्छ मुद्दों पर मांग रहे जानकारी: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक के राज्यपाल 'तुच्छ मुद्दों' पर जानकारी मांग रहे हैं। उन्होंने भाजपा से पूछा कि जब पार्टी सत्ता में थी, तब अर्कावती विमुद्रीकरण पर केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट विधानसभा में क्यों नहीं रखी गई। राज्यपाल के कदम पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों से कहा, भाजपा ने चार साल तक राज्य पर शासन किया। उन्होंने रिपोर्ट विधानसभा में क्यों नहीं रखी? अब सी.टी. रवि ने पत्र लिखा है। वे तब मंत्री थे। उन्होंने तब ऐसा क्यों नहीं किया?

मैंने उनसे ऐसा करने के लिए कहा था। मैं इसे (अर्कावती पर राज्यपाल के पत्र को) देखूंगा। बाद में निर्णय लिया जा सकता है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश के.एन. केशवरनराय की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है, जो यह देखेगी कि अर्कावती लेआउट के संबंध में विमुद्रीकरण मामले उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुरूप थे या नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे राष्ट्रपति से शिकायत करेंगे, तो उन्होंने कहा कि राज्यपाल छोटे-मोटे मुद्दों पर ध्यान दे रहे हैं।

राज्यपाल को दी गई एक 'तुच्छ' शिकायत और हस्ताक्षर पर जांच की मांग का उदाहरण देते हुए सिद्धरामैया ने कहा शिकायतकर्ता ने जांच की मांग की है कि मैंने अंग्रेजी में हस्ताक्षर क्यों किए, और राज्यपाल ने जवाब मांगा है। क्या यह कोई मुद्दा है? कोई भी व्यक्ति अपनी भाषा में हस्ताक्षर कर सकता है। मैं अंग्रेजी या कन्नड़ में हस्ताक्षर कर सकता हूं। आम तौर पर, मैं कन्नड़ में रखी गई फाइलों में कन्नड़ में हस्ताक्षर करता हूं, और अन्य राज्यों या केंद्र को भेजी जाने वाली फाइलों और संचार में अंग्रेजी में हस्ताक्षर करता हूं।

फ्रिज में महिला का शव मिलने का मामला

मुख्य संदिग्ध की पहचान कर ली है और उसे पकड़ने के लिए काम कर रहे : दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में किराए के घर में रेफ्रिजरेटर के अंदर 29 वर्षीय महिला का शव मिलने के दो दिन बाद, पुलिस ने मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने सोमवार को कहा कि उन्होंने मुख्य संदिग्ध की पहचान कर ली है और उसे पकड़ने के लिए काम कर रहे हैं।

आयुक्त ने मीडिया को बताया मामले की सभी कोणों से जांच की जा रही है। मुख्य संदिग्ध की पहचान कर ली गई है और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। वह दूसरे राज्य का रहने वाला है, लेकिन बेंगलूरु में रह रहा है। हम अभी और जानकारी नहीं दे सकते, क्योंकि इससे आरोपी को मदद मिल सकती है। पीड़िता की पहचान महालक्ष्मी के रूप में हुई है, जो शनिवार को मल्लेश्वरम में वीरन्ना भवन के पास व्यालिकावल में एक अपार्टमेंट परिसर में मिली थी। उसके शरीर को 28 टुकड़ों में काटकर फ्रिज में रखा गया था। अपराध तब सामने आया जब पीड़िता के अलग रह रहे पति हेमंत दास को शव मिला। यह भयानक खोज तब हुई जब इमारत में लगातार बदबू आ रही थी, जिसके कारण इमारत के मालिक जयराम को महालक्ष्मी के बंद अपार्टमेंट में घुसना पड़ा। महालक्ष्मी, जो मूल रूप से बेंगलूरु के बाहरी इलाके नेलमंगला की रहने वाली हैं, हेमंत के साथ वैवाहिक विवाद के बाद व्यालिकावल चली गई थीं। दंपति का एक चार साल का बच्चा भी है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि पुलिस ने महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई है, लेकिन आगे की जानकारी साझा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा पुलिस ने बहुत सारी जानकारी, बहुत सारे सुराग जुटाए हैं। एक व्यक्ति भी है, वे कहते हैं कि वह वही है। जब तक हम और जानकारी नहीं जुटा लेते, हम वास्तव में कुछ नहीं कह सकते। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने कर्नाटक पुलिस को अपराध में शामिल सभी व्यक्तियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने का निर्देश दिया है और गहन, समयबद्ध जांच का आह्वान किया है। एनसीडब्ल्यू ने तीन दिनों के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

अशोक ने हिंदू रीति-रिवाजों में अभूतपूर्व रुचि को लेकर सरकार की आलोचना की

इसे महज दिखावा बताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा ने कर्नाटक सरकार की आलोचना की है, क्योंकि उसने अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल हरिद्वार और काशी भेजकर गंगा आरती का अध्ययन करने और राज्य में उसी तर्ज पर कावेरी आरती आयोजित करने का निर्णय लिया है। भाजपा के नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) आर. अशोक ने हिंदू रीति-रिवाजों में अभूतपूर्व रुचि को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। सोमवार को सोशल मीडिया पर अशोक ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा यह कांग्रेस सरकार, जिसने अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान 30 साल पुराने मामलों को फिर से खोला और कारसेवकों को जेल में डाला, यही कांग्रेस सरकार जिसने गणेश प्रतिमाओं को पुलिस वैन में लाद दिया और यही कांग्रेस सरकार जिसने नागमंगला में गणेश विसर्जन के दौरान सांप्रदायिक हिंसा को मामूली या आकस्मिक घटना बताकर खारिज कर दिया, अब अचानक हिंदू धर्म, परंपराओं और रीति-रिवाजों में अभूतपूर्व रुचि दिखा रही है। क्या यह महज दिखावा नहीं है? अशोक ने कहा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, अगर आप सचमुच देश और धर्म की थोड़ी भी परवाह करते हैं, तो सबसे पहले विधान सौधा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वाले लोगों को गिरफ्तार करें, नागमंगला और दावणगेरे में गणेश विसर्जन के दौरान हुए दंगों के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करें और चिकमगलूरु में फिलिस्तीन के झंडे थामकर उपद्रव करने वालों को गिरफ्तार करें। इसके बजाय, अगर आप कावेरी आरती करके सिर्फ दिखावा करेंगे, तो क्या मां कावेरी इससे प्रसन्न होंगी?

उन्होंने आगे कहा मांड्या के प्रभारी मंत्री और कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी के नेतृत्व में, मांड्या और मैसूरु के विधायक और विधान परिषद के सदस्य, कावेरी विकास निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, इसी तरह की कावेरी आरती आयोजित करने के इरादे से गंगा आरती के मॉडल का अध्ययन करने के लिए तीन दिनों के लिए हरिद्वार और काशी का दौरा कर चुके हैं। अब, वे अधिकारियों का एक और प्रतिनिधिमंडल भेज रहे हैं। इसकी आवश्यकता क्यों है? अशोक ने सवाल किया अगर अधिकारियों को फिर से जाने की आवश्यकता है, तो मंत्री और उनकी टीम ने अपनी यात्रा के दौरान वास्तव में क्या किया? क्या वे सिर्फ सरकारी धन का मजा लेने गए थे? कांग्रेस सरकार मैसूरु में ऐतिहासिक दशहरा उत्सव के दौरान गंगा आरती की तर्ज पर कावेरी आरती आयोजित करने की इच्छुक है। सरकार ने कावेरी नदी के तट पर श्रीरंगपटना में निमिशंबा मंदिर या मांड्या जिले में केआरएस बांध पर कावेरी आरती आयोजित करने का फैसला किया है। हरिद्वार गए प्रतिनिधिमंडल द्वारा जल्द ही रिपोर्ट प्रस्तुत करने की संभावना है। सूत्रों ने कहा कि सरकार ने गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान कर्नाटक में हिंसा की घटनाओं और ईद मिलाद के दौरान फिलिस्तीनी झंडे और पोस्टर लहराने से खराब हुई छवि को ठीक करने के लिए कावेरी आरती आयोजित करने का फैसला किया है।

बाथरूम क्लीनर फेंकने से व्यक्ति झुलसा पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में रविवार को एक व्यक्ति पर बाथरूम क्लीनर में एसिड मिला कर हमला किया गया, जिससे उसके चेहरे पर चोट आई है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि यह मामला कामाक्षीपाल्या पुलिस थाने में सामने आया। डीसीपी (पश्चिम) एस. गिरीश ने बताया कि पीड़ित की पहचान नांगेश कोंडा के रूप में हुई है, जो कामाक्षीपाल्या का निवासी है। आरोपी अज्ञात व्यक्ति है और इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 124 (1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित को विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी बाईं आंख में चोट लगी है और वह उसे खोल नहीं पा रहा है। उसके चेहरे और बाएं हाथ पर जलन के निशान हैं। पुलिस ने प्लास्टिक की बोतल जब्त कर ली है, जिसमें एसिड वाला रसायन रखा हुआ था। डीसीपी ने बताया अगर यह पूरी तरह से एसिड होता, तो प्लास्टिक की बोतल तुरंत पिघल जाती। पीड़ित नागेश ने बताया कि वह एक साल से इस इलाके में रह रहा है और एक फैक्ट्री में काम करता है। दो साल पहले जब वह व्हाइटफील्ड इलाके में काम कर रहा था, तो उसकी मुलाकात लक्ष्मी से हुई जो पास में ही रहती थी। वे फोन पर संपर्क में थे और मोबाइल पर एक-दूसरे से बात करते थे। रविवार दोपहर को जब नागेश शराब की दुकान की ओर जा रहा था, तो उसे लक्ष्मी का फोन आया। जब वह मोबाइल पर बात कर रहा था, तभी पीछे से एक अज्ञात व्यक्ति आया और उसके चेहरे पर केमिकल फेंक दिया। घटना के बाद आरोपी भाग गया। नागेश ने बताया कि कुछ देर बाद ही उसे जलन होने लगी और ऐसा लगा कि उसके चेहरे से धुआं निकल रहा है। उसने अपने दोस्त को घटना की जानकारी दी और कंपनी मैनेजर ने उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। बाद में उसे एंबुलेंस में विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया। आरोपी का अभी पता नहीं चल पाया है और उसे गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

2022 में कामाक्षीपाल्या थाने की सीमा में एक 24 वर्षीय एमकॉम ग्रेजुएट पर काम पर जाते समय एक पीछा करने वाले के प्रस्ताव को ठुकराने पर तेजाब से हमला करने की घटना ने राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं। करीब 100 पुलिसकर्मियों की एक टीम ने विभिन्न राज्यों में उसकी तलाश शुरू की थी। आखिरकार, आर-ोपी को तमिलनाडु के तिरुवन्नमालै के एक मंदिर से गिरफ्तार कर लिया गया। उसने खुद को धार्मिक संत का भेष बना रखा था। तमिलनाडु से बेंगलूरु वापस लाते समय जब वह भागने की कोशिश कर रहा था तो पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी थी।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना

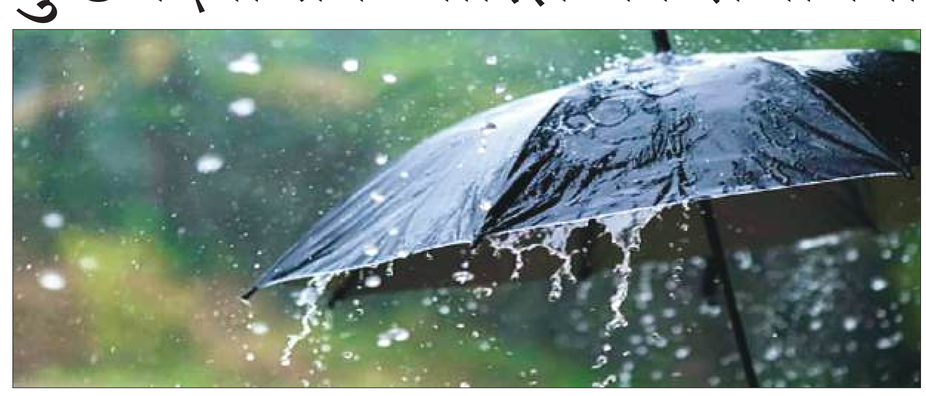

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पिछले दो दिनों से ठीक हो गया है और राज्य के अंदरूनी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है, जबकि तट पर व्यापक बारिश हुई है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक अगले तीन दिनों तक राज्य में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है और मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

रविवार को तटीय इलाकों में अच्छी खासी बारिश हुई। कुछ जगहों पर भारी बारिश हुई है। उत्तरी कर्नाटक में भी हल्की से व्यापक वर्षा हुई।

कल्याण कर्नाटक और दक्षिण कर्नाटक में छिटपुट बारिश दर्ज की गई। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उठे मेलाई चक्रवात के फलस्वरूप प्रदेश में बादल छाए हुए हैं। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक हल्का दबाव बन रहा है। इसके परिणामस्वरूप अगले तीन दिनों तक राज्य में व्यापक वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि तटीय और उत्तरी कर्नाटक के कुछ जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। तटीय और पहाड़ी जिलों में मंगलवार तक गरज, बिजली और तेज हवाओं का अनुभव होने का अनुमान है। इसी तरह, उत्तरी और दक्षिणी अंतर्देशीय जिलों में व्यापक वर्षा होगी। कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी संभावना है।

राज्यपाल द्वारा सरकार के दैनिक निर्णयों के बारे में जानकारी मांगने का कोई उदाहरण नहीं: गृह मंत्री

ऐसी स्थिति कभी नहीं आई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में राज्यपाल बनाम सरकार की खींचतान जारी है और सोमवार को गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्यपाल द्वारा सरकार से दैनिक आधार पर जानकारी मांगने का कोई उदाहरण नहीं है। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा हर चीज का जवाब देने की जरूरत नहीं है। बेंगलूरु में अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा राज्यपाल बहुत ही जिम्मेदार और सम्मानजनक पद पर होते हैं। पहली बार राज्यपाल सरकार के दैनिक प्रशासन के बारे में जानकारी मांग रहे हैं। संविधान की भावना की रक्षा करना राज्यपाल की जिम्मेदारी है। दैनिक प्रशासन को संभालने का अधिकार मुख्यमंत्री और सरकार के पास है। हालांकि, यह पहली बार है कि राज्यपाल सरकार के दैनिक प्रशासन के बारे में जानकारी मांग रहे हैं या हस्तक्षेप कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं 35 साल से राजनीति में हूं। हमने कई राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों को राजनीति में देखा है। ऐसी स्थिति कभी नहीं आई। ऐसा कोई उदाहरण नहीं है, जब राज्यपाल ने सरकार के दैनिक कामकाज या फैसलों के बारे में जानकारी मांगी हो।

उन्होंने कहा जब भी जरूरत हो, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव या गृह मंत्री राज्यपाल से मिलकर उन्हें जानकारी दे सकते हैं, खासकर कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों पर। राज्यपाल को संबंधित मंत्रियों को बुलाकर जानकारी मांगने का अधिकार है। हालांकि, रोजाना पत्र लिखकर जानकारी मांगना संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा राज्यपाल और सरकार के बीच अच्छे संबंध होने चाहिए। तभी लोगों और राज्य के लिए काम करना संभव होगा। हम कैबिनेट में मुख्यमंत्री के साथ इस पर चर्चा करेंगे और तय करेंगे कि क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा राज्यपाल द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब देने की कोई बाध्यता नहीं है। हम निश्चित रूप से वह जवाब देंगे जिसका जवाब दिया जाना चाहिए। लेकिन हर सवाल का जवाब देने की कोई बाध्यता नहीं है। ऐसा नहीं है कि हमें हर सवाल का जवाब देना है। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि राज्यपाल ऐसा क्यों कर रहे हैं। जब राज्यपाल ने अचानक निर्वाचित मुख्यमंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी किया तो हमने इसका विरोध किया और इसे गलत बताया। हमने बिना किसी कारण के विरोध नहीं किया। कोई जांच नहीं हुई, कोई रिपोर्ट नहीं। सिर्फ इसलिए कि किसी ने शिकायत की, बिना जांच के कारण बताओ नोटिस जारी करना सही नहीं है। उन्होंने कहा आप मुख्यमंत्री के लिए एक मानक और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के लिए दूसरा मानक नहीं रख सकते। आपको समान मानकों के अनुसार काम करना होगा। यदि आप एक व्यक्ति को नोटिस जारी करते हैं, तो आपको दूसरे को भी जारी करना चाहिए। हमने इस संबंध में राज्यपाल से भी सवाल किया है। उन्होंने स्पष्ट किया हमने कैबिनेट में मुख्यमंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के तरीके पर चर्चा की। इसमें कोई गोपनीयता नहीं है। राज्यपाल को संविधान के तहत सलाह देने का अधिकार है। इसलिए, हमने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने पर पुनर्विचार करने के लिए सूचित किया है। कर्नाटक सरकार ने सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन के लिए सहमति देने के राज्यपाल थावर चंद गहलोत के फैसले पर केंद्र के हाथों की कठपुतली करार दिया। कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया और सवाल किया कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी और अन्य भाजपा पूर्व मंत्रियों के खिलाफ जांच के लिए सहमति क्यों नहीं दी, जबकि उनके खिलाफ शिकायतें लंबे समय से लंबित थीं।

रोजाना नए मामले सामने आ रहे

इसके बदले में, राज्यपाल ने कर्नाटक सरकार द्वारा हटाए गए सभी लोकायुक्त मामलों और सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ नए आरोपों की जानकारी मांगी थी। जेल में बंद भाजपा विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ एसआईटी के गठन के बारे में बात करते हुए परमेश्वर ने कहा भाजपा विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ रोजाना नए मामले सामने आ रहे हैं। पहले तो इसे एक मामला माना जा रहा था, लेकिन अब इसमें कई मामले जुड़ते जा रहे हैं। गहन जांच की मांग के चलते जरूरत के मुताबिक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। एसआईटी मुनिरत्ना को पूछताछ के लिए हिरासत में लेगी। फिलहाल मुनिरत्ना बलात्कार और हनी ट्रैपिंग के आरोप में बेंगलूरु सेंट्रल जेल में बंद हैं।

मंथन कार्यक्रम का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के 60 साल बेमिसाल के अंतर्गत हासन तेरापंथ सभा में मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी अभूतपूर्व अध्यक्ष, मंत्री एवं तेरपंथ युवक परिषद की उपस्थिति रही। आज के दिन हासन तेरापंथ युवक परिषद का रजत जयंती वर्ष था। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी अभूतपूर्व अध्यक्ष, मंत्री का सम्मान किया गया। वर्तमान युवक परिषद के अध्यक्ष नितेश सुराणा, मंत्री मनीष तातेड ने सभी को सम्मानित किया। उसके बाद युवक परिषद के पहले अध्यक्ष महावीर भंसाली ने इस अवसर पर हासन युवक परिषद के पहले मंत्री स्वर्गीय शांतिलाल गुलगुलिया, खजांची स्वर्गीय महावीर कोठारी को याद किया। उन्होंने कहा कि समाज का गठन कितना महत्व-पूर्ण है, समाज के लिए धन का संचय, किसी संस्थान को चलाने के लिए धैर्य, कर्मठता, सभी का साथ कितना जरूरी है। अरविंद तातेड ने कहा सभी का साथ मिलना ही बड़ी बात है। दिनेश सेठिया ने कहा गुरुदेव की रास्ते की सेवा युवक परिषद की जिम्मेदारी है। महेश सुराणा ने कहा मेरे कार्यकाल में हासन में गुरुदेव का आगमन एवं कोविड काल में जो युवक परिषद ने हासन के हर घर तक सुबह नाश्ते की व्यवस्था की, उसके बाद ये लगा की संगठन से बड़ी शक्ति नही हो सकती। हासन प्रोफेशन फोरम को लगातार तीन साल से बेस्ट ब्रांच अवार्ड कैटेगरी यूनिट के पुरस्कार से सम्मानित होने पर अध्यक्ष भरत भंसाली का अभिवादन किया गया।

निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में लगी आग

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। डोड्डनगुड्डे बब्बूस्वामी मंदिर के पास स्थित एक निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में सोमवार को आग लग गई। सौभाग्य से, अस्पताल में कोई मरीज मौजूद नहीं था, क्योंकि वहां मरम्मत का काम चल रहा था। कुसुमा, जो हर सुबह अपने दैनिक काम के लिए आती है, उसे आग का पता चला। रसोई में अपना काम शुरू करते समय, उसने हॉल से आती हुई आवाज सुनी। बाहर निकलने पर, उसने आग देखी और तुरंत डॉक्टरों को सूचित किया, जिन्होंने फिर अग्निशमन विभाग को सूचित किया और घटनास्थल पर पहुंचे। घटना के समय पहली मंजिल पर मौजूद दो कर्मचारी सुरक्षित रूप से इमारत से बाहर निकलने में कामयाब रहे। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, और अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं।

नेहरू के समय से कांग्रेस में आरक्षण विरोधी मानसिकता जारी: गुरुप्रकाश पासवान

इस पागलपन की पृष्ठभूमि पारिवारिक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरुप्रकाश पासवान ने राहुल गांधी के आरक्षण विरोधी बयान को उनके परिवार की विचारधारा की निरंतरता के रूप में विश्लेषित किया। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने 1961 में पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र का उल्लेख किया जिसमें कहा गया था कि वह किसी भी प्रकार के आरक्षण के पक्ष में नहीं थे। नेहरू का पत्र भी प्रदर्शित किया गया। इंदिरा गांधी ने लाल किले से अपने भाषण में कहा था कि इस देश से जाति खत्म होनी चाहिए। राजीव गांधी ने संसद भवन में मंडल आयोग की आरक्षण की सिफारिश का विरोध किया था। विपक्षी नेता राहुल गांधी ने भी यही दोहराते हुए कहा है कि वह आरक्षण रद्द कर देंगे। भाजपा अंत्योदय की अवधारणा के तहत काम कर रही है। भाजपा समाज

के अंतिम पायदान पर मौजूद लोगों के कल्याण और विकास पर जोर दे रही है। पिछले 10 वर्षों में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग का जनादेश भाजपा को मिलता रहा है। उन्होंने बताया कि भाजपा की ओर से कांग्रेस पार्टी की पाखंडी रणनीति और आरक्षण विरोधी मानसिकता के खिलाफ देश भर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जा रही हैं। राहुल गांधी देश के अंदर सिर्फ एससी, एसटी, ओबीसी की बात करते हैं। अब राहुल ने विदेश में आरक्षण के खिलाफ बयान दिया है और इस पागलपन की पृष्ठभूमि पारिवारिक है। आरक्षण विरोधी मानसिकता की आलोचना करते हुए गुरुप्रकाश पासवान ने मांग की कि राहुल को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जिन राज्यों में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन सत्ता में है, वहां कितने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री एससी और एसटी समुदाय के हैं। जब सीएम, डीसीएम, नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति की बात आती है तो कांग्रेस पार्टी एससी, एसटी, ओबीसी समुदाय को भूल जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने विधान परिषद में एक बहुत छोटे जातीय समूह के प्रतिनिधि को अनुमति दी है। कर्नाटक में पहली बार एससी समुदाय के किसी सदस्य को विधान परिषद में विपक्ष का नेता चुना गया है। डॉ अंबेडकर के बाद पहली बार दलित अर्जुनराम मेघवाल को केंद्रीय कानून मंत्री बनने का मौका दिया गया है। ये मौका भाजपा ने दिया है। पहली बार एससी समुदाय से किसी व्यक्ति को मुख्य सूचना अधिकारी के पद पर चुना गया है। भाजपा ने रेलवे बोर्ड में भी एससी समुदाय को मौका दिया है। हालाँकि राष्ट्रपति के पास एससी समुदाय के सदस्यों को राज्यसभा में भेजने का अधिकार है, लेकिन 1952 से इसका उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें 2020 में इसी समुदाय से तमिलनाडु के इलैय्यराजा को चुनने का मौका दिया है। कांग्रेस पार्टी ने दलितों और अनुसूचित जनजातियों को वोट बैंक समझा है। हरियाणा में इस वक्त विधानसभा चुनाव प्रचार चल रहा है। एससी समुदाय के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री शैलजा गायब है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र लॉन्च के दौरान शैलजा और दलित नेताओं को अनुमति नहीं दी गई।

गुरु दर्शनार्थ कृतज्ञता हवाई संघ बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी की शिष्या साध्वी श्री सिद्ध प्रभाजी के पावन सानिध्य में 27 सितंबर को गुरु दर्शनार्थ जाने वाले संघ के बैनर का अनावरण किया गया। बैनर का अनावरण संघ के प्रायोजक शायर देवी- हीरालाल, सुमन-हेमंत मालू परिवार ने किया।

सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने सभी का स्वागत करते हुए प्रायोजक परिवार का आभार व्यक्त किया तथा बताया कि लगभग 150 भाई-बहन इस संघ में गुरु दर्शनार्थ जा रहे हैं। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने फरमाया कि विजयनगर से संघ गुरु दर्शनार्थ जा रहा है। यह बहुत अच्छी बात है, हमें समर्पण के साथ सदैव संघ सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। जाने वाले सभी भाई बहन अधिक से अधिक गुरु एवं चारित्र आत्माओं की सेवा का लाभ लेवें। संघ में अनुशासन एवं व्यवस्था बनाए रखने में एक दूसरे का सहयोग करें। कार्यक्रम में टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर हिम्मत मांडोत का सम्मान किया गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष भंवरलाल मांडोत, बाबूलाल बोथरा, ललित सेठिया, मंत्री दिनेश हिंगड़, सह मंत्री ज्ञानू नाहटा, संगठन मंत्री मनोहरलाल बोहरा, कोषाध्यक्ष चंपालाल मालू उपस्थित थे। प्रायोजक परिवार से हीरालाल मालू ने संघ में जाने वाले सभी भाई बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया। संघ के संयोजक राजेश चावत ने संघ के दौरान होने वाले व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी।

आधुनिक शिक्षा प्रणाली व हिंदी भाषा पर काव्य पाठ आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेरणा लोक मंच की मासिक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन रविवार को शोभा क्रिसंथेमैम के सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम दो सत्रों में हुआ। प्रथम सत्र में साहित्यिक चर्चा हुई, जिसका विषय आधुनिक शिक्षा प्रणाली था। दूसरे सत्र में हिंदी भाषा विषय पर काव्य पाठ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्ष शिवमोग्गा की वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर जी एस सरोजा थीं और बतौर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार शशि रंजन एवं गरिमा सक्सेना सादर उप-स्थित थी। विनीता लवानिया की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

प्रथम सत्र के वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार बृजेन्द्र मिश्रा ने विषय पर अपनी बात रखते हुए बताया कि किस तरह आधुनिक शिक्षा प्रणाली से व्यक्ति को सैद्धांतिक से व्यावहारिक बनने में सहायता मिलती है जो व्यक्ति में संस्कार एवं नैतिकता का बीजार-ोपण करती है। व्यक्ति को जीवन के संघर्षों का सामना करने के लिए प्रेरित करती है एवं उनमें आत्मविश्वास जगाती है, जिससे उनका व्यक्तित्व निखर उठता है। दूसरे सत्र में विषय पर कविता पाठ हुआ जिसमें गीता चौबे गूँज, भगवती सक्सेना गौड़, त्रिशला मिश्रा, बृजेंद्र मिश्रा, शशि रंजन, अंजू भारती, प्रबल प्रताप सिंह राणा प्रबल, विनीता लवानिया, अरुणा राणा, गरिमा सक्सेना, रतिंदर कौर, डॉक्टर शैलजा, संध्या एवं वीणा मेदनी ने भाग लिया। सभी ने हिंदी के मान को उठाते हुए-बढ़ाते हुए आधुनिक शिक्षा के महत्व को दर्शाया। मंच संचालन एडवोकेट अंजू भारती ने किया। वीणा मेदनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जालोर जैन समाज का सामूहिक क्षमापना सम्मेलन सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जालोर जैन समाज का सामूहिक क्षमापना स्नेह मिलन एवं तपस्वियों का बहूमान श्री पार्श्व शांति भंडारी भवन जयनगर में रविवार को संपन्न हुआ। संघ के अध्यक्ष गौतम गांधी, मंत्री शांतिलाल कोठारी, दिनेश मेहता, भोपालचंद सोनवाडीया, प्रकाश लूनिया, अशोक गांधी, सुमथी कुमार राठौर, कुशालचंद गांधी, सुरेश सोनेगरा, मोहनलाल राठौड़, विनोद राठौड़ ने द्वीप प्रज्वलित किया।

लता सोनवाडीया, गुलाब बोहरा और विद्या वेदमूथा ने मंगलाचरण द्वारा सभा कि

शुरुआत की। अध्यक्ष गौतम गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए लाभार्थी परिवार को धन्यवाद देकर तपस्वियों की सुखसाता पूछते हुए अनुमोदना की। समाज के भोपालचंद सोनवाडिया ने स्नेह मिलन के लाभार्थी मोहनलाल, विनोदकुमार राठौर परिवार का जालौर जैन समाज द्वारा सम्मान कर, समाज का स्मृति चिह्न प्रदान किया। सिद्धितप, वर्षीतप, ग्यारह उपवास एवं अट्ठाई की बड़ी तपस्या के तपस्वियों का बहुमान कर चांदी का स्मृतिचिह्न प्रदान कर खूब खूब अनुमोदना की। सोनवाडिया ने गौशाला पर पूरी जानकारी देते हुए बताया कि एक गाय को गोद लेने का नखरा 14400 है।

गौशाला में गायों के लालन पालन व रख रखाव का खर्च बहुत ज्यादा होने से बेंगलूरु समाज को ज्यादा से ज्यादा गायों को गोद लेने एवं गौशाला के लिए अधिक से अधिक सहयोग राशि इकट्ठा करने पर जोर दिया। समाज के सदस्यों ने बहुत ही उत्साह दिखाते हुए जीवदया के लिए नाम लिखवाए। भेरू भंडारी ने 11, विनोद राठौड़ ने 5 एवं समाज के अन्य सदस्यों ने एक एक गायों को गोद लेकर अभूत पूर्व जीव दया का लाभ लिया।

समुद्र के रास्ते दुनिया का चक्कर लगाएंगी नौसेना की दो जांबाज अधिकारी

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की दो जांबाज अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए नौकायन पोत तारिणी में दो अक्टूबर को नाविका सागर परिक्रमा अभियान के तहत समुद्र के रास्ते दुनिया का चक्कर लगाने के असाधारण मिशन पर निकलेंगी। नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की अध्यक्षता में यहां हुए एक कार्यक्रम में सोमवार को इस अभियान के बारे में जानकारी दी।

ये दोनों अधिकारी गोवा में आईएनएस मंडोवी से इस चुनौतीपूर्ण अभियान पर रवाना होंगी। यह जोड़ी बिना किसी बाहरी सहायता के केवल पवन ऊर्जा पर निर्भर होकर 21,600 समुद्री मील (लगभग 40,000 किमी) से अधिक की दूरी आठ महीने में तय करेगी। यह अभियान प्रतिकूल परिस्थितियों में अधिकारियों की असाधारण वीरता, साहस और दृढ़ता को उजागर करती है। इस यात्रा के दौरान ये अधिकारी तीन समुद्री मार्गों - केप लीउविन, केप हॉर्न और केप ऑफ गुड होप के आसपास के खतरनाक मार्ग सहित कुछ सबसे जोखिम भरे पानी से होकर गुजरेंगी। यह यात्रा न केवल उनकी बहादुरी और कौशल का प्रमाण है, बल्कि उनकी भावना और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करते हुए नारी शक्ति के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।

इस अभियान की कल्पना भारतीय नौसेना द्वारा नाविका सागर परिक्रमा के उद्घाटन के साथ 2017 में की गई थी। उस समय में छह महिला अधिकारियों के दल ने समुद्र के रास्ते दुनिया का चक्कर काटा था। इस अभियान का दूसरा संस्करण इसलिए असाधारण होगा क्योंकि इस बार केवल दो महिला अधिकारी इसे पूरा करेंगी। इससे पहले, कैप्टन दिलीप डोंडे (सेवानिवृत्त) 2009-10 में दुनिया का चक्कर लगाने वाले पहले भारतीय थे। इसके बाद, कमांडर अभिलाष टॉमी (सेवानिवृत्त) दो जलयात्राओं में भाग लेने वाले पहले एशियाई कमान थे और उन्होंने 2022 में गोल्डन ग्लोब रेस को पूरा करने की दुर्लभ उपलब्धि हासिल की थी। गौरतलब है कि कमांडर अभिलाष टॉमी (सेवानिवृत्त) आधिकारिक संरक्षक के रूप में दोनों अधिकारियों के प्रशिक्षण से निकटता से जुड़े रहे हैं।

यह अभियान दक्षिणी नौसेना कमान के तहत नौसेना मुख्यालय और महासागर सेलिंग नोड, गोवा में स्थित भारतीय नौसेना सेलिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। दोनों नोडल केंद्र अंतरराष्ट्रीय समुद्री एजेंसियों और अधिकारियों के साथ संपर्क में यात्रा का समन्वय करेंगे। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने नाविका सागर परिक्रमा-दो को एक उज्ज्वल और सशक्त भविष्य के लिए नए रास्ते तैयार करते हुए भारत की समृद्ध विरासत के प्रति सशक्तिकरण, नवाचार और प्रतिबद्धता की यात्रा बताया।

पीएम मोदी ने श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके को दी बधाई

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके को बधाई दी और कहा कि वह द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत की पड़ोस प्रथम नीति और विजन सागर में श्रीलंका का विशेष स्थान है। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनावों में आपकी जीत पर अनुरा दिसानायके को बधाई। श्री मोदी ने कहा, भारत की पड़ोस प्रथम नीति और विजन सागर में श्रीलंका का विशेष स्थान है।

मैं हमारे लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए, हमारे बहुमुखी सहयोग को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। श्री दिसानायके ने बधाई के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि वह दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता को साझा करते हैं।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी आपके दयालु शब्दों और समर्थन के लिए धन्यवाद। मैं हमारे देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने की आपकी प्रतिबद्धता को साझा करता हूं। साथ मिलकर हम अपने लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं। नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) पार्टी के नेता श्री दिसानायके को रविवार को श्रीलंका के नौंवे राष्ट्रपति के रूप में चुना गया।

बैंक से चार करोड़ के सोने की चोरी का मामला

एसआईटी ने वरिष्ठ प्रबंधक समेत चार को किया गिरफ्तार

इंफाल, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बैंक ऑफ बड़ौदा की मणिपुर विश्वविद्यालय शाखा से चार करोड़ रुपए मूल्य की सोने की चोरी मामले में बैंक के एक वरिष्ठ प्रबंधक समेत चार कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों को पांच दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आगे की जांच जारी है। बता दें कि बैंक में चोरी की शिकायत 17 सितंबर को दर्ज कराई गई। इसकी शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। जानकारी के मुताबिक बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक ने 17 सितंबर को सिंगजामेई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में, निंगोम्बम ने बताया कि बैंक के सुरक्षित कमरे की तिजोरी का ताला टूटा हुआ पाया गया। जब बैंक के कैशियर ने सुबह 10 बजे नियमित कार्यों के लिए तिजोरी खोली, तो कई सोने के पैकेट गायब मिले। जानकारी के मुताबिक जब बैंक के सीसीटीवी की जांच की गई तो 13 सितंबर की सुबह करीब 1.41 बजे दो लोग शाखा प्रबंधक के कमरे में मौजूद दिखे। हालांकि, सीसीटीवी डार्क मोड में थे, इसलिए जांच में काफी बाधा आई। प्रारंभिक जांच के बाद और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज करने के बाद, पुलिस ने गंगा निंगोम्बम के साथ चार अन्य कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है।

पटना-गया-डोभी मार्ग के बचे हुए कार्य को दो महीने में करें पूर्ण : नीतीश

पटना/जहानाबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज अधिकारियों को पटना-गया-डोभी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-83) के बचे हुए कार्य को दो महीने के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया।

श्री कुमार ने सोमवार को जहानाबाद जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत 57 करोड़ 14 लाख 59 हजार रुपये की योजनाओं का उद्घाटन तथा 65 करोड़ 62 लाख चार हजार रुपये की योजनाओं का शिलान्यास करने के बाद समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पटना-गया-डोभी मार्ग के बचे हुए कार्य को दो महीने के अंदर पूर्ण करें। इस मार्ग के पूर्ण हो जाने से पटना से डोभी तक पहुंचने में लोगों के समय की बचत होगी और आवागमन भी सुलभ हो जाएगा। साथ ही लोगों को झारखंड पहुंचने में भी समय की बचत होगी।

मुख्यमंत्री को बैठक में पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने पटना-गया-डोभी पथ (एनएच-83) के निर्माण कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बचे हुए काम को तेजी से पूर्ण करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। जब यह मार्ग बन जाएगा तो पटना से डोभी की दूरी दो घंटे में तय की जा सकेगी। श्री कुमार ने पटना से जहानाबाद जाने के क्रम में सरिस्ताबाद गांव के पास एनएच-30 और नाथुपुर गांव के पास एनएच-83 को जोड़नेवाले निर्माणाधीन पटना-गया-डोभी लिंक पथ का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने पटना-गया-डोभी मार्ग पर अवस्थित जहानाबाद में निर्माणाधीन आरओबी का निरीक्षण किया। उन्होंने जहानाबाद के कल्पा ग्राम में नवनिर्मित कल्पा पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन कर भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली।

गैंगस्टर लारेंस विश्नोई गैंग के दो शूटर समेत चार अपराधी गिरफ्तार

लातेहार, 23 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड की लातेहार जिला पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर लारेंस विश्नोई गैंग के हरियाणा से आए दो शूटरों समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। चंदवा थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता करते पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी रंधीर कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुख्यात लारेंस विश्नोई गैंग के दो गुर्गे एक स्थानीय गिरोह के साथ मिलकर चंदवा के एक बड़े व्यवसायी सह समाजसेवी की हत्या करने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आलोक में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी रंधीर कुमार, पुनि आनन्द रवि, अशोक कुमार, सअनि सरोज सिंह व पुलिस बल की छापामारी टीम का गठन कर त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान थाना क्षेत्र के सासंग यात्री शेड के समीप से चार संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ अपराधी पुलिस को चकमा देकर फरार होने में सफल रहे।

श्री कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान अपराधियों ने अपना नाम अश्विनी कुमार (पिता श्यामलाल शर्मा) एवं प्रिंस कुमार (पिता जसमेर सिंह) (दोनो थाना पेहवा, कुरुक्षेत्र हरियाणा), उमेश कुमार सिंह (पिता स्व. महरु सिंह, किता, चंदवा) व सर्विस कुमार यादव (पिता भोला यादव, आन चंदवा) बताया। इनके पास से लगभग दो किलो 500 ग्राम गांजा, 25 ग्राम अफीम एवं दो मोबाइल जब्त किया गया। पुलिसिया अनुसंधान के क्रम में गिरफ्तार अश्विनी कुमार एवं प्रिंस कुमार ने चंदवा थाना पुलिस को बताया कि वे दोनों कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे हैं। दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद लारेंस बिश्नोई के सहयोगी असीम बाबा के कहने पर वे चंदवा में एक बड़े व्यवसायी की हत्या नीयत से आए थे। 22 सितंबर को सासंग-बारी मोड़ पहुंचे जहां दो स्थानीय सहयोगी उमेश सिंह एवं अन्य अपराधियों के साथ घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच वो पुलिस की गिरफ्त में आ गए।

इस बार श्रीनगर में नया रिकार्ड बनने की उम्मीद

पहली बार 7 सीटों पर हुआ रिकॉर्ड मतदान

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 23 सितंबर।

श्रीनगर में 25 सितंबर को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के दौरान, उम्मीद है इस बार कोई नया रिकार्ड बनेगा क्योंकि श्रीनगर की 7 सीटों पर मतदान कभी 30 परसेंट से अधिक नहीं हुआ है। यह सच है कि बीते चार चुनाव यानी इन दो दशकों में श्रीनगर जिले के अंतर्गत आने वाली 7 सीटों पर वोटिंग कभी भी 30 फीसदी को पार नहीं कर पाई। इन सीटों पर दूसरे चरण में 25 सितंबर को वोटिंग होने जा रही है।

जम्मू कश्मीर में पहले चरण की वोटिंग 18 सितंबर को हो गई थी। 24 सीटों पर 61.38 फीसदी वोट पड़े थे। अब दूसरे चरण की जिन 26 सीटों पर वोटिंग होनी है, उनमें से 15 कश्मीर में हैं। ये 15 सीटें श्रीनगर, गंदरबल और बडगाम जिले की हैं। श्रीनगर की 8 में से 7 सीटों पर वोटिंग प्रतिशत पिछले चार चुनावों में किस तरह बेहद खराब रही है, इस का हाल सभी जानते हैं। और सभी को चिंता इस बात की है कि क्या लोग इस बार वोटिंग के दिन घर से बाहर न निकलने वाले अपनी रवायत को तोड़ेंगे या नहीं?

यह तब जब 1996 से लेकर 2014 के बीच जम्मू कश्मीर में औसतन 44 फीसदी से लेकर 66 फीसदी तक मतदान हुए मगर इन इलाकों में इस औसत का भी आधा वोट नहीं पड़ सका। श्रीनगर की ये 7 विधानसभा सीटें थीं हजरतबल, जदीबल, ईदगाह, खानयार, हब्बा कदल, अमीरा कदल और बटमालू। इन 7 सीटों पर चार चुनावों में हुए मतदान का औसत इस तरह से था हजरतबल (22 प्रतिशत), जदीबल (15 प्रतिशत), ईदगाह (19 प्रतिशत), खानयार (15 प्रतिशत), हब्बा कदल (13 प्रतिशत), अमीरा कदल (14 प्रतिशत) और बटमालू में 17 फीसदी रहा है। श्रीनगर जिले में कुल 8 सीटें हैं। यहां की इकलौती सीट जिसने कुछ हद तक इस मिथक को तोड़ा, वह सोनावार विधानसभा थी। यहां पिछले चार चुनावों में औसतन 32 फीसदी वोटिंग हुई है।

हालांकि इस बार का विधानसभा चुनाव कई मायने में अलग है। यह चुनाव केवल अनुच्छेद 370 हटाए जाने और एक राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेश में बांट दिए जाने के बाद ही नहीं हो रहा है बल्कि यह नए परिसीमन के बाद भी पहला चुनाव है।

यही कारण है कि यह चुनाव इन 7 विधानसभा सीटों के लिहाज से भी अलग है। श्रीनगर के अंतर्गत आने वाली इन सीटों की बनावट इस बार बदल गई है। कुछ पुरानी सीटें अब नए नाम और इलाके के साथ वजूद में आ गई हैं। मसलन, हजरतबल, जदीबल, ईदगाह, खानयार, हब्बा कदल तो अब भी अस्तित्व में हैं लेकिन अमीरा कदल, बटमालू और सोनावार की जगह अब छनपोरा, लाल चौक और सेंट्रल शालटेंग ने ले ली है। इन सभी सीटों पर दूसरे चरण में 25 सितंबर को वोटिंग होनी है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव

दूसरे चरण में भी 238 में से 49 दागी उम्मीदवार

पहले चरण में थे 36 दागी नेता मैदान में

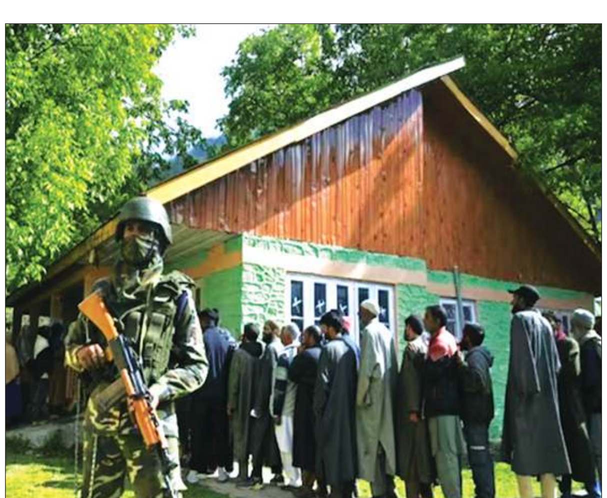

जम्मू, 23 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में दो दिन बाद यानि 25 सितंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में चुनाव लड़ रहे 238 उम्मीदवारों में से 21 प्रतिशत (49) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जबकि 37 प्रतिशत (16) ने अपने शपथ-पत्र में गंभीर आपराधिक आरोप घोषित किए हैं।

ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारने वाली पार्टियों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सबसे आगे है, उसके बाद भारतीय जनता पार्टी, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और नेशनल कांफ्रेंस का स्थान है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के एक विश्लेषण के अनुसार, 3 उम्मीदवारों ने हत्या के प्रयास (धारा 307) के मामले घोषित किए हैं, और 7 उम्मीदवारों ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले घोषित किए हैं। इन 7 में से 1 उम्मीदवार ने बलात्कार का मामला (धारा 376) घोषित किया है। आपराधिक मामलों वाले पार्टीवार उम्मीदवारों के संबंध में, पीडीपी के 26 उम्मीदवारों में से 4 (15 प्रतिशत), भाजपा के 17 में से 4 (24 प्रतिशत), कांग्रेस के 6 में से 2 (33 प्रतिशत), और नेकां के 20 में से 1 (5 प्रतिशत) ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

गंभीर आपराधिक मामलों के लिए, पीडीपी के 26 उम्मीदवारों में से 1 (4 प्रतिशत), भाजपा के 17 में से 3 (18 प्रतिशत), कांग्रेस के 6 में से 2 (33 प्रतिशत), और नेकां के 20 में से 1 (5 प्रतिशत) ने गंभीर आरोप घोषित किए हैं। इसके अतिरिक्त, एडीआर ने बताया है कि 8 विधानसभा क्षेत्रों (26 में से 31 प्रतिशत) को रेड अलर्ट निर्वाचन क्षेत्र घोषित किया गया है, जहां 3 या अधिक चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

सम्पत्ति के मामले में, 238 उम्मीदवारों में से 131 (55 प्रतिशत) करोड़पति हैं। प्रमुख दलों में, कांग्रेस के सभी 6 (100 प्रतिशत) उम्मीदवार, नेकां के 20 में से 18 (90 प्रतिशत), भाजपा के 17 में से 13 (76 प्रतिशत) और पीडीपी के 26 में से 19 (73 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने 1 करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्ति घोषित की है। एडीआर की रिपोर्ट कहती है कि चुनावों में धनबल की भूमिका इस तथ्य से स्पष्ट है कि सभी प्रमुख राजनीतिक दल धनी उम्मीदवारों को टिकट देते हैं। जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में प्रति उम्मीदवार औसत सम्पत्ति 5.80 करोड़ रुपए है। प्रमुख दलों में, 6 कांग्रेस उम्मीदवारों की औसत सम्पत्ति 29.39 करोड़ रुपए, 20 नेकां उम्मीदवारों की 11.21 करोड़ रुपए, 17 भाजपा उम्मीदवारों की 11.07 करोड़ रुपए और 26 पीडीपी उम्मीदवारों की 5.24 करोड़ रुपए है।

दूसरे चरण में सबसे अधिक घोषित सम्पत्ति वाले शीर्ष 3 उम्मीदवार सभी कश्मीर से हैं, और इसमें छानपोरा से चुनाव लड़ रहे सैयद अल्ताफ बुखारी (165 करोड़ रुपए), सेंट्रल शाल्टेंग से तारिक हमीद कर्रा (149 करोड़ रुपए) और चन्नपोरा से चुनाव लड़ रहे नेकां के मुश्ताक गुरू (94 करोड़ रुपए) शामिल हैं। शिक्षा के संदर्भ में, एडीआर की रिपोर्ट है कि 117 (49 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 5वीं और 12वीं कक्षा के बीच घोषित की है, जबकि 114 (48 प्रतिशत) स्नातक या उससे ऊपर हैं। छह उम्मीदवारों के पास डिप्लोमा है, जबकि एक उम्मीदवार ने खुद को निरक्षर घोषित किया है। आयु के संबंध में, 84 (35 प्रतिशत) उम्मीदवार 25 से 40 वर्ष के बीच हैं, 105 (44 प्रतिशत) 41 से 60 के बीच हैं, और 49 (21प्रतिशत) 61 से 80 के बीच हैं।

पाकिस्तान से आए शरणार्थी भी दे सकेंगे वोट

जम्मू, 23 सितंबर (ब्यूरो)। अभी तक लोकसभा चुनावों में जिन वेस्ट पाकिस्तानी रिफ्यूजियों को अधिकार था अब देश के बंटवारे के बाद पहली बार विधानसभा चुनावों में भी मतदान करेंगे। उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। खुशी कितनी है इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक अक्तूबर को होने वाले मतदान, जिसमें वे वोट डालेंगे, को वे दीवाली के तौर पर मनाने की तैयारी में जुटे हैं। वर्ष 1947 के बंटवारे के बाद पहली बार पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर में पलायन करने वाले हिंदू आगामी विधानसभा चुनावों में अपना वोट डालेंगे।

समुदाय के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है और अब इसके सदस्य, जो उनके अनुसार दशकों से राजनीतिक हाशिए पर थे, अब योग्य मतदाता हैं, जो अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए तैयार हैं। वेस्ट पाक रिफ्यूजी एक्शन कमेटी, जो लंबे समय से उनके मताधिकार की वकालत करती रही है, ने खुशी और प्रत्याशा व्यक्त की। नाम न बताने की शर्त पर समिति के एक सदस्य ने बताया कि हमारे लिए, मतदान का दिन किसी त्योहार से कम नहीं है। परिवार इस लंबे समय से प्रतीक्षित अवसर के लिए अपने उत्साह और कृतज्ञता का प्रतीक, पूरी-हलवा और लड्डू जैसे विशेष व्यंजनों के साथ जश्न मनाने की तैयारी कर रहे हैं।

विस्थापित समुदाय, जिसमें लगभग 5700 हिंदू परिवार हैं, 1947 में पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर आए थे। दशकों तक, वे स्थानीय निवासियों द्वारा प्राप्त कई अधिकारों और विशेषाधिकारों के बिना इस क्षेत्र में रहते थे, जिसमें विधानसभा चुनावों में मतदान का अधिकार भी शामिल था। यह बदलाव 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद संभव हुआ है, जिसने इन शरणार्थियों को जम्मू-कश्मीर में स्थायी निवासी का दर्जा दिया। 70 से अधिक वर्षों से, उन्हें राज्य विधानसभा चुनावों में मतदान करने से बाहर रखा गया था। अब, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का उनका पुराना सपना 1 अक्टूबर को पूरा होगा। स्थानीय निवासी देस राज कहते हैं कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से हमारी राजनीतिक स्थिति में एक बड़ा बदलाव आया, जिससे हमें क्षेत्र की चुनावी प्रक्रिया में पूर्ण भागीदारी करने की अनुमति मिली। अब तक, हम दूसरे दर्जे के नागरिक के रूप में रह रहे थे, जिनके पास कोई अधिकार नहीं था और न ही अपने प्रतिनिधियों को चुनने की शक्ति थी।

यह बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार हमसे उन लोगों ने छीन लिया, जो आज लोकतंत्र को मजबूत करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुरक्षा करने का दावा कर रहे हैं। पीओके स्थित ये शरणार्थी 70 साल पहले अपने घरों से विस्थापित होकर जम्मू में शरण लेने के लिए मजबूर हुए थे। और इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि उनकी दुर्दशा अब तक विश्व संगठनों, केंद्र और राज्य सरकारों को प्रभावित करने में विफल रही है।

पहले ही ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि किस तरह पीओके से विस्थापित लोगों की तीन पीढ़ियों को गरीबी, भेदभाव और उदासीनता का सामना करना पड़ा और उन्हें 39 गंदे शिविरों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। 1947 में पाकिस्तान द्वारा कब्जे वाले कश्मीर के इलाकों को छोड़ने के लिए मजबूर किए गए हजारों शरणार्थियों को 1960 के दशक में जम्मू क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में जमीन मुहैया कराई गई थी, लेकिन उन्हें विभिन्न सरकारी आवास योजनाओं या बैंक ऋण तक पहुंच का लाभ नहीं मिला।

हम बंटे थे, इसलिए कटे थे : योगी आदित्यनाथ

रामलला के लिए पांच सौ साल इंतजार करना पड़ा

मिर्जापुर में 765 करोड़ की 127 विकास परियोजनाएं शुरू

मिर्जापुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब अयोध्या धाम भी जगमगा रहा है। भगवान रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है, लेकिन ऐसी स्थिति क्यों हुई कि अयोध्या में पांच सौ वर्ष तक इंतजार करना पड़ा। प्रभु रामलला के भव्य मंदिर को तोड़कर आक्रांताओं ने क्यों गुलामी का ढांचा खड़ा कर दिया था। उसका कारण एक ही है, हम बंटे थे, इसलिए कटे थे। बंटिए मत, बल्कि एकजुट होकर विकास व सुरक्षा के माहौल में आगे बढ़िए। डबल इंजन की सरकार हर सुखदुख में आमजन के साथ खड़ी होकर वर्तमान को सुधारेगी और भविष्य को भी उज्ज्वल बनाने की प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मिर्जापुर के गोपालपुर, विकासखंड पहाड़ी में 765 करोड़ की 127 विकास परियोजन- ाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 1500 से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन व टैबलेट वितरित किये गए। साथ ही सीएम ने मत्स्य आहार प्लांट की स्थापना के लिए पहली क़िस्त के रूप में लगभग चार करोड़ का चेक भी प्रदान किया। सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी सम्मानित करते हुए विद्या शक्ति पोर्टल का भी बटन दबाकर शुभारंभ किया।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले माफिया समानांतर सरकार चलाते थे। खनन, पशु, संगठित अपराध, भूमाफिया हावी थे। जब उनका काफिला निकलता था तो सामान्य जनप्रतिनिधि सहम जाते थे, प्रशासन सैल्यूट करता था। कोई माफिया पर हाथ डालने की हिम्मत कोई नहीं करता था, लेकिन आज माफिया गिड़गिड़ा रहे हैं कि जान बख्श दो, ठेली लगाकर पेट भर लेंगे, लेकिन किसी को छेड़ेंगे नहीं। अब बेटी-व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़, किसान की जमीन पर कब्जा, गरीब की झोपड़ी को उजाड़ने का दुस्साहस कोई नहीं कर सकता।

सीएम ने निशाना साधते हुए कहा कि जाति का नंगा खेल खेलने वाले लोग माफिया व दुर्दांत अपराधियों, दंगाइयों के सामने नाक रगड़ते थे। आज जब प्रदेश की विकास की नई धारा के साथ बढ़ रहा है तो यह फिर से बैरियर बनकर खड़ा होना चाहते हैं। ऐसे लोग वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे माफिया को फिर से सिर उठाने का अवसर न मिल पाए। सीएम योगी ने कहा कि दस वर्ष पहले मिर्जापुर जनपद में कनेक्टिविटी का अभाव था, गरीबों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था। मां विंध्यवासिनी धाम के पवित्र मंदिर व त्रिकोण के रूप में विख्यात शक्तिपीठों की क्या स्थिति थी। सड़कों के क्या हालात थे। गुंडाराज व माफियाराज किसी से छिपा नहीं है। दस वर्ष में बदलते भारत, साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश व मिर्जापुर को सभी ने देखा होगा। अब मिर्जापुर जनपद भी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाएगा, क्योंकि मां विंध्यवासिनी का पावन धाम दिव्य-भव्य रूप ले चुका है। इससे पहले योजनाओं को देने में भेदभाव होता था, लेकिन हमने जाति-खेमे के आधार पर बांटने का प्रयास नहीं किया।

सीएम ने कहा कि पांच वर्ष पहले मां विंध्यवासिनी धाम की गलियां संकरी थीं। नवरात्रि के दौरान भय लगता था, लेकिन तीन अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले नवरात्रि में दिव्य-भव्य धाम के दर्शन होंगे। पिछली सरकारों ने यही काम किया होता तो जनअ- ास्था को सम्मान मिलता। अब मिर्जापुर के पास भी मेडिकल कॉलेज है, वरना बीएचयू व प्रयागराज के बीच में कुछ भी नहीं था। यहां मां विंध्यवासिनी के नाम पर विश्वविद्यालय भी बनने जा रहा है। अगले सत्र में पाठ्यक्रम भी प्रारंभ होगा। जनपद फोरलेन की कनेक्टिविटी से जुड़ गया है।

सीएम योगी ने बताया कि बाढ़ सागर परियोजना का लोकार्पण करते हुए पीएम ने कहा था कि ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को इससे सिंचाई की सुविधा मिलेगी, जिससे किसानों को लाभ होगा। हमारे सामने विंध्य क्षेत्र में पेयजल संकट दूर करने की चुनौती थी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल की योजना पीएम के इसी विजन का परिणाम है। जिस दिन यह योजना पूरी तरह धरातल पर उतरेगी, उस दिन न सिर्फ शुद्ध पेयजल की समस्या का समाधान होगा, बल्कि अनेक बीमारियों से भी मुक्ति मिलेगी। सोनभद्र मेडिकल कॉलेज में इस सत्र से प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। मिर्जापुर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग की पढ़ाई प्रारंभ होगी। बेटियों को कहीं और नहीं जाना पड़ेगा। 100 फीसदी प्लेसमेंट की गारंटी है। यदि बेटी पढ़ेगी तो आगे बढ़ेगी।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी किसी देश में जाते हैं तो पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत होता है, क्योंकि उनका हर काम देश के नाम होता है। इस क्षेत्र के बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिन्हें योजनाओं से वंचित किया गया था। हमारी सरकार ने कोल, चेरो, गौड़ या नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र में थारू जनजाति को योजनाओं को जोड़ने का कार्य किया। यूपी में दो करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन व टैबलेट दे रहे हैं। वे तकनीकी दक्षता के माध्यम से देश को लाभ देंगे तो भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

सीएम योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष में 56 लाख गरीबों को आवास, 2.62 करोड़ गरीबों को शौचालय दिया गया। हर ग्राम पंचायत में ग्राम सचिवालय का निर्माण कर कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कर्मचारी को तैनात किया गया। इससे ग्रामीणों को गांव में ही ऑनलाइन सुविधाएं मिल गईं। साढ़े छह लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी मिली। सुदृढ़ कानून व्यवस्था के कारण यूपी में 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए हैं। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार निर्णय करने जा रही है कि जो भी युवा स्टार्टअप, बिजनेस प्रारंभ करना चाहते हैं। वे अभी से नामांकन कराएंगे। सरकार कुछ वर्ष में पहले चरण में पांच लाख, दूसरे चरण में 10 लाख रुपए ब्याज मुक्त ऋण देगी।

सीएम योगी ने कहा कि कुछ दिन बाद भदोही के एक्सपो मार्ट में प्रदर्शनी लगने जा रही है। हमारे हस्तशिल्पी-कारीगरों को कारपेट डिस्प्ले व नए ऑर्डर का अवसर प्राप्त होगा। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो होने जा रहा है। उसमें मिर्जापुर-भदोही के कारपेट को भी स्थान मिला है। यहां के उत्पाद को दुनिया के सामने शोकेस का अवसर देंगे। यहां का उत्पाद एक्सपोर्ट होता है तो वह कई गुना मुनाफा पाएगा।

पैसा आएगा और पूंजी यहां लगेगी तो विकास मिर्जापुर, भदोही व सोनभद्र का होगा। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया है। उसे गांव-गांव, घर-घर तक ले जाना है। निराश्रित महिलाओं को पहले पेंशन का लाभ कम मिलता था। आज उन्हें 12 हजार रुपए सालाना पेंशन मिल रहा है। एक करोड़ परिवारों को यह सुविधा मिल रही है। सीएम ने प्रशासन को निर्देश दिया कि जिन पात्रों को पेंशन नहीं मिल रही है। कैंप लगाकर उन्हें तत्काल सुविधा मुहैया कराया। पीएम मोदी ने 70 साल से ऊपर के हर व्यक्ति को पांच लाख रुपए के आयुष्मान कार्ड को उपलब्ध कराने का निर्णय केंद्रीय कैबिनेट में लिया है। यूपी में भी जल्द ही यह सुविधा प्रारंभ होगी। गरीबों को पीएम या सीएम आवास योजना से आच्छादित करते हुए आवास दें। वेरीफिकेशन कराकर गरीबों के राशन कार्ड बनवाए जाएं।

सीएम योगी ने कहा कि हम नए उत्तर प्रदेश में हैं, जहां एक तरफ काशी विश्वनाथ धाम जगमगा रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रयागराज कुंभ 2025 में दिव्य-भव्य कुंभ का दर्शन होगा। काशी या कुंभ में आने वाले श्रद्धालु भी मां विंध्यवासिनी धाम आएंगे। मिर्जापुर के दोनों हाथ में लड्डू है। कार्यक्रम में योगी सरकार के मंत्री अनिल राजभर, आशीष पटेल, रवींद्र जायसवाल, रामकेश निषाद, भदोही सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कन्नौजिया, विधायक रत्नाकर मिश्र, रमाशंकर सिंह पटेल, अनुराग सिंह, रिंकी कोल, भूपेश चौबे, विधान परिषद सदस्य विनीत सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, जिलाध्यक्ष ब्रजभूषण सिंह आदि मौजूद रहे।

मां विंध्यवासिनी के दर पर योगी ने झुकाया शीश

मिर्जापुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मिर्जापुर पहुंचे। उन्होंने यहां मां विंध्यवासिनी के दर पर शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने तीन अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले शारदीय नवरात्रि की तैयारियों के संदर्भ में भी जानकारी ली। सीएम योगी ने यहां विंध्य कॉरिडोर के विकास कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने यहां समय से कार्य कराने के भी निर्देश दिए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने विंध्यधाम में सबसे पहले मां विंध्यवासिनी के चरणों में शीश झुकाया। उन्होंने यहां पूजन-अर्चन कर सुखी-स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दर्शन-पूजन के उपरांत विंध्य कॉरिडोर के कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्य समयबद्ध ढंग से हो। शेष कार्यों में भी गुणवत्ता का पालन सुनिश्चित हो।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीन अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ हो रही है। इसमें देश-प्रदेश से श्रद्धालु दर्शन करने आएंगे। इनके समुचित दर्शन की व्यवस्था हो। उन्हें किसी प्रकार की तकलीफ न हो। सीएम ने त्योहारों के दौरान साफ-सफाई समेत सभी मूलभूत सुविधा मुहैया कराने का निर्देश भी स्थानीय प्रशासन को दिया। पूजन-अर्चन व निरीक्षण के दौरान विधायक रत्नाकर मिश्र समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी आदि मौजूद रहे।

नवरात्रि में प्रदेश के सभी देवी मंदिरों में होंगे भव्य आयोजन

3 से 12 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में होंगे सांस्कृतिक आयोजन

लखनऊ, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संस्कृति विभाग आगामी नवरात्रि पर्व पर भव्य आयोजन की तैयारी में जुट गया है। प्रदेशभर के सभी देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में विविध सांस्कृतिक आयोजन होंगे। बता दें कि प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए विशेष अभियान मिशन शक्ति चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संस्कृति विभाग द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सहभागिता के साथ प्रदेश में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित किए गए हैं।

संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार आगामी शारदीय नवरात्रि में 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक प्रदेश के देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए महिला सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा लागू किये गये कानूनों का वृहद प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके अलावा अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर प्रमुख शक्तिपीठ मंदिरों में सामाजिक मूल्यों व राष्ट्रीय मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जनसामान्य को इससे जोड़ते हुए रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए गतवर्ष की भांति प्रत्येक जनपद में जनपद स्तरीय, तहसील स्तरीय एवं विकास खंड स्तरीय समिति का गठन करते हुए कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों द्वारा अपने जनपद में चयनित देवी मंदिरों, शक्तिपीठों में स्थानीय लोक कलाकारों, भजन मंडलियों, कीर्तन मंडलियों का चयन अपनी अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जायेगा, जिसका समन्वय संस्कृति विभाग एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा किया जाएगा। समस्त कार्यक्रम मिशन शक्ति के अनुरूप स्थानीय जनसहभागिता के साथ आयोजित किये जाएंगे। स्थानीय कलाकारों का चयन संस्कृति विभाग की ई-डायरेक्ट्री से किया जा सकता है।

प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा, ध्वनि, प्रकाश एवं दरी-बिछावन आदि की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा ससमय सुनिश्चित करा ली जाये तथा सभी आयोजन स्थलों पर सक्षम स्तर पर अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए आयोजन सुनिश्चित कराये जाए।

इसके अलावा महत्वपूर्ण देवी मंदिरों और शक्तिपीठों का चयन करते हुए सम्बन्धित आयोजन स्थल का पता, फोटो, जीपीएस लोकेशन तथा प्रबन्धक का सम्पर्क नम्बर, कलाकारों का नाम, पता एवं मोबाइल नम्बर की जानकारी संस्कृति विभाग को भेजी जाए। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए संस्कृति विभाग की सहायक निदेशक रीनू रंगभारती को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

सड़क पर आए बाघ ने युवक को किया घायल

पीलीभीत/एजेंसियां। शहर के कलीनगर क्षेत्र में जंगल से निकला बाघ चार किलोमीटर दूरी तय कर शारदा डैम के संपर्क मार्ग पर पहुंच गया। यहां उसने एक युवक को हमला कर घायल कर दिया। युवक को सीएचसी के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम दिनभर बाघ की निगरानी में जुटी रही। पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) की महोफ रेंज के जंगल से निकलकर पानी के रास्ते बाघ सोमवार सुबह कलीनगर तहसील क्षेत्र में शारदा सागर डैम के समीप नगरिया खुर्द कला गांव की सीमा में संपर्क मार्ग पर पहुंचा। यहां उसने सुजीत राय (40) पर हमला कर दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। सड़क किनारे बैठे बाघ ने एक बार ग्रामीणों को भी दौड़ा लिया। बाद में ग्रामीणों की मदद से घायल को उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया। जानकारी के बाद पीटीआर और सामाजिक वानिकी के एसडीओ रमेश चौहान व अंजनी कुमार श्रीवास्तव टीम के साथ मौके पर पहुंचे और निगरानी शुरू कर दी। ग्रामीणों का कहना है कि बाघ संपर्क मार्ग के किनारे डैम की पिचिंग की झाड़ियों में ही बैठा है। एक ओर पानी का लंबा रास्ता है तो दूसरी ओर आबादी। ऐसे में खतरा बरकरार है। वहीं वन विभाग बाघ के लौटने का इंतजार कर रहा है। टीम को निगरानी के लिए लगाया गया है। ग्रामीणों को दूर रहने की हिदायत दी गई है। बराही के रेंजर अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना के बाद विभागीय टीम मौके पर पहुंच गई है। टीम को लगातार निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों को जागरूक कर दूर रहने की अपील की गई है। बाघ के लौटने का इंतजार किया जा रहा है।

संपादकीय

क्वाड का शिखर सम्मेलन

क्वॉड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) भारत, जापान, अमरीका और ऑस्ट्रेलिया का एक साझा मंच और समूह है। इस बार अमरीका में क्वाड देशों के नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन भारत में किया जाना था, लेकिन अमरीकी राष्ट्रपति बाइडेन के आग्रह पर अमरीका में ही किया गया। यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रपति बाइडेन का 'विदाई सम्मेलन' है, क्योंकि नवम्बर के बाद अमरीका में नया राष्ट्रपति होगा। साल 2025 में यह शिखर सम्मेलन भारत में होगा। क्वाड का बुनियादी मकसद 'चीन की दादागीरी' पर अंकुश लगाना ही नहीं है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र और खुला माहौल, समुद्री सुरक्षा, शांति और स्थिरता के साथ व्यापारिक आवाजाही को सुनिश्चित करना भी है। भारत को अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास का भी अवसर मिलता रहेगा, यह सामरिक और क्षेत्रीय संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। क्वाड को 'शिखर सम्मेलन' के स्तर तक पहुंचाने का श्रेय राष्ट्रपति बाइडेन को जाता है। इससे पहले चारों देशों के विदेश मंत्री और राजनयिक आदि ही मिला करते थे, लिहाजा शीर्ष स्तर के फैसले नहीं हो पाते थे। अब भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री और अमरीका के राष्ट्रपति क्वाड के शिखर सम्मेलन का हिस्सा हैं। चारों देश ही लोकतांत्रिक हैं। मौजूदा बैठक चीन तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि क्वाड शिखर सम्मेलन में शीर्ष नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल बनाम गाजा-हमास टकराव, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के साथ-साथ जलवायु, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी आदि पर भी विमर्श किया गया। क्वाड के साझा घोषणा-पत्र को अमरीका के समयानुसार सार्वजनिक किया जाना है। बहरहाल क्वाड की स्थापना 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने की थी, लेकिन आज चार ताकतवर देश इसके सदस्य हैं। दिसंबर, 2004 में जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका ने एक ग्रुप बनाया। इसका पहला शिखर सम्मेलन मार्च, 2021 में 'ऑनलाइन' आयोजित किया गया। तब भी कोरोना महामारी का प्रभाव शेष था। दूसरा शिखर सम्मेलन 24 सितंबर, 2021 को वाशिंगटन डीसी में आयोजित किया गया था। उस दौर में बुनियादी ढांचे, अंतरिक्ष और साइबर सरीखे मुद्दों पर तीन कार्य-समूहों की घोषणा की गई थी। तीसरा सम्मेलन 24 मई, 2022 को टोक्यो, जापान और चौथा शिखर सम्मेलन जापान में ही हिरोशिमा में मई, 2023 को आयोजित किया गया। अब अमरीका में 5वां सम्मेलन हुआ है। दरअसल भारत के संदर्भ में क्वाड एक बहुमूल्य मंच है। इसके जरिए भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री चुनौतियों का जवाब देने में सक्षम हो रहा है। भारत चीन का मुकाबला करने के लिए अन्य देशों की सहायता ले सकता है। अमरीका इस क्षेत्र में अपने समुद्री बेड़े भेजकर चीन को सावधान करता रहा है। दरअसल चीन इस क्षेत्र में अपना एकाधिकार मानता रहा है, जिसे भारत की समुद्री ताकत ने बराबर का जवाब दिया है। भारत को व्यापारिक लाभ भी हुआ है, क्योंकि यह सम्मेलन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक प्रगति के लिए सदस्य देशों के बीच सहयोग और शांतिपूर्ण तरीके से काम करने की प्रतिबद्धता को जाहिर करता है। शिखर सम्मेलन में भाग लेने और अन्य कार्यक्रमों के लिए प्रधानमंत्री मोदी अमरीकी प्रवास पर हैं। उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को भी संबोधित करेंगे। जैसा कि हर प्रवास के दौरान होता है, इस बार भी प्रधानमंत्री मोदी प्रवासी भारतीयों को संबोधित कर खुलासा करेंगे कि आज का भारत क्या है? भारत क्वाड का विस्तार भी चाहता है, लेकिन इस बार एजेंडा इतना व्यापक था कि इस मुद्दे पर संवाद नहीं हो सका। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने खुलासा किया है कि सभी ज्ञात मुद्दों के अलावा, उभरती प्रौद्योगिकियों, बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और आतंकवाद रोधी क्षेत्रों पर भी विमर्श किया गया है।

साल 2025 में यह शिखर सम्मेलन भारत में होगा। क्वाड का बुनियादी मकसद 'चीन की दादागीरी' पर अंकुश लगाना ही नहीं है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र और खुला माहौल, समुद्री सुरक्षा, शांति और स्थिरता के साथ व्यापारिक आवाजाही को सुनिश्चित करना भी है। भारत को अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास का भी अवसर मिलता रहेगा, यह सामरिक और क्षेत्रीय संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। क्वाड को 'शिखर सम्मेलन' के स्तर तक पहुंचाने का श्रेय राष्ट्रपति बाइडेन को जाता है। इससे पहले चारों देशों के विदेश मंत्री और राजनयिक आदि ही मिला करते थे, लिहाजा शीर्ष स्तर के फैसले नहीं हो पाते थे। अब भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री और अमरीका के राष्ट्रपति क्वाड के शिखर सम्मेलन का हिस्सा हैं। चारों देश ही लोकतांत्रिक हैं।

योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा

सभी के लिए जरूरी सामाजिक सुरक्षा

डा. जयंतीलाल भंडारी

देश के ऐसे करोड़ों लोग जो अपनी बचत से अपनी सामाजिक सुरक्षा का प्रबंध करते हैं, वे बैंकों की फिक्सड डिपाजिट तथा पोस्ट ऑफिस और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी विभिन्न बचत योजनाओं पर मिलने वाली कम ब्याज दरों से चिंतित हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 11 सितंबर को 70 साल या उससे अधिक उम्र के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत स्कीम में शामिल करने का फैसला किया है।

यद्यपि इस समय सरकार विभिन्न माध्यमों से सामाजिक सुरक्षा का दायरा विस्तारित करने की डगर पर लगातार आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी भी देश के अधिकांश लोग सामाजिक सुरक्षा की उपयुक्त छतरी से दूर हैं। देश के ऐसे करोड़ों लोग जो अपनी बचत से अपनी सामाजिक सुरक्षा का प्रबंध करते हैं, वे बैंकों की फिक्सड डिपाजिट तथा पोस्ट ऑफिस और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी विभिन्न बचत योजनाओं पर मिलने वाली कम ब्याज दरों से चिंतित हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 11 सितंबर को 70 साल या उससे अधिक उम्र के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत स्कीम में शामिल करने का फैसला किया है। इस योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इससे 4.5 करोड़ परिवारों को फायदा होने की उम्मीद है। इन परिवारों में 6 करोड़ बुजुर्ग हैं। इसी तरह केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को मंजूरी दी है। पिछले दिनों जीएसटी परिषद ने भी विभिन्न स्वास्थ्य और जीवन बीमा उत्पादों के प्रीमियम पर जीएसटी दर का सुझाव देने और 30 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट देने के लिए 13 सदस्यीय मंत्रिसमूह (जीओएम) का गठन किया है। निश्चित रूप से अभी देश का आम आदमी सामाजिक सुरक्षा की उपयुक्त छतरी से दूर है। देश के करीब 57 करोड़ के श्रमबल में से तीन फीसदी से भी कम सरकारी क्षेत्र के कर्मचारी यूपीएस से लाभान्वित हुए हैं। लेकिन करोड़ों श्रमिकों और कर्मचारियों से संबंधित संगठित निजी क्षेत्र और असंगठित क्षेत्र के श्रम बल के सामने वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा चिंता का विषय बनी हुई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत में वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर कुछ व्यवस्थाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यद्यपि सरकारी कर्मचारियों के अलावा संगठित निजी क्षेत्र व असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए भी पेंशन की कुछ व्यवस्थाएं हैं, लेकिन वे वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर अपर्याप्त और असंतोषप्रद हैं। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मात्र 436 रुपए सालाना प्रीमियम पर 2 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जाता है। यह योजना 18 से 55 वर्ष की आयु के लोगों के लिए उपलब्ध है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 18 से 70 वर्ष के लोग 20 रुपए सालाना प्रीमियम पर 2 लाख तक का दुर्घटना बीमा कवर प्राप्त कर सकते हैं। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित

एक पेंशन योजना है। एपीवाई के तहत 60 साल की उम्र में 1000 रुपए से लेकर 5000 रुपए प्रति माह की न्यूनतम पेंशन की गारंटी ग्राहकों द्वारा योगदान के आधार पर दी जाती है। देश का कोई भी श्रमिक जिसकी उम्र 18 से 40 साल के बीच हो, एपीवाई योजना में शामिल हो सकता है। इसी तरह व्यापारियों, दुकानदारों और स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों सहित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार ने दो प्रमुख पेंशन योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना (पीएम-एसवाईएम) है और दूसरी व्यापारियों, दुकानदारों और स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस-ट्रेडर्स) है। इन योजनाओं के तहत लाभार्थी 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद न्यूनतम 3000 रुपए की मासिक सुनिश्चित पेंशन प्राप्त करने के हकदार हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि 18-40 वर्ष की आयु के वे श्रमिक जिनकी मासिक आय 15000 रुपए से कम है, वे पीएम-एसवाईएम योजना में शामिल हो सकते हैं और व्यापारी, दुकानदार और स्वरोजगार करने वाले व्यक्ति जिनका वार्षिक कारोबार 1.5 करोड़ रुपए से अधिक नहीं है, वे एनपीएस-ट्रेडर्स योजना में शामिल हो सकते हैं। वस्तुतः ये स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजनाएं हैं और लाभार्थी की प्रवेश आयु के आधार पर मासिक अंशदान 55 रुपए से 200 रुपए तक है। दोनों योजनाओं के तहत लाभार्थी द्वारा 50 फीसदी मासिक अंशदान देय है और केंद्र सरकार द्वारा समान मिलान अंशदान का भुगतान किया जाता है। ज्ञातव्य है कि देश में संगठित क्षेत्र में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा संगठन है। वस्तुतः भविष्य निधि के लिए कर्मचारी का जो अशंदान कटता है, उसका एक हिस्सा पेंशन फंड के लिए कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएफ) में जाता है। पेंशन के लिए शर्त यह है कि कर्मचारी को कम से कम 10 साल तक नौकरी पूरी करनी होती है और पीएफ अकाउंट में अंशदान करना होता है। मौजूदा नियमों के अनुसार पेंशन योग्य वेतन की अधिकतम सीमा 15 हजार रुपए है। यदि हम ईपीएफ के तहत पेंशन संबंधी राशि की ओर देखें तो पाते हैं कि स्टैंडर्ड गणना के तहत ईपीएफ सदस्य को न्यूनतम 1000 रुपए प्रतिमाह पेंशन मिल पाती है। इसे 7500 रुपए प्रति माह करने की मांग लम्बे समय से हो रही है। असंगठित क्षेत्र के श्रम बल द्वारा सरकार के समक्ष उपयुक्त पेंशन की मांग प्रस्तुत की जा रही है। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस समय गिग वर्क सहित नई निर्मित नौकरियों में से ज्यादातर नौकरियां असंगठित क्षेत्र में निर्मित हो रही हैं और इनमें पेंशन संबंधी सुरक्षा नहीं है। नीति आयोग ने 'इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमी' शीर्षक से एक रिपोर्ट लॉन्च की है। उसमें अन्य बातों के साथ ही गिग वर्कर्स और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार करने की सिफारिश की गई है, जिसमें बीमा और पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं। एक चिंताजनक प्रश्न यह भी है कि जहां असंगठित क्षेत्र के करोड़ों लोग पेंशन व्यवस्था से दूर हैं, वहीं बचत पर घटी हुई ब्याज दर और विभिन्न आकर्षण कम होने के कारण देश में सामाजिक सुरक्षा की चिंताएं बढ़ रही हैं। अभी भी देश में बड़ी संख्या में लोगों को सामाजिक सुरक्षा (सोशल प्रोटेक्शन) की छतरी उपलब्ध नहीं है। इतना ही नहीं, बचत योजनाओं पर मिलने वाली ब्याज दरों पर देश के उन तमाम छोटे निवेशकों का दूरगामी आर्थिक प्रबंधन निर्भर होता है, जो अपनी छोटी बचतों के जरिए जिंदगी के कई महत्वपूर्ण कामों को निपटाने की व्यवस्था सोचे हुए हैं। ऐसे में उपयुक्त सामाजिक सुरक्षा की अहमियत दिखाई देती है। अतएव अब सरकार को देश के आम आदमी के लिए सामाजिक सुरक्षा के बारे में गंभीरतापूर्वक ध्यान देना होगा और निजी क्षेत्र की पेंशन योजनाओं को भी आकर्षक बनाना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की न्यूनतम पेंशन बढ़ाने के लिए लम्बे समय से लंबित मांग पर विचार किया जाना होगा, जिसमें निजी संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए भी सरकार ऐसी पेंशन स्कीम लाए जो प्रतिमाह 7500 रुपए तक या उपयुक्त पेंशन धनराशि सुनिश्चित कर सके। जहां कर्मचारी भविष्य निधि के तहत पेंशन योग्य वेतन की 15000 रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25000 रुपए किया जाना उपयुक्त होगा, वहीं अटल पेंशन योजना को आकर्षक बनाया जाना लाभप्रद होगा।

दृष्टि कोण

मानवता के तकाजे कब तक निभाएगा भारत

प्राचीन काल से भारत अमन व इत्तेहाद का पक्षधर रहा है। इनसानियत की पैरवी करने वाली तहजीब, शांति, सद्भाव तथा शिष्टाचार भारतीय संस्कृति के मूल लक्षण हैं। 'जियो और जीने दो' अर्थात 'जीवन जीना अधिकार तथा समस्त प्राणियों को जीने देना कत्र्तव्य'। मान्यता है कि यह सिद्धांत जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर 'महावीर स्वामी' के उपदेशों का हिस्सा है, जो कि जंगी जुनून में मदहोश होकर विश्व को तीसरी आलमी जंग के मुहाने पर ले जा रहे देशों तथा दहशतगर्दी की हिमायत करने वाले मुल्कों के लिए एक प्रकाशमान दर्शन है। मौजूदा दौर में मजहबी कट्टरवाद तथा आतंकवाद जैसे संवेदनशील मुद्दे वैश्विक स्तर पर एक बड़ा खतरा बन चुके हैं। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जब युद्ध, मजहबी उत्पीडन व आतंकवाद जैसी भीषण आपदाओं के कारण अपना मुल्क छोडने वाले बेगुनाह लोगों के लिए भारत ने हमेशा मसीहा की भूमिका निभाई है। यहां तक कि हिंदोस्तान से गद्दारी करने वाले लोगों के प्रति भी भारत का नजरिया नैतिकता का ही रहा है। पश्चिम बंगाल से ताल्लुक रखने वाले 'जोगिंद्रनाथ मंडल' अविभाजित हिंदोस्तान के दौर में मुस्लिम लीग के सदस्य थे। उन मोहतरम ने भारत के विभाजन में अपना शिद्दत भरा किरदार अदा किया था। बटवारे के दौर में जोगिंद्रनाथ मंडल ने जातिवाद की पुरजोर पैरवी करके असम राज्य के सिलहट क्षेत्र को पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। नतीजतन सिलहट अब बांग्लादेश में मौजूद है। विभाजन के बाद जोगिंद्रनाथ मंडल दलित व पिछड़े वर्ग का रहनुमां बनकर पाकिस्तान चले गए थे। पाकिस्तान के गर्वनर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना ने जोगिंद्रनाथ मंडल को पाक हुकूमत की काबीना में 'कानून व श्रम' मंत्री नियुक्त कर दिया। मगर वजूद में आते ही पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर मजहब के नाम पर तशद्दुद का दौर शुरू हो गया था। कत्लोगारत के उस खौफनाक मंजर से जब पाकिस्तान का धर्मनिरपेक्ष चेहरा बेनकाब हुआ, तो पाक में भाईचारे के पैरोकार बनकर गए जोगिंद्रनाथ मंडल ने पाक वजीरे आजम 'लियाकत अली' को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। पाकिस्तान के मजहबी जुनून के आगे बेबस होकर जोगिंद्रनाथ मंडल को दोबारा भारतभूमि पर ही शरण लेनी पड़ी थी। पाकिस्तान के वजूद में आने से पहले ही जिन्ना को अपने मुल्क के लिए 'कौमी तराना' की जरूरत महसूस हो चुकी थी। उस वक्त जिन्ना ने उर्दू सहाफत के नामवर शायर 'जगन्नाथ आजाद' से पाकिस्तान का कौमी तराना लिखने की गुजारिश की। जगन्नाथ आजाद द्वारा लिखा गया पाकिस्तान का कौमी तराना 14 अगस्त 1947 की रात को रेडियो 'लाहौर' से पहली बार नसर हुआ था। लेकिन सितंबर 1948 में मोहम्मद अली जिन्ना की वफात के बाद जगन्नाथ आजाद द्वारा लिखे गए पाक कौमी तराने पर मजहबी गर्दिश का साया पड़ गया। पाकिस्तान के मजहबी रहनुमाओं को एक गैर इस्लामी शायर का लिखा कौमी तराना रास नहीं आया। नतीजतन जिन्ना का मुस्तहब पाक कौमी तराना बदल दिया गया। मजहबी हिकारत से आहत होकर जगन्नाथ आजाद ने अपने पूर्वजों की पुश्तैनी विरासत को अपनी जन्मभूमि मियांवली में त्याग कर पाकिस्तान को अलविदा कह कर भारत में ही शरण ली थी। अंग्रेज वायसराय लार्ड कर्जन द्वारा सन 1905 में बंगाल विभाजन की अजीयत भरी कारकर्दगी से मायूस होकर 'रविंद्रनाथ टैगोर' ने बंगाल में इत्तेहाद का माहौल बरकरार रखने के लिए 'आमार सोनार बांग्ला' नामक गीत की रचना की थी। उस दौर में 'बंगदर्शन' नामक पत्रिका में प्रकाशित वो नगमा काफी लोकप्रिय हुआ था। भारत के रहमो करम से सन 1971 में वजूद में आए बांग्लादेश ने अपनी 'यौम-ए-तासीस' के वक्त टैगोर के उस नगमें को अपना कौमी तराना तस्लीम कर लिया था, लेकिन 'आमार सोनार बांग्ला' सन 1975 में ही मजहबी कट्टरपंथ का शिकार हो गया। बांग्लादेश की मजहबी जमातों के आगे बेबस होकर राष्ट्रपति 'मुश्ताक अहमद' द्वारा गठित की गई कमेटी के मजहबी रहनुमां काजी नसरूल इस्लाम ने टैगोर के लिखे तराने को रुखसत करने का मश्विरा पेश कर दिया था। बांग्लादेश की मौजूदा मजहबी जमातें भी उसी तहरीर को दोहरा रही हैं। अपने चर्चित उपन्यास 'लज्जा' के जरिए बांग्लादेश के मजहबी कट्टरपंथ को बेनकाब करने वाली लेखिका 'तस्लीमा नसरीन' को सन 1994 में अपना मुल्क बांग्लादेश छोडना पड़ा। वहां की कट्टरपंथी जमातों तथा कई आतंकी संगठनों ने तस्लीमा नसरीन के खिलाफ मौत का फरमान जारी कर दिया था। तस्लीमा नसरीन ने सन 2004 से भारत में शरण ली है।

कुछ अलग

पद-दौलत से बड़ी हैं मानवीय संवेदनाएं

ईश्वर ने संसार में भेजते समय हर आदमी को एक 'ढाई इंच' की थैली दी है, जिसे हम सब आज 'दिल' कहते हैं और इसमें भर दिया है ईश्वर ने भावनाओं का एक लबालब सागर। इसी के साथ हर आदमी को दे दिया है काफी बड़ा-सा 'दिमाग', जिसमें भरे हैं अहंकार, लालच और हवस के भंडार। कहते हैं कि छोटा-सा 'दिल' सारी दुनिया को अपने में समा लेता है, लेकिन बहुत बड़ा-सा 'दिमाग' अपने आगे किसी को कुछ भी समझता ही नहीं। कितना ही धन-दौलत हो जाए, इस दिमाग की 'हवस' भरती ही नहीं और इसका 'अहंकार' तो इसे हमेशा उड़ाए रखता है और आदमी के पैर ज़मीन पर ही नहीं पड़ते। फक्कड़ कबीर जाने किस मस्ती में लिख गए थे, जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई— सच मानिए, जब भी 'कृष्ण-सुदामा की मित्रता' के विषय में सोचता हूं, तो यही लगता है कि यहां 'दिल और दिमाग' यानी 'भावना और अहंकार' का द्वंद्व ही तो दिखाया गया है। एक राजा के सामने जब बाल सखा के रूप में दीन-हीन व्यक्ति खड़ा हो, तब हमें 'दिल' और 'दिमाग' की असलियत पता चलती है। वस्तुतः 'संवेदना' के आगे संसार की सारी निधियां बेकार हो जाती हैं। आदमी के पास 'संवेदनाएं' हैं तो वह 'दधीचि' बनकर मानवता के लिए अपनी अस्थियों का दान दे सकता है और 'अहंकार' है तो रावण बनकर सब कुछ खो देता है। किसी कवि ने खूब कहा भी है :-

'अहंकार का बोझ प्रिय, सब कुछ देय डुबोय।
संवेदना के अमृत से, यह जग अमृत होय।'

आज इसी प्रसंग में भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त रहे आईएएस टीएन शेषन का लिखा हुआ एक संस्मरण याद हो आया है, जिसमें हमें प्रेरणा के साथ-साथ संवेदना का अमृत मिलेगा। 'टीएन शेषन जब भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त थे। तब एक बार वे अपनी पत्नी के साथ यूपी की यात्रा पर जा रहे थे। संयोगवश उनकी पत्नी ने सड़क किनारे एक पेड़ पर किसी 'बया' (एक प्रकार की चिड़िया) का घोसला देखा। इस बेहद प्यारे से लटके हुए घोसले को देखकर उन्होंने अपने पति से कहा, 'यह घोसला मुझे ला दो; बहुत प्यारा है। मैं इसे घर में सजाकर रखना चाहती हूं।' टीएन शेषन ने साथ चल रहे अपने एक सुरक्षा गार्ड से उस घोसले को नीचे उतार कर लाने को कहा। सुरक्षा गार्ड ने पास ही भेड़-बकरियां चरा रहे एक अनपढ़ से लड़के से कहा कि अगर तुम यह घोसला निकाल कर दे दोगे, तो मैं तुम्हें बदले में दस रुपये दूंगा। आश्चर्य कि उस लड़के ने सुरक्षा गार्ड को घोसला लाकर देने से साफ मना कर दिया। तब शेषन स्वयं कार से उतर कर गये और उस लड़के को पचास रुपये देने की पेशकश की, लेकिन लड़के ने उन्हें भी घोसला लाकर देने से साफ इनकार कर दिया। आश्चर्य में डूबे टीएन शेषन साहब ने जब उस लड़के से घोसला न लाने का कारण पूछा, तो गांव के अनपढ़ लड़के ने कहा कि, 'सर, इस घोसले में चिड़िया के बच्चे हैं। शाम को जब उन बच्चों की 'मां' खाना लेकर आएगी, तो वह घोसला न पाकर बहुत उदास होगी, इसलिए तुम कितना भी पैसा दे दो, मैं घोसला नहीं उतारूंगा।' इस घटना के बारे में श्री टीएन शेषन लिखते हैं कि... 'मुझे जीवन भर इस बात का अफ़सोस रहा कि एक पढ़े-लिखे आईएएस में वो विचार और भावनाएं क्यों नहीं आईं, जो एक अनपढ़ लड़का सोचता था?' उन्होंने आगे लिखा कि 'मेरी तमाम डिग्री, आईएएस का पद, प्रतिष्ठा और पैसा, सब उस अनपढ़ बच्चे के सामने मिट्टी में मिल गया।

देश दुनिया से

कानूनी दुरुपयोग से पुरुष हितों की अनदेखी

देश की शीर्ष अदालत ने वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि आईपीसी की धारा 498ए और घरेलू हिंसा अधिनियम देश में सबसे अधिक दुरुपयोग किए जाने वाले कानूनों में से एक बन गए हैं। एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कानून के दुरुपयोग की पेचीदगियों की जांच करते हुए इस बात पर अपनी चिंता व्यक्त की कि ये महिला सुरक्षा के लिए बने कानून किस प्रकार दुरुपयोग का शिकार हो रहे हैं।

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि आईपीसी की धारा 498ए और घरेलू हिंसा अधिनियम देश में सबसे अधिक दुरुपयोग किए जाने वाले कानूनों में से एक बन गए हैं। एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कानून के दुरुपयोग की पेचीदगियों की जांच करते हुए इस बात पर अपनी चिंता व्यक्त की कि ये महिला सुरक्षा के लिए बने कानून किस प्रकार दुरुपयोग का शिकार हो रहे हैं। न्यायाधीश गवई ने कहा कि नागपुर में एक ऐसा मामला देखने को मिला जिसमें अमेरिका चले गए एक व्यक्ति को एक अधूरी शादी के लिए 50 लाख रुपये चुकाने पड़े, जबकि वे दोनों एक दिन भी साथ नहीं रहे। उन्होंने यह भी कहा कि 'खुले तौर पर घरेलू हिंसा अधिनियम और धारा 498ए सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया जाने वाले प्रावधानों में से हैं...।' उनकी यह टिप्पणी उस भावना को व्यक्त करती है जो कि न केवल समाज के विभिन्न वर्गों, बल्कि देश के विभिन्न न्यायिक निकायों से भी प्रतिध्वनित हो रही है। उल्लेखनीय है कि 3 मई, 2024 को न्यायाधीश जे.वी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने 'प्रीति गुप्ता बनाम झारखंड राज्य' के मामले में कहा, 'हमने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 85 और 86 पर गौर किया, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या विधानमंडल ने इस न्यायालय के सुझावों पर गंभीरता से ध्यान दिया है... (इसमें) आईपीसी की धारा 498ए का शब्दशः पुनरुत्पादन के अलावा कुछ नहीं है। एकमात्र अंतर यह है कि आईपीसी की धारा 498ए का स्पष्टीकरण अब एक अलग प्रावधान, यानी भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 86 के माध्यम से है।' शीर्ष अदालत का यह वक्तव्य उस असंतोष की अभिव्यक्ति है, जहां विधानमंडल से यह अपेक्षित था कि वह उस सिद्धांत पर अवश्य विचार करे जो यह प्रतिपादित करता है कि समाज स्थिर नहीं है और इसके सामाजिक एवं सांस्कृतिक मानदंड समय के प्रवाह के साथ-साथ परिवर्तित होते रहते हैं। इसीलिए, समाज को अनुशासित एवं निर्देशित करने वाली वैधानिक नियमावली भी उसी अनुरूप परिवर्तित होनी चाहिए, अन्यथा वह अपना औचित्य खो देती है। विगत दो दशकों में शीर्ष अदालत से लेकर देश की विभिन्न उच्च अदालतों ने इस मुद्दे को उठाया है कि महिलाओं के लिए बनाए गए सुरक्षात्मक प्रावधानों का उपयोग कभी-कभी हथियार के रूप में किया जा रहा है। परंतु इसके बावजूद इस ओर ध्यान न दिया जाना निराशाजनक तस्वीर पेश करता है। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि महिलाएं आज भी भावनात्मक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित होती हैं, परंतु इसका तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि पुरुष 'अभेद्य सुरक्षा कवच' से घिरे हुए हर प्रताड़ना से मुक्त हैं। पुरुषों की पीड़ा की बात करना निश्चित ही स्वयं को नारीवादी विरोधी के रूप में उस कठघरे में खड़ा करना है, जिसमें महिला अधिकारों के शत्रु के रूप में चिन्हित किया जाएगा और उसकी आलोचना होगी। किंचित यह भय ही विधि निर्माताओं के समक्ष उपस्थित होता होगा। एक समाज के समावेशी विकास के लिए 'लैंगिक समानता' मूलभूत सिद्धांत है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि लैंगिक समानता का तात्पर्य अक्सर केवल स्त्री अधिकारों से जोड़ा जाता है, जिससे पुरुषों के अधिकारों की अवहेलना स्वतः ही हो जाती है। लैंगिक समानता की वास्तविक परिभाषा बिना किसी लिंग भेद के सभी की समानता को प्रतिस्थापित करना है। स्तब्ध करने वाला सत्य यह है कि स्त्री द्वारा उच्चारित हर शब्द और आरोप को शब्दशः स्वीकारने की प्रवृत्ति के चलते, बिना सत्यता परीक्षण के पुरुष को अपराधी घोषित कर दिया जाता है। जबकि दुनिया का कोई भी शोध यह सिद्ध नहीं कर पाया है कि पुरुष और स्त्री का जैविक अंतर भावनाओं के विभेद से भी जुड़ा हुआ है और न ही यह सिद्ध हुआ है कि स्त्री 'शत्रुताभाव', 'ईर्ष्या', 'द्वेष' और 'घृणा' जैसे भावों से पूर्णतया मुक्त है। 'द फॉल्स्ली एक्यूज्ड कैन नेवर गेट देयर लाइव्स बेक' किम्बर्ली जे. बेंजामीर का अध्ययन बताता है कि झूठे आरोपों का गहरा मनोवैज्ञानिक एवं भावनात्मक आघात होता है और इसके परिणाम आजीवन परिलक्षित होते हैं, भले ही आरोपों के परिणामस्वरूप दोष सिद्ध न हुए हों। मिथ्या रूप से आरोपित किए जाने वाले व्यक्ति समाज में अपनी गरिमा और विश्वसनीयता की भावना खो सकते हैं, जिससे उनके जीवन की आशा और उद्देश्य लुप्त हो जाते हैं। वहीं मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी का शोध 'द इम्पैक्ट ऑफ़ बीइंग रोंगली एक्यूज्ड : विक्टिम वॉयसेस' झूठे आरोपों के पीड़ितों के साक्षात्कारों का दस्तावेजीकरण करता है, जो कि कानूनी रूप से निर्दोष थे। यह शोध बताता है कि झूठे आरोपों के चलते उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा, आत्मसम्मान, दोस्त और पेशेवर जिंदगी को खो दिया।

आप का नजरिया

इस पताका को ऊर्जा चाहिए

दिशाएं पुनः अपनी मंजिल के निशान खोज रही हैं, लेकिन इस सफर की कहानी अभी गुम है। संघर्षरत हिमाचल की पताका को जो ऊर्जा चाहिए, उसे ऊर्जा विभाग में खोजा जा रहा है। बहरहाल हिमाचल सरकार वर्षों से व्यर्थ गुजर रहे पानी को अपनी आर्थिक अमानत बनाने के हरसंभव विषय और शब्द को नई आवाज देना चाहती है। हमारी दौलत भी यही और दस्तूर भी यही कि बहते जल को निचोड़ दें। सुक्खू सरकार की हर मंत्रिमंडलीय बैठक से कारनामे ढूंढ रहे प्रदेशवासियों को कहीं यथार्थ पर भरोसा करना होगा तो कहीं सख्त कदमों के लिए दिल पर पत्थर रखना होगा। अब वक्त आ गया है जब सियासत को भी अच्छी आर्थिक नीतियों को अंगीकार करना होगा। हम शुक्रवार की मंत्रिमंडलीय बैठक से कई ऐसे चिराग ले सकते हैं, जो सरकारी नौकरी का घूंघट उठा कर मोहित कर दें, लेकिन देखना यह है कि यह सरगम आ किस स्रोत से रहा है। फॉरेस्ट गार्ड भर्ती अब बदलकर सौ वन रक्षकों का इंतजार कर रही है, तो करीब 75 अन्य पद भी रोजगार की झोली में आ रहे हैं। पांवटा साहिब व देहरा गोपीपुर को मिल रहे पचास-पचास बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक का प्रयोग अगर सफल होता है, तो चिकित्सा सेवाओं के दर्पण पर नागरिक भरोसा प्रतिबिंबित होगा। मंत्रिमंडल की बैठकें दरअसल सत्ता की सियासत का सेहरा पहनकर हमें टटोलती हैं और तब हम देख पाते हैं कि सरकार की प्राथमिकताएं हैं क्या। हर सरकार खुद और राज्य को चलाने के लिए पटरियां बिछाती है और सुक्खू सरकार भी ऐसी ही कसौटियों में, कर्जदार हिमाचल से किफायत के चंद घूंट निकालकर मुस्कराना चाहती है। अब खर्च पर लगाम का संदेश देते कई पैगाम मिल जाएंगे। मुख्यमंत्री का हेलीकाप्टर नौ दिन विश्राम करके तीस लाख बचा देगा। यह पहल उदाहरण से कहीं आगे अगर पैगाम बने तो प्रदेश भर के सरकारी वाहनों की संचालन लागत में अंतर आ सकता है, बशर्ते मितव्यतता के सिद्धांत पर नीतिगत फैसले अमल में लाए जाएं। धूमल सरकार के वक्त अधिकारियों के वाहनों की पूलिंग शुरू हुई थी या बाद में जयराम सरकार ने ऑनलाइन बैठकों का दौर शुरू किया, लेकिन ऐसे निर्णय किफायत की रिहर्सल बन कर ही रह जाते हैं। सुक्खू सरकार ने आते ही ग्रीन स्टेट बनाने के नजरिए से कुछ कार्यालयों में इलेक्ट्रिक वाहन पहुंचा दिए, लेकिन बसों की खरीद टेंडर प्रक्रिया में ही फंसी रही। हिमाचल सरकार लगभग 2680 मेगावाट बिजली की परियोजनाओं को वापस ऊर्जा निगम के हवाले कर रही है। अब जंगी थोपन, रेणुका जी व थाना पलौन की विद्युत परियोजनाएं लौट के हिमाचल के ही सार्वजनिक उपक्रम को मिल रही हैं। यह दीगर है कि प्रदेश के अधिकांश सार्वजनिक उपकरण घाटे के वजूद में बजट की हड्डियां तोड़ रहे हैं। घाटे के सरकारी होटल व घाटे के सरकारी रूट किफायत के सपनों को तार-तार कर रहे हैं, तो फैसले इस तरह बर्फ हो चुके संस्थानों को पिघलाने के लिए भी लेने पड़ेंगे। सुक्खू सरकार शिक्षा सुविधाओं के आकाश में हिमाचल के बच्चों का आसमान बड़ा करना चाहती है या जो अभिभावक विदेश की पढ़ाई में अपनी औलाद का क्षितिज बदलना चाहते हैं, उनका समर्थन कर रही है।

लेबनान एक और गाजा में हो सकता है तब्दील : गुटेरेस

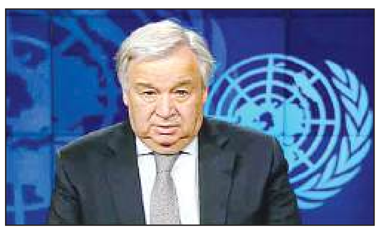

न्यूयॉर्क, 23 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रविवार को कहा कि इज़रायल और हिज़्बुल्लाह के मध्य बढ़ते हमलों के बीच लेबनान एक और गाजा में तब्दील हो सकता है। श्री गुटेरेस ने अमेरीकी समाचार आउटलेट सीएनएन के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि लेबनान में संचार उपकरणों के हाल ही में विस्फोट का मतलब है कि बहुत अधिक वृद्धि की संभावना है जिसके बारे में उन्हें डर है कि यह दुनिया के लिए विनाशकारी त्रासदी हो सकती है।लेबनान के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष समन्वयक जीनिन हेनिस ने एक्स पर कहा, क्षेत्र एक आसन्न तबाही के कगार पर है और इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है, ऐसा कोई सैन्य समाधान नहीं है जो किसी भी पक्ष को सुरक्षित कर सके। उल्लेखनीय है कि गत मंगलवार और बुधवार को लेबनान में संचार उपकरणों में विस्फोट के बाद इजराइल-लेबनान सीमा पर तनाव तेजी से बढ़ गया है। संचार उपकरणों के विस्फोट में 37 लोग मारे गए और लगभग 3,000 लोग घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइल ने शुक्रवार को बेरूत में हवाई हमला किया जिसमें कम से कम 45 लोग मारे गए। हिज्बुल्लाह ने कथित तौर पर उत्तरी इजराइल में 100 से अधिक रॉकेट दागे हैं। इजराइली सेना और हिज्बुल्लाह आठ अक्टूबर, 2023 से इजराइल-लेबनान सीमा पर गोलीबारी कर रहे हैं जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि लगभग एक साल से चल रहा टकराव पूर्ण पैमाने पर युद्ध में बदल सकता है।

माली के राष्ट्रपति ने आतंकवाद पर अंकुश लगाने का लिया संकल्प

बमाको, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी अफ्रीकी देश माली के राष्ट्रपति असिमी गोइता ने देश में शांति, सुरक्षा एवम विकास को आगे बढ़ाने के अपने दृढ़ संकल्प की पुष्टि की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का संकल्प लिया।

श्री गोइता ने देश की आजादी की 64वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक सैन्य परेड के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, जब तक हमारा देश इस खतरे से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाता, हम दिन-रात इन सशस्त्र समूहों का समर्थन करेंगे। मालियान लोगों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा, जो चुनौतियों के बावजूद राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने मिशन में मालियान सशस्त्र बलों का सक्रिय रूप से समर्थन करना जारी रखते हैं। श्री गोइता ने रक्षा और सुरक्षा बलों के आसपास एक पवित्र संघ की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि इस लड़ाई में जीत के लिए नागरिकों और भागीदारों के निरंतर समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हम आपसी सम्मान और जीत सहयोग की भावना में अपने सभी भागीदारों के साथ खुले हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि माली, कन्फेडरेशन ऑफ अलायंस ऑफ साहेल स्टेट्स में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर आतंकवादी खतरे को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

न्यूज ब्रीफ

न्यूयॉर्क में नेपाल के पीएम ओली भारत के प्रधानमंत्री मोदी से मिले

काठमांडू। न्यूयॉर्क में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मुलाकात की है। यह मुलाकात भारतीय समयानुसार सुबह 4:15 से 4:45 तक हुई। प्रधानमंत्री ओली ने एक्स पोस्ट में सौहार्दपूर्ण वातावरण मे बहुत ही अच्छी मुलाकात होने की बात कही है। ओली के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से उनकी यह पहली मुलाकात है। इस मुलाकात के दौरान भारतीय विदेश मंत्री डा एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री सहित विदेश मंत्रालय के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस मुलाकात पर नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने कहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से नेपाल भ्रमण पर आने का आग्रह किया। इसे मोदी ने ष स्वीकार करते हुए जल्द ही नेपाल भ्रमण पर आने का आश्वासन दिया है। राणा के मुताबिक दोनों शीर्ष नेताओं के बीच सभी द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई।

वेटिकन की तर्ज पर बनेगा एक अलग मुस्लिम देश, महिलाओं को भी पूरी आजादी का प्लान

तिराना । वेटिकन सिटी में ही पोप बैठते हैं और धर्म से जुड़े मामलों पर यहीं से राय देते हैं। इसी तर्ज पर एक मुस्लिम मौलवी ने भी एक देश बनाने की कोशिश की है, जहां से मुस्लिमों के मामले डील किए जाएंगे। यह देश अलबानिया की राजधानी तिराना में होगा। यह दुनिया का सबसे छोटा मुल्क होगा। इसका एरिया न्यूयॉर्क सिटी के 5 ब्लॉक जितना होगा। यहां शराब की मंजूरी होगी और महिलाओं को भी जो चाहें पहनने की आजादी होगी। उन पर लाइफस्टाइल से जुड़ी पाबंदियां नहीं रहेंगी। मौलवी एडमंड ब्रहीमाज कहते हैं कि खुदा ने किसी भी चीज को लेकर रोक नहीं लगा रखी है। इसीलिए उसने हमें दिमाग दिया है कि हम तय करें कि क्या करना है। बाबा मोंडी के नाम से चर्चित एडमंड कहते हैं कि यह 27 एकड़ में बना देश होगा, जिसे अलबानिया एक अलग मुल्क के तौर पर विकसित करने को राजी है। इसका अपना प्रशासन होगा, सीमाएं तय होंगी और लोगों को पासपोर्ट भी जारी किए जाएंगे। अलबानिया के प्रधानमंत्री ईदी रामा ने भी कहा है कि वह ऐसे एक देश के बारे में ऐलान करेंगे। यह देश इस्लाम की सूफी परंपरा से जुड़े बेक्टाशी ऑर्डर के नियमों को मानेगा। रामा ने कहा कि हमें इस खजाने की रक्षा करनी चाहिए, जिसका अर्थ धार्मिक सहिष्णुता से है और इसे कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जो नया देश बनाने जा रहे हैं, वह पूर्वी तिराना में होगा। इसका साइज वेटिकन सिटी से भी एक चौथाई के बराबर होगा। इसमें लोगों पर पाबंदियां नहीं रहेंगी और उन्हें अपने तरीके से जीने का मौका मिलेगा। बाबा मोंडी का कहना है कि हम मानते हैं कि ईश्वर हम पर कोई बंदिश नहीं लगाता।

राष्ट्रपति का अगला चुनाव नहीं लड़ेंगे डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप 2028 में राष्ट्रपति चुनाव की रेस में भाग नहीं लेंगे। एक कार्यक्रम के दौरान उनसे पूछा गया कि अगर वे 2024 का चुनाव हार जाते हैं, तो क्या वे 2028 में फिर से चुनाव लड़ेंगे। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता। अब बस हो गया। आशा है कि इस बार सफल होंगे। यह बयान ट्रंप के राजनीतिक भविष्य को लेकर कई अटकलें पैदा कर रहा है, खासकर उनके समर्थकों के बीच, जो उनकी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को लेकर हमेशा उत्साहित रहते हैं। ट्रंप पहले भी अपने चुनावी अभियानों की जल्दी घोषणा के लिए जाने जाते हैं, जैसे उन्होंने 2017 में ही 2020 चुनाव के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी थी, और 2022 में 2024 के चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर दी थी। डेमोक्रेटिक पार्टी से उपराष्ट्रपति कमला हैरिस इस बार ट्रंप को कड़ी टक्कर दे रही हैं। हैरिस ने अपने चुनाव प्रचार में घरेलू मुद्दों, जैसे महंगाई और स्वास्थ्य देखभाल, को प्रमुख बनाया है। चुनावी सर्वेक्षणों के अनुसार, हैरिस ने ट्रंप के खिलाफ बढ़त बनाना शुरू कर दिया है, जिससे यह मुकाबला और भी रोमांचक हो गया है।

पाकिस्तान में 12 देशों के राजदूतों के काफिले पर आतंकी हमला, वैन को रिमोट कंट्रोल बम से उड़ाया गया

इस्लामाबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बेखौफ आतंकवादियों ने रविवार को रूस समेत 12 देशों के राजदूतों के काफिले को निशाना बनाया। दहशतगर्दों ने काफिले की एक पुलिस सुरक्षा वैन को रिमोट कंट्रोल बम से उड़ाने की कोशिश की। इस दौरान हुए धमाके में एक सिपाही की जान चली गई। पांच अन्य घायल हो गए। घायलों को सैदु शरीफ के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी विदेशी दूत सुरक्षित बताए जा रहे हैं। उन्हें खैबर पख्तूनख्वा के कड़ी सुरक्षा में इस्लामाबाद भेजा गया है।

खबर में स्थानीय पुलिस और विदेश कार्यालय के हवाले से कहा गया है कि 12 देशों के राजनयिक प्रतिनिधिमंडल के साथ मलम जब्बा से इस्लामाबाद लौट रहे थे। तभी उनकी सुरक्षा पुलिस वैन को निशाना बनाया गया। स्वात जिला पुलिस अधिकारी जाहिदुल्ला खान के अनुसार, इस वैन को विस्फोटक उपकरण से निशाना बनाया गया। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा है कि स्वात का दौरा करने वाले सभी राजनयिक हमले में सुरक्षित रहे और इस्लामाबाद लौट आए।

पुलिस अधिकारी खान ने कहा कि घायल पुलिसकर्मियों को पास के अस्पताल ले जाया गया। वहां उनमें से एक ने दम तोड़ दिया। उसकी पहचान कांस्टेबल बुरहान के रूप में हुई है। घायलों में सब इंस्पेक्टर सर जमीन खान, कांस्टेबल मोहम्मद खान, हुसैन गुल, अमानुल्लाह और ड्राइवर रहमतुल्लाह शामिल हैं। विस्फोट के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों की एक बड़ी टुकड़ी ने इलाके की घेराबंदी की और जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह स्पष्ट नहीं है कि यह रिमोट कंट्रोल बम था या कोई समयबद्ध उपकरण। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने प्रांतीय पुलिस प्रमुख से रिपोर्ट मांगी है।

जिला पुलिस अधिकारी खान ने बताया कि विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को इस्लामाबाद और स्वात चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने हस्तशिल्प और रत्नों सहित क्षेत्र के स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया था। प्रतिनिधिमंडल में इंडोनेशिया, पुर्तगाल, कजाकिस्तान, बोस्निया, हर्जेगोविना, जिम्बाब्वे, रवांडा, तुर्कमेनिस्तान, वियतनाम, ईरान, रूस और ताजिकिस्तान के प्रतिनिधि शामिल थे। इस्लामाबाद में रूस के दूतावास ने एक बयान में कहा कि उनके राजदूत हमले में सुरक्षित रहे। दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 22 सितंबर को राजदूत अल्बर्ट पी खोरेव ने कई अन्य राजदूतों के साथ इस्लामाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के स्वात पर्यटन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।

राष्ट्रपति आसिफ जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने हमले की निंदा की है। राष्ट्रपति भवन के बयान के अनुसार, जरदारी ने पुलिस कांस्टेबल को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की और विस्फोट में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। राष्ट्रपति ने कहा, आतंकवादी तत्व न केवल देश और राष्ट्र के बल्कि मानवता के भी दुश्मन हैं। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री इस समय लंदन में हैं। विदेश मंत्री इशाक डार के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया, हमारी संवेदनाएं मारे गए और घायल पुलिसकर्मी के परिवारों के साथ हैं। हम अपने कानून प्रवर्तन अधिकारियों का सम्मान करते हैं जो आतंकवादियों के सामने अडिग रहते हैं।

अन्य खबरों में बताया गया है कि घटनास्थल पर भारी पुलिसबल अभी भी तैनात है। किसी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सभी राजदूतों ने मिंगोरा में चैंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके बाद वे मालम जब्बा जा रहे थे। तभी शेराबाद में यह धमाका हुआ।

ईरान में कोयला खदान में विस्फोट 34 मजदूरों की मौत

तेहरान, 23 सितंबर (एजेंसियां) । पूर्वी ईरान में एक कोयला खदान में मीथेन गैस लीक होने के कारण हुए विस्फोट में कम से कम 34 मजदूरों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इसे ईरान के इतिहास की सबसे बड़ी खदान दुर्घटना करार देते हुए कहा कि विस्फोट के घंटों बाद भी कई मजदूर लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजधानी तेहरान से करीब 540 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व में स्थित तबास की कोयला खदान में शनिवार देर रात विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि विस्फोट के दौरान लगभग 70 लोग खदान में काम कर रहे थे। सरकारी टेलीविजन चैनल ने बताया कि 700 मीटर गहरी खदान में 17 मजदूरों के 200 मीटर की गहराई पर फंसे होने की आशंका है। हालांकि हादसे से प्रभावित मजदूरों की संख्या के बारे में दिन भर अलग-अलग आंकड़े सामने आते रहे। प्रांत के एक आपातकालीन अधिकारी ने सरकारी समाचार एजेंसी को रविवार दोपहर बताया कि बचाव अभियान जारी है और हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। खदान से निकाले गए मजदूरों ने सरकारी टेलीविजन चैनल से बातचीत में विस्फोट के बाद के भयानक मंजर को बयां किया। कोयले के काले चूरे में लिपटे एक मजदूर ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि हम खदान में काम कर रहे थे। अचानक धुआं उठने लगा। इसके बाद मैंने महसूस किया कि मुझे सांस लेने में तकलीफ हो रही है। मैं फौरन अपनी जान बचाने के लिए भागा और तब तक लगातार दौड़ता रहा, जब तक एक सुरक्षित स्थान पर नहीं पहुंच गया। मेरे सहकर्मी वहीं फंसे रह गए। प्राधिकारियों के मुताबिक यह विस्फोट मीथेन गैस लीक होने के कारण हुआ। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हादसे के समय निजी खदान मंदानजू को में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम उपलब्ध थे या नहीं। हादसे पर प्रतिक्रिया के लिए खदान के मलिकाना हक वाली कंपनी से अभी संपर्क नहीं किया जा सका है।

नेपाल में पुलिस ने पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने के घर और दफ्तर को घेरा

काठमांडू, 23 सितंबर (एजेंसियां) । नेपाल की राजधानी काठमांडू में बीती देर रात से हाई वोल्टेज राजनीतिक ड्रामा हो रहा है। पुलिस ने पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने को गिरफ्तार करने के लिए उनके घर और दफ्तर को चारों ओर से घेर लिया है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में राजधानी की सड़कों पर सुरक्षा बलों को उतारा गया है।

अपनी गिरफ्तारी की संभावना को देखते हुए रवि लामिछने ने पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं को तत्काल पार्टी मुख्यालय पहुंचने को कहा है। पार्टी दफ्तर में रविवार मध्य रात से पदाधिकारियों की बैठक चल रही है। इसी बीच रवि लामिछाने ने बैठक से बाहर आकर पत्रकारों को बताया कि उनको गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस वालों ने उनके घर और पार्टी दफ्तर को घेर रखा है।

किसी भी समय उनको गिरफ्तार किया जा सकता है। लामिछाने ने कहा कि यदि सरकार उनको गिरफ्तार करती है तो इसके विरोध में उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता देशभर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उनकी गिरफ्तारी हुई तो इसका परिणाम बहुत खराब होगा।

इसी बीच खबर है कि रवि लामिछाने ने अपनी पार्टी के उपाध्यक्ष स्वर्णिम वागले सहित 15 नेता जो एक दिन पहले ही 10 दिनों के चीन भ्रमण पर गए हैं उनको तत्काल वापस आने को कहा है। लामिछाने के निजी सचिव दीपक बोहरा ने इसकी पुष्टि की है।

बांग्लादेश के पूर्व कानूनमंत्री हक और पूर्व आईजी अल-मामून पर एक और केस, अब जुबैर अहमद हत्याकांड में गिरफ्तारी

ढाका, 23 सितंबर (एजेंसियां) । बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद गंभीर आरोपों का सामना कर रहे जेल में बंद पूर्व कानूनमंत्री अनीसुल हक और पूर्व आईजी चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून पर एक और केस पंजीकृत किया गया है। अब उन्हें पांच अगस्त को आरक्षण सुधार आंदोलन के दौरान हाफिज मोहम्मद जुबैर अहमद की हत्या के मामले में आज गिरफ्तार कर लिया गया। ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद नूरुल हुदा चौधरी ने दोनों की गिरफ्तारी का आदेश जांच अधिकारी सरवर खान रसेल के आग्रह को मंजूर करते हुए दिया। सरवर रसेल अदबोर पुलिस स्टेशन के उप निरीक्षक हैं।

उन्होंने अदालत को बताया कि जुबैर हत्याकांड में दोनों एफआईआर में नामजद हैं। सुनवाई के दौरान अनीसुल और मामून कोर्ट में मौजूद रहे। जांच अधिकारी के अनुसार, 12 सितंबर को मृतक के पिता मोहम्मद कमालुद्दीन ने अनीसुल और मामून के खिलाफ खिलगांव थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया था। उल्लेखनीय है कि पूर्व कानून मंत्री अनीसुल हक को 14 अगस्त को ढाका के सदरघाट से भागते समय गिरफ्तार किया गया। उन्हें गुनहगारों की तरह रस्सियों से बांध दिया गया। यही नहीं एक घंटे के भीतर उन पर दोहरा हत्याकांड में शामिल होने का आरोप लगा दिया गया। पूर्व पुलिस महानिरीक्षक अल-मामून को तीन सितंबर को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया गया था।

बांग्लादेश में अवामी लीग नेता की हत्या

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं की हो रही धरपकड़ के बीच एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। देश के एक हिस्से में एक अवामी लीग के नेता की परिवार के सामने पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। ढाका की खबर के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने रविवार देररात लक्ष्मीपुर सदर उपजिला के चंद्रगंज यूनियन के अंतर्गत पचपारा गांव में अवामी लीग नेता नूर आलम (60) के घर के पास उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। वह अवामी लीग की स्थानीय वार्ड इकाई का महासचिव और पेशे से दर्जी था। खबर में पीड़ित के बेटे आरिफ हुसैन के हवाले से कहा गया है कि उसके पिता घर पर थे। तभी किसी ने उनके मोबाइल फोन पर फोन करके चेतावनी दी कि लोग उन पर हमला करने आ रहे हैं। इसके बाद वह घर से बाहर भागे। तभी लाठी-डंडों से लैस 10-12 लोग धमके। हमलावरों ने पिता को दौड़ा-दौड़ा का पीटा। इसके बाद एक तालाब में फेंक दिया। कुछ देर बाद तालाब से निकालकर दोबारा पीटना शुरू कर दिया। आरिफ के अनुसार, इसके बाद हमलावर भाग गए। वह लोग उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरिफ का दावा है हमलावरों में एक बीएनपी नेता भी शामिल है। चंद्रगंज थाना प्रभारी इमदादुल हक ने कहा कि पुलिस को घटनास्थल पर भेज दिया गया है और वह हत्या की जांच कर रहे हैं।

अनुरा कुमार दिसनायके ने संभाली श्रीलंका की कमान, राष्ट्रपति पद की ली शपथ

कोलंबो, 23 सितंबर (एजेंसियां) ।

राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाले नेशनल पीपुल्स पावर के नेता अनुरा कुमार दिसानायके ने आज देश की बागडोर संभाल ली। उन्होंने राष्ट्रपति सचिवालय में श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। 56 वर्षीय दिसानायके के निर्वाचित होने पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स हैंडल पर उन्हें बधाई दी।

श्रीलंका के समाचार पत्र डेली न्यूज ने अनुरा कुमार दिसानायके की जीत को अपने आज के अंक में शानदार तरीके से प्रस्तुत किया है। डेली न्यूज के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा, %% अनुरा कुमार दिसानायके आपको श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत पर बधाई। भारत की पड़ोस प्रथम नीति और विजन सागर में श्रीलंका का विशेष स्थान है। मैं अपने लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए सहयोग को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद दिसानायके ने कहा कि ऐसा पहली बार है कि चुनाव के बाद हिंसा बहुत कम हुई है। अब चुनाव कराने के तरीके में बदलाव की जरूरत है। जीत का जश्न मनाने के तरीके में भी बदलाव होना चाहिए। उन्होंने कल रात चुनाव परिणाम की आधिकारिक घोषणा के बाद अपने प्रतिद्वंद्वियों की मौजूदगी में लोगों को संबोधित किया। दिसानायके ने कहा कि जीत का जश्न मनाने की संस्कृति जो हारने वाले के मन में डर पैदा करती है, उसे खत्म किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वे देश के हित के लिए अन्य दलों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। बेहतर राजनीतिक संस्कृति बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। उन्होंने कहा कि देश आर्थिक, राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में अस्थिरता का सामना कर रहा है। हम सबको इस दिशा में काम करना होगा।

निर्वाचन आयोग के अनुसार दिसानायके अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी साजिथ प्रेमदासा से लगभग 10 प्रतिशत मतों के अंतर से विजयी हुए। उन्होंने ने 22 जिलों में से 14 जिलों में जीत हासिल की। इस बार चुनाव में 38 उम्मीदवारों ने किस्मत आजमाई। मगर मुख्य मुकाबला तत्कालीन राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा और वामपंथी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच माना जा रहा था।

जयसूर्या की शानदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हराया

गाले, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका ने सोमवार को गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट मैच न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया। श्रीलंका की जीत के हीरो रहे बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या, जिन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए।

जीत के लिए 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम रचिन रवींद्र के 92 रनों की शानदार पारी के बावजूद 211 रनों पर ऑल आउट हो गई, क्योंकि उसके बाकी बल्लेबाज पिच कीर तेज टर्न और कम उछाल का सामना नहीं कर पाए। जयसूर्या (5-68) ने आठवीं बार पांच विकेट लिए, जिनमें से सात बार उन्होंने अपने पसंदीदा मैदान गाले पर लिए। न्यूजीलैंड को अंतिम दिन दो विकेट शेष रहते यादगार जीत के लिए 68 रनों की जरूरत थी, लेकिन श्रीलंका को जीत हासिल करने में केवल चार ओवर लगे।

न्यूजीलैंड की जीत की संभावना दिन के दूसरे ओवर में ही समाप्त हो गई, जब जयसूर्या ने रविंद्र की शानदार पारी का अंत किया, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल था।

जयसूर्या ने अपने अगले ओवर में विलियम ओरूर्के को बोल्ड करके श्रीलंका की जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउथी ने कहा, पूरे टेस्ट मैच में हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमारे लिए इस मैच से बहुत सारी सकारात्मक बातें हैं, लेकिन निश्चित रूप से गलत पक्ष में आना निराशाजनक है। जयसूर्या ने मैच में नौ विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला, जबकि रमेश मेंडिस ने दूसरी पारी में तीन विकेट लिए। जयसूर्या ने कहा, मुझे गॉल की यह पिच पसंद है। मैं बस एक सुसंगत लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करने पर ध्यान केंद्रित करता हूं, और परिणाम प्राप्त करता हूं।

मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंकाई टीम ने कामिंडु मेंडिस (114) के शानदार शतक और कुसल मेंडिस (50) के अर्धशतक की बदौलत अपनी पहली पारी में 305 रन बनाए। पहली पारी में न्यूजीलैंड के लिए विलियम ओरूर्के ने 5, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स ने 2-2 और कप्तान टिम साउथी ने 1 विकेट लिया। जवाब में न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में टॉम लॉथम (70), केन विलियमसन (55) और डेरिल मिचेल (57) के अर्धशतकों की बदौलत 340 रन बनाए और पहली पारी के आधार पर 35 रनों की बढ़त हासिल की। पहली पारी में श्रीलंका के लिए प्रभात जयसूर्या ने 4, रमेश मेंडिस ने 3 और कप्तान धनंजय डीसिल्वा ने 2 विकेट लिया। श्रीलंका ने इसके बाद अपनी दूसरी पारी में दिमुथ करूणारत्ने (83), दिनेश चांदीमल (61), एंजेलो मैथ्यूज (50) के अर्धशतकों की बदौलत अपनी दूसरी पारी में 309 रन बनाए और न्यूजीलैंड के सामने 275 रनों का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में कीवी टीम 211 रनों पर सिमट गई और 63 रन से मैच हार गई। दूसरा टेस्ट, गाले में ही गुरुवार से शुरू होगा।

न्यूज ब्रीफ

अश्विन से प्रभावित तमीम बोले, वह रोहित और विराट की तरह ही महत्वपूर्ण

चेन्नई। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने भारतीय टीम के स्पिनर आर अश्विन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भी कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की तरह ही एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। तमीम के अनुसार एक प्रकार से देखा जाये तो उनका योगदान भी भारतीय क्रिकेट में रोहित, विराट की तरह रहा है। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली 280 रनों की बड़ी जीत में भी अश्विन के ऑलराउंड प्रदर्शन कही अहम भूमिका रही। अश्विन ने पहली पारी में शतक के बाद दूसरी पारी में छह विकेट लिए थे। इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था। तमीम ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में भारत की पहली पारी के दौरान अश्विन एक शीर्ष बल्लेबाज की तरह खेल रहे थे। तमीम ने कहा कि उसने जो किया वह शानदार था, वह एक अच्छे बल्लेबाज की तरह बल्लेबाजी कर रहा था। मैं हमेशा विराट और रोहित के बारे में सुनता हूं पर मेरी नजर में अश्विन भी इतने ही अहम हैं। इसका पता इससे चलता है कि हम केवल तभी उनकी बात करते हैं जब वे टीम में होते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

जूनियर फुटबॉल और एमएमए में भी भारतीय खिलाड़ियों ने हासिल की जीत

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने हाल में क्रिकेट के अलावा भी दो अन्य खेलों में अहम जीत हासिल की है पर हैरानी की बात है कि उसपर अधिक ध्यान नहीं दिया गया। बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली 280 रनों की जीत के बाद क्रिकेटरों की तो खूब बातें हुईं पर फुटबॉल और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में मिली रिकार्ड जीत पर किसी का भी ध्यान इन खिलाड़ियों की ओर नहीं गया। क्रिकेट के अलावा भारतीय जूनियर फुटबॉल टीम ने भूटान में आयोजित सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप में जीत दर्ज की है। इसमें भारतीय टीम ने ग्रुप ए में बांग्लादेश को 1-0 से पराजित किया। इसमें भारतीय टीम की ओर से डिफेंडर सुमित शर्मा ने अंतिम क्षणों में सिर से गोल दागकर टीम को जीत दिलायी। इस जीत से भारतीय टीम को तीन टीमों के ग्रुप में तीन अंक मिले हैं। वहीं भारत के संग्राम सिंह ने भी जॉर्जिया (अमेरिका) में हुई इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप के मिश्रित मार्शल आर्ट (एमएमए) में भारत को पहली जीत दिलायी। संग्राम ने पाकिस्तान के अली रजा निसार को केवल 90 सेकंड में हराया। यह 93 किग्रा वर्ग में किसी पहलवान की सबसे कम समय में जीत का भारतीय रिकॉर्ड है।

नताशा से तलाक के बाद पहली बार बेटे अगस्त्य से मिलकर भावुक हुए हार्दिक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पत्नी नताशा स्टेनकोविक से तलाक के बाद पहली बार अपने बेटे अगस्त्य से मिलकर भावुक हो गये। पंड्या और नताशा के बीच पिछले दिनों अलगाव हो गया था। इनकी शादी चार चाल में ही टूट गयी थी। हार्दिक करीब डेढ़ माह बाद अपने बेटे अगस्त्य से मुंबई में मिले। इस दौरान वह बेटे को गोद में उठाये बेहद खुश दिख रहे थे। इस मुलाकात का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें हार्दिक पंड्या कार में बैठने से पहले बेटे अगस्त्य को गोद में उठाकर उनके साथ कुछ पल बिताना चाहते थे। इस दौरान वह अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं कर पाये। इस दौरान लंबे समय बाद दोनो की इस मुलाकात को देखकर प्रशंसकों को भी खुशी हुई। हार्दिक से अलग होने के बाद नताशा बेटे अगस्त्य को लेकर सर्बिया चली गई थीं पर हाल में वह मुंबई लौट आयी हैं। पंड्या आजकल अभ्यास में लगे हैं। जिससे कि वह रणजी ट्राफी खेलकर भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकें।

भारत-बांग्लादेश दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा, पिच से स्पिनरों को सहायता मिलने की संभावना

मुम्बई। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच इसी माह 27 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम पहले टेस्ट में जीत के साथ ही इस सीरीज में 1-0 से आगे है और उसका लक्ष्य इस मैच को भी जीतकर सीरीज 2-0 से अपने नाम करना रहेगा। कानपुर क्रिकेट स्टेडियम की पिच पहले दिन से ही स्पिनरों की सहायक मानी जाती है। यहां की विकेट सूखी और धूल भरी होती है, जिससे स्पिनरों को अधिक टर्न मिलती है। इस विकेट में उछाल बहुत कम है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। भारतीय क्रिकेट ने इस स्टेडियम में अब तक 38 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी है। इसमें टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 सभी शामिल हैं। सभी प्रारुपों को मिलाकर भारत ने यहां 17 मैच जीते हैं जबकि 18 में उसे हार मिली है।

यूएसएन इंडियंस ने जीता उत्तराखंड प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब

देहरादून, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

युवराज चौधरी और अखिल रावत के शानदार प्रदर्शन की बदौलत यूएसएन इंडियंस ने उत्तराखंड प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब जीत लिया है। रविवार रात राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, देहरादून में खेले गए खिताबी मुकाबले में यूएसएन इंडियंस ने नैनीताल एसजी पाइपर्स को 40 रन से हराकर खिताब पर कब्जा किया।

युवराज चौधरी को उनके शानदार 103 रन की पारी और गेंदबाजी में 2 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द फाइनल चुना गया।

नैनीताल एसजी पाइपर्स के लिए यह दो दिनों में दूसरी बड़ी निराशा थी। शनिवार को उनकी महिला टीम उपविजेता रही, और रविवार को उनकी पुरुष टीम भी खिताब नहीं जीत पाई।

204 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नैनीताल एसजी पाइपर्स की शुरुआत धमाकेदार रही। सलामी बल्लेबाज अवनीश सुधा और प्रियंशु खंडूरी ने पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाते हुए सिर्फ 4 ओवर में 51/0 का स्कोर खड़ा कर दिया।

हालांकि, यूएसएन इंडियंस के अग्रिम तिवारी ने प्रियंशु खंडूरी (12 गेंदों में 26 रन) का महत्वपूर्ण विकेट लेकर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद अवनीश सुधा भी सातवें ओवर में 33 रन (22 गेंदों में) बनाकर स्टंप आउट हो गए।

दोनों सेट बल्लेबाजों के आउट होने के बाद नैनीताल की मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर जिम्मेदारी आई, लेकिन वे दबाव में टिक नहीं पाए और लगातार विकेट गंवाते रहे। हर्ष राणा ने 16 गेंदों में 35 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन नैनीताल की टीम 17.1 ओवर में 163 रन पर सिमट गई।

यूएसएन इंडियंस की ओर से प्रशांत चौहान ने 3/35 का शानदार प्रदर्शन किया, जबकि युवराज चौधरी और अग्रिम तिवारी ने दो-दो विकेट लिए।

इससे पहले नैनीताल एसजी पाइपर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, यूएसएन इंडियंस की शुरुआत खराब रही। तीसरी ही गेंद पर उनके सलामी बल्लेबाज आरव महाजन बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कप्तान कुनाल चंदेला भी सिर्फ 5 रन बनाकर अगले ही ओवर में पवेलियन लौट गए।

शुरुआती झटकों के बाद, यूएसएन इंडियंस के स्टार बल्लेबाज युवराज चौधरी ने अपनी लय पकड़ते हुए पावरप्ले का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने मयंक मिश्रा के ओवर में दो चौके और दो छक्के लगाकर खेल की दिशा बदली।

हालांकि, युवराज को स्थिर साझेदार नहीं मिल पाया, क्योंकि दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। शशांक पंत ने 13वें ओवर तक टिककर 20 रन (22 गेंदों में) बनाए, लेकिन वे भी आउट हो गए, जिससे यूएसएन इंडियंस का स्कोर 101/5 हो गया।

खेल में नया मोड़ तब आया जब अखिल रावत क्रीज पर आए और युवराज चौधरी के साथ धमाकेदार बल्लेबाजी की। दोनों ने आखिरी पांच ओवरों में बड़े शॉट्स लगाए, जिसमें युवराज ने चार गेंदों में तीन छक्के लगाकर 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। हालांकि, शतक पूरा करने के बाद वे अगली ही गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 49 गेंदों में 103 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 11 छक्के शामिल थे।अखिल रावत ने भी युवराज से प्रेरणा लेते हुए अंत तक धमाकेदार बल्लेबाजी की और अंतिम ओवर में लगातार चार छक्के लगाकर यूएसएन इंडियंस को 203/7 के विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। उन्होंने 25 गेंदों में नाबाद 61 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 7 छक्के शामिल थे।

यूएसएन इंडियंस को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विजेता ट्रॉफी और 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की।

यूएसएन इंडियंस के खिलाड़ियों ने सभी सीजन पुरस्कार भी जीते। युवराज चौधरी को प्लेयर ऑफ द फाइनल के साथ-साथ ऑरेंज कैप से भी नवाजा गया, क्योंकि उन्होंने पांच मैचों में 322 रन बनाए। इसके साथ उन्हें 20,000 रुपये की पुरस्कार राशि भी मिली। उन्होंने प्रतिष्ठित जय हिंद ऑटो टेक इंडस्ट्रीज प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी जीता, जिसमें उन्हें 1,00,000 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

प्रशांत चौहान को पर्पल कैप और 20,000 रुपये के साथ बॉलर ऑफ द लीग का खिताब मिला, जबकि युवा ओपनर आरव महाजन को इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द लीग का पुरस्कार दिया गया, जिसमें उन्हें 20,000 रुपये की नकद राशि भी मिली।

बुन्देसलीगा: वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा बेयर लीवरकुसेन

बर्लिन, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

बेयर लीवरकुसेन रविवार को बुन्देसलीगा में वोल्फ्सबर्ग को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया। लीवरकुसेन ने शानदार शुरुआत की, लेकिन पांच मिनट बाद ही वह 1-0 से पीछे हो गया, जब डिफेंडर नॉर्डी मुकीले ने मोहम्मद अमौरा के खतरनाक हेडर को अपनी ही गोल पोस्ट में डाल दिया। हालांकि मैच के 14वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने गोल कर लीवरकुसेन को 1-1 से बराबरी दिला दी।

कुछ ही क्षणों बाद लीवरकुसेन ने वापसी की जब जोनाथन ताह ने एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो के पास पर हेडर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि, लेवरकुसेन की बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रही, क्योंकि सेबेस्टियन बोर्नौ ने 37वें मिनट में हेडर के जरिये गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मैथियास स्वानबर्ग ने 18 मीटर की दूरी से गोल कर वोल्फ्सबर्ग को हाफटाइम के पहले 3-2 की बढ़त दिला दी।

खेल पुन: शुरू होने के बाद, लेवरकुसेन के कोच ज़ाबी अलोंसो ने प्रतिक्रियास्वरूप पिएरो हिनकापी को मैदान में उतारा, जिन्होंने तुरंत प्रभाव डालते हुए दूसरे हाफ के चौथे मिनट में गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। इसके बाद अतिरिक्त समय में विक्टर बोनिफेस ने गोल कर लीवरकुसेन को 4-3 से आगे कर दिया और अंतिम हूटर बजने पर यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

हरभजन से प्रेरित थे अश्विन गेंदबाजी एक्शन की करते थे नकल

चेन्नई, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि जब वह शुरुआत में भारतीय टीम में आये थे तो दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह की नकल करते थे। इस कारण ये था कि वह हरभजन ने प्रेरित थे और उन्हीं की तरह गेंदबाजी करना चाहते थे। इसके लिए वह हरभजन के गेंदबाजी एक्शन की नकल भी करते थे। उन्होंने कहा कि जब वह हरभजन की जगह पर भारतीय टेस्ट टीम में लिए गये तो लोगों को लगा कि वह किस प्रकार उनकी जगह ले पायेंगे।

अश्विन ने कहा, मेरे लिए टीम में अपने को साबित करना बहुत बड़ी चुनौती थी। मैं जूनियर आयु वर्ग में उनके एक्शन को दोहराता था और गेंदबाजी करता था, इसलिए वे मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा थे। जब मैं उनकी जगह टीम में आया, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम दोनों एक ही समय में एक साथ खेलेंगे, लेकिन ऐसा हुआ। इस बात को लेकर हमेशा संदेह रहता था कि मैं लाल गेंद वाले क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा या नहीं, क्योंकि मैं आईपीएल से आया था।

अश्विन 750 अंतरराष्ट्रीय विकेटों का आंकड़ा हासिल करने के साथ ही मुथैया मुरलीधरन, शेन वॉर्न और अनिल कुंबले के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल चौथे स्पिनर बने हैं।उन्होंने कहा, लेकिन टेस्ट क्रिकेट एक ऐसा प्रारूप है जिसे मैं पसंद करता हूं और मैं हर दिन इसमें सुधार करना चाहता हूं। इस दौरान कई लोगों ने मेरी मदद की और मैं उसी कारण आज यहां तक पहुंचा हूं।

अश्विन के नाम अब 522 टेस्ट विकेट हैं। अश्विन ने खुलासा किया कि टेस्ट क्रिकेट में पिछले कुछ वर्षों में उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कैसे विकसित हुई है। उन्होंने कहा, मैं ऐसा नहीं सोचता कि मैं वहां जाकर शतक बनाना चाहता हूं। मैं वास्तव में हर टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने का लक्ष्य रखता हूं। लेकिन हाल के वर्षों में मेरी बल्लेबाजी पहले की तुलना में सरल हो गई है।

भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने विश्व शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीते, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

बुडापेस्ट , 23 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने यहां हुए 45वीं फीडे विश्व शतरंज ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते हैं। ये पहली बार है जबकि महिला और पुरुष दोनों ही वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों को खिताबी जीत मिली है। पुरुष वर्ग में अर्जुन एरिगासी और गुकेश डी ने भारतीय टीम को जीत दिलायी जबकि महिला वर्ग में ये कमाल दिव्या देशमुख और वन्तिका अग्रवाल ने किया।

भारत पुरुष वर्ग में अंतिम राउंड शुरू होने के पहले ही 19 अंक बनाकर चीन से 2 अंक आगे था ऐसे में अंतिम

पहले बोर्ड पर गुकेश नें 10 राउंड में 9 अंक बनाकर तो अर्जुन नें तीसरे बोर्ड पर 11 में से 10 अंक बनाकर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि भारत के ही विदित गुजराती नें चौंथे बोर्ड पर कांस्य पदक अपने नाम किया है। अंतिम दौर में चीन की अमेरिका के हाथ पराजय के कारण भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 4 मैच अंक के अंतर से खिताब पर कब्जा कर लिया।

वहीं महिला वर्ग में दिव्या देशमुख और वन्तिका अग्रवाल ने अपने शानदार प्रदर्शन से महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जिताया। दिव्या ने 11 राउंड में 9.5 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। फाइनल दौर में, उन्होंने अजरबैजान की गोवहार बी को हराकर भारत को निर्णायक बढ़त दिलाई।

वहीं वन्तिका अग्रवाल ने चौथे बोर्ड पर 9 वें दौर में 7.5 अंक बटोरकर स्वर्ण पदक जीता। फाइनल राउंड में उन्होंने अजरबैजान की खनिम बालजाएवा को हराते हुए भारत को 3-0 से बढ़त दिलाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

प्रधानमंत्री , गृहमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दी बधाई

शतरंज ओलंपियाड में खिलाड़ियों को इस एतिहासिक सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के अलावा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी इन खिलाड़ियों को बधाई दी है। साथ ही कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपनी सफलता से देश को गौरवान्वित किया है।

हरयाणवी हंटर्स ने जीता एंटरटेनर्स क्रिकेट लीग 2024 का खिताब

आकाश यादव (लखनऊ लायंस) ने ऑरेंज और कशिश पुंधीर (हरयाणवी हंटर्स) ने पर्पल कैप जीता

नई दिल्ली , 23 सितंबर (एजेंसियां)।

हरयाणवी हंटर्स ने एंटरटेनर्स क्रिकेट लीग (ईसीएल) टी10 के उद्घाटन संस्करण का खिताब जीत लिया है। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में रविवार रात खेले गए शानदार मुकाबले में हरयाणवी हंटर्स ने लखनऊ लायंस को 8 विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा किया। हरयाणवी हंटर्स के रोहित लांबा को उनके अद्वितीय ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

लखनऊ लायंस के कप्तान अनुराग द्विवेदी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन उनकी टीम को शुरुआत में ही झटके लगे। अनुराग खुद 6 गेंदों पर सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए। हरयाणवी हंटर्स के तेज गेंदबाज रोहित लांबा ने दूसरा ओवर करते हुए 3 विकेट झटके, जिससे लायंस की टीम का स्कोर 4 विकेट पर 28 रन हो गया। टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑरेंज कैप धारक आकाश यादव भी केवल 6 रन बनाकर आउट हो गए।

हालांकि, लखनऊ लायंस को अमनदीप सिंह (46 रन, 17 गेंदों पर) और आशीष कुमार मीणा (35 रन, 17 गेंदों पर) के बीच 65 रनों की तेज साझेदारी से थोड़ी स्थिरता मिली, लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए। रोहित लांबा के 3 विकेट (26 रन देकर) और अनुज चौधरी के शानदार 2 विकेट (8 रन देकर) की बदौलत हरयाणवी हंटर्स ने लखनऊ लायंस को 10 ओवरों में 131/9 पर सीमित कर दिया।

जवाब में हरयाणवी हंटर्स के कप्तान एल्विश यादव ने अपनी स्टार पावर का परिचय देते हुए धमाकेदार पारी खेली। उन्होंने सिर्फ 8 गेंदों में 30 रन ठोक दिए, जिसमें 5 शानदार छक्के शामिल थे, जिससे उन्होंने टीम के रन चेज की शुरुआत शानदार की। हालांकि, केशव चौधरी 6 रन बनाकर आउट हो गए, फिर भी हंटर्स ने 4 ओवरों में 63/2 का स्कोर बना लिया था।

ललित यादव (30*) और अनुज चौधरी (63*) की नाबाद 83 रनों की साझेदारी ने हरयाणवी हंटर्स को 7.1 ओवर में 135/2 के स्कोर तक पहुंचा दिया, जिससे उन्होंने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया और चैंपियनशिप जीत ली।

रोहित लांबा और अनुज चौधरी को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया, क्योंकि दोनों ने बल्ले और गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया। लखनऊ लायंस के आकाश यादव ने 330 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की, जबकि हरयाणवी हंटर्स के कशिश पुंधीर को 14 विकेट लेकर पर्पल कैप से नवाजा गया।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

गोयल ने ऑस्ट्रेलिया में व्यापार जगत के नेताओं और कंपनियों के सीईओ से की मुलाकात

सिडनी/नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को निवेश के अवसरों पर चर्चा करने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया की विभिन्न कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख सुपर फंड्स के साथ शानदार बैठक हुई, जिसमें हमने भारत के गतिशील विकास क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश अवसरों की खोज की। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ऑस्ट्रेलिया भारत संबंध केंद्र द्वारा आयोजित लंच राउंडटेबल में ऑस्ट्रेलियाई व्यापार जगत के नेताओं के साथ नान और नई जमीन पर चर्चा के बाद यह कही। उन्होंने बताया कि इस बैठक मेन्यू में विचारों का संगम, नवाचार की झलक और नए भारत की खुशबू और हमारी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के अवसरों के तहत द्विपक्षीय सहयोग की हार्दिक सेवा शामिल थी। उन्होंने कहा कि सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा हुई, जिससे भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने कहा कि भारत के विकास और दोनों पक्षों के बीच सहयोग के भविष्य के अवसरों पर चर्चा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया की बिजनेस काउंसिल और भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल के साथ जुड़ना बहुत अच्छा लगा। उन्होंने आगे कहा कि मुंबई से मेलबर्न तक भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक कम्पास साझा समृद्धि की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि हमने अपने व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए नए रास्ते तलाशे हैं। उन्होंने कहा कि एयरट्रंक के संस्थापक और सीईओ रॉबिन खुदा से परिचय हुआ। भारत के डिजिटलीकरण विकास और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में सहयोग की महत्वपूर्ण संभावनाओं पर चर्चा की गई।

न्यूज़ ब्रीफ

केंद्र सरकार को ईसीजीसी, एनएचपीसी और बीएचईएल से मिले लाभांश किश्त के 828 करोड़ रुपए

Bharat Heavy Electricals Limited BHEL NHPC Limited ईसीजीसी ECGC

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ईसीजीसी लिमिटेड, एनएचपीसी लिमिटेड और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने लाभांश किश्तों के रूप में कुल 828 करोड़ रुपये दिए हैं। इन तीनों कंपनियों में ईसीजीसी लिमिटेड ने 434 करोड़ रुपये, एनएचपीसी लिमिटेड 339 करोड़ रुपये और बीएचईएल ने 55 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोकसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ईसीजीसी लिमिटेड, एनएचपीसी लिमिटेड और बीएचईएल से लाभांश किश्तों के रूप में क्रमशः 434 करोड़ रुपये, 339 करोड़ रुपये और 55 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इस तरह कुल मिलाकर सरकार को लाभांश किश्तों के रूप में कुल 828 करोड़ रुपये मिले हैं। उल्लेखनीय है कि ईसीजीसी लिमिटेड भारत की एक सरकारी स्वामित्व वाली निर्यात ऋण एजेंसी है। ये कंपनी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत कार्यरत है। वहीं, एनएचपीसी लिमिटेड वर्ष 1975 में स्थापित भारत सरकार का एक सार्वजनिक उपक्रम है। इसका उद्देश्य सभी रूपों में हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर के समेकित एवं दक्ष विकास की योजना बनाना तथा पर्यावरण संतुलन को ध्यान में रखते हुए इसे विकसित और संगठित करना है। इसके अलावा भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचइएल) भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग व विनिर्माण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी है। बीएचईएल भारत में ऊर्जा संबंधी मूलभूत संरचना क्षेत्र में विशालतम इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण उद्यम है।

लीला पैलेस की मूल कंपनी ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। लीला पैलेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स का परिचालन करने वाली कंपनी श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 5,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए। यह होटल क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में दाखिल आरंभिक दस्तावेजों के अनुसार कंपनी का प्रस्तावित आईपीओ 3,000 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और प्रवर्तक प्रोजेक्ट बैलेट बैंगलोर होल्डिंग्स (डीआईएफसी) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2,000 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट द्वारा समर्थित श्लॉस बैंगलोर ने कहा कि नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने तथा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

छोटे शहरों के प्रॉपर्टी मार्केट में बूम, गुरुग्राम-नोएडा से आगे निकले रांची, देहरादून और इंदौर जैसे शहर

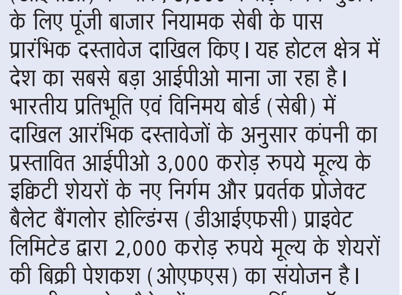

नई दिल्ली। लंबे समय तक सुस्ती का सामना करने के बाद अब छोटे शहर भी रियल एस्टेट मार्केट के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरे हैं। महानगरों और बड़े शहरों की महंगाई और भीड़ भाड़ के कारण रियल एस्टेट के खरीदारों में छोटे शहरों के प्रति रुचि बढ़ी है। इस बात की जानकारी शहरी विकास मंत्रालय की एक रिपोर्ट में दी गई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक कई छोटे शहरों में प्रॉपर्टी की कीमत नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद जैसे बड़े शहरों को भी पीछे छोड़ चुकी है। छोटे शहर में भी अब फ्लैट, प्लॉट या विला की मांग काफी बढ़ गई है, जिसके कारण इनकी कीमत दिल्ली-एनसीआर की कीमत के स्तर पर पहुंच गई है। बड़े शहरों की भीड़भाड़ और तनाव भरी जिंदगी से बचने के लिए भी लोग छोटे शहरों में रहना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस वजह से छोटे शहरों में घरों की मांग तो बढ़ी ही है, लग्जरी लाइफस्टाइल के प्रति भी लोगों में रुझान बढ़ा है। इसी वजह से रियल एस्टेट डेवलपर्स भी बड़े शहरों की तुलना में छोटे शहरों में अपना प्रोजेक्ट लॉन्च करने में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्रौद्योगिकी विकसित...

लेकिन ऐसे समय में सिर्फ प्रौद्योगिकी या प्रौद्योगिकी+लोकतंत्र का एक संतुलन बहुत जरूरी है। क्योंकि लोकतांत्रिक मूल्य और तकनीकी का मिलना मानव कल्याण की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि जब दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र तेजी से आगे बढ़ेगा, तो वैश्विक शांति और समृद्धि का भी एक आश्वासन उससे प्राप्त होता है। प्रौद्योगिकी विकसित भारत की यात्रा का एक अहम स्तंभ है। इसलिए आज हमने भारत में तकनीकी सहयोग और निवेश के लिए अभूतपूर्व संभावनाएं खड़ी की है। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत तेजी से ग्लोबल बायो-टेक पॉवर हाउस के रूप में उभर रहा है। भारत में बायो-फार्मा रिसर्च को प्रमोट करने के लिए एक उपजाऊ पारिस्थितिकी तंत्र भी है। आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की विकासयात्रा में आप सभी को मैं एक सहयात्री और सह-भागीदार के रूप में हमेशा देखता हूं। मुझे विश्वास है कि भारत और अमेरिका की टेक कंपनियां मिलकर वैश्विक चुनौतियां के समाधान में अहम रोल निभाएंगी।

उन्होंने कहा कि भारत उन पहले देशों में से एक है जिसने एआई रणनीतियों पर काम किया है। मेरे लिए एआई का मतलब है अमेरिका-भारत। यही वह शक्ति है जिसे हम मजबूत करना चाहते हैं। भारत ने प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया है, जिससे विभाजन कम हुआ है। भारत एआई के नैतिक उपयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि, जैसे रीढ़ की हड्डी के बिना शरीर किसी काम का नहीं है। वैसे ही चिप के बिना तकनीक किसी मतलब की नहीं होती। इसलिए, हम इस क्षेत्र में भी काम कर रहे हैं। मैं मानता हूं कि दुनिया में यह काम काफी पहले सक ही शुरू हो चुका है। हम इस मामले में थोड़ा देरी से शुरू कर रहे हैं। हालांकि, हमारी ताकत है कि हम जब भी शुरू करते हैं, पूरी रफ्तार से शुरू करते हैं। जैसे-5जी तकनीक में हम काफी पीछे थे, लेकिन अब हम सबसे आगे हैं। इसलिए सेमीकंडक्टर को लेकर भारत गंभीर है। हम इसमें जल्द से जल्द टारगेट पूरा करेंगे। इसके लिए हमारा मंत्र रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म है।

पीएम मोदी के...

उन्होंने हमें भारत में निर्माण, भारत में डिजाइन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। हमें अब अपने पिक्सेल फोन भारत में निर्मित करने पर गर्व है। वे वास्तव में इस बारे में सोच रहे हैं कि एआई भारत को किस तरह से बदल सकता है जिससे भारत के लोगों को लाभ हो। उन्होंने हमें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि में अनुप्रयोगों के बारे में सोचने के लिए चुनौती दी और वे भारत के बुनियादी ढांचे के बारे में भी सोच रहे हैं- चाहे वह डेटा सेंटर हो, बिजली हो, ऊर्जा हो और यह सुनिश्चित करने के लिए निवेश करना हो कि भारत बदलाव कर सके और हमें भारत के साथ साझेदारी करने पर गर्व है।

पिचाई ने बताया कि, हम भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में मजबूती से निवेश कर रहे हैं और हम और अधिक करने के लिए तत्पर हैं। हमने कई कार्यक्रम और साझेदारियां तय की हैं। उन्होंने हमेशा हम सभी को भारत के लिए और अधिक करने के लिए चुनौती दी है। अब, वह हमसे एआई के साथ भी ऐसा ही करने के लिए कह रहे हैं। उनके पास एक स्पष्ट दृष्टिकोण है, दोनों ही मामलों में एआई द्वारा बनाए जाने वाले अवसर के संदर्भ में लेकिन वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अंततः एआई भारत के लोगों को लाभ पहुंचाए और उनका एक स्पष्ट दृष्टिकोण है कि यह सब भारत के लोगों के लिए होना चाहिए। वे हमें और अधिक करने के लिए चुनौती दे रहे हैं।

वहीं एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री के साथ कई बैठकों का आनंद लिया है, जब भी मैं उनसे मिलता हूं, वे प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भारत के लिए क्षमता और अवसर, भारतीय समाज और उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में सीखना चाहते हैं, भारत दुनिया के कुछ महानतम कंप्यूटर वैज्ञानिकों का घर भी है। इसलिए यह एक बेहतरीन अवसर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी एक नया उद्योग है, एक नया विनिर्माण उद्योग जो बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए, मैं इसे संभव बनाने के लिए भारत के साथ बहुत घनिष्ठ साझेदारी करने के लिए उत्सुक हूं। यह भारत का समय है, आपको इस अवसर का लाभ उठाना होगा।

बैठक में शामिल हुए होलटेक इंटरनेशनल के सीईओ क्रिस सिंह ने कहा कि, प्रधानमंत्री ने मुझसे कहा कि वह भारत को ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र बनाना चाहते हैं, वह देश में स्वच्छ ऊर्जा को तेजी से बढ़ाना चाहते हैं और यह बैठक स्वच्छ ऊर्जा के लिए थी। मैंने उन्हें समझाया कि मौजूदा कोयला संयंत्रों को हमारे छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों में बदला जा सकता है, संयंत्र की क्षमता तीन गुना बढ़ जाएगी। प्रधानमंत्री मुद्दे को समझते हैं, चुनौतियों को समझते हैं।

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी एक्सेंचर की सीईओ जूली स्वीट ने कहा, मुझे प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर और अगले दशक के लिए उनके नेतृत्व और दृष्टिकोण के बारे में अधिक जानकर सम्मानित महसूस हुआ, मैं एक्सेंचर जैसी कई अन्य कंपनियों की भारत में अपने व्यवसाय को बढ़ाने और भारत में हमारे कर्मचारियों को दुनिया की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध होने के बारे में सुनकर भी बहुत उत्साहित रही।

वहीं एक्सपी इंक के सीईओ एनरिक लोरेस ने कहा, हम स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री द्वारा यह जानने और समझने के लिए आभारी हैं कि हमें भारत में विस्तार जारी रखने के लिए क्या चाहिए? हमने अभी घोषणा की है कि हम भारत में अपनी विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार कर रहे हैं। इसलिए हमें प्रधानमंत्री के साथ इसे साझा करने पर बहुत गर्व है।

एली लिली के सीईओ डेविड रिक्स ने कहा, हमने प्रधानमंत्री मोदी के साथ प्रौद्योगिकी की उन्नति, एआई और जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग और आर्थिक रूप से उभरती महाशक्ति के रूप में भारत के विकास के बारे में विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक शानदार बैठक की। भारत में हमारे पास पहले से ही एक बड़ा शोध-आधारित केंद्र है। हम इसे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम जो उत्पाद बनाते हैं, खासकर मोटापे, मधुमेह जैसी सामान्य स्थितियों के लिए, जिनसे बहुत से भारतीय पीड़ित हैं। हम इस बाजार में बड़े पैमाने पर लाएंगे, अन्य भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी करेंगे, भारत में उत्पादकों के साथ मिलकर काम करेंगे और भारत में लोगों को स्वस्थ जीवन जीने में मदद करेंगे, भारत के साथ काम करना एक रोमांचक क्षण है।

बायोजेन के सीईओ क्रिस विएहबैकर ने कहा, मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण है कि 21वीं सदी प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित होगी और वे स्पष्ट रूप से चाहते हैं कि भारत प्रौद्योगिकी की प्रगति में सबसे आगे और केंद्र में रहे। उन्होंने भारत में बहुत प्रतिभाशाली लोगों की ओर इशारा किया जोकि एक युवा आबादी है। हम यहां अमेरिका में जानते हैं कि भारतीय कितने शिक्षित हैं। मुझे उनकी कही गई एक बात पसंद आई कि हम चाहते हैं कि प्रौद्योगिकी समावेशी हो। इसलिए यह व्यापक आबादी के लिए है और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किसी व्यक्ति के रूप में, प्रौद्योगिकी भारतीयों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

मोदी ने क्राउन प्रिंस...

एक बयान में कहा गया कि यह श्री मोदी और कुवैत के क्राउन प्रिंस के बीच पहली बैठक थी। श्री मोदी ने कहा कि भारत कुवैत के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को अत्यधिक महत्व देता है। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मजबूत ऐतिहासिक संबंधों और लोगों के बीच संबंधों को याद किया। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि दोनों देश ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ एक-दूसरे का समर्थन कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि उन्होंने दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिये द्विपक्षीय संबंधों को गहरा और विविधतापूर्ण बनाने के लिये अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। श्री मोदी ने कुवैत में भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिये क्राउन प्रिंस को धन्यवाद दिया। दोनों देशों के नेताओं के बीच बैठक से भारत और कुवैत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है। श्री मोदी ने फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से भी मुलाकात की।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी ...

मद्रास उच्च न्यायालय के 11 जनवरी 2024 के अपने फैसले में एस हरीश नाम के एक आरोपित व्यक्ति के खिलाफ दायर एक प्राथमिकी और आरोप पत्र को खारिज कर दिया था। प्राथमिकी में आरोप था कि हरीश को अपने मोबाइल फोन पर बच्चों के शोषण से संबंधित और अपमानजनक सामग्री देखते हुए पाया गया था। मद्रास उच्च न्यायालय ने माना था कि यद्यपि यौन गतिविधि में लिप्त बच्चों को दिखाने वाले दो वीडियो आरोपी के मोबाइल फोन में डाउनलोड और संग्रहीत पाए गए थे और यह मानते हुए कि उसने वही देखा था, फिर भी यह पोक्सो की धारा 14(1) के तहत अपराध नहीं बनता। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि बिना किसी प्रसारण या प्रकाशन के बाल पोर्नोग्राफी को देखना या डाउनलोड करना आईटी अधिनियम की धारा 67 बी के दायरे में नहीं आता है।

एनजीओ जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायंस ने उच्च न्यायालय के इस फैसले की वैधता को चुनौती दी थी। उसकी ओर से उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एच एस फुल्का अदालत में खड़े थे। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता स्वरूपमा चतुर्वेदी ने हस्तक्षेप किया। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि पोक्सो की धारा 15 में तीन अलग-अलग अपराधों का प्रावधान है, जिसकी उपधारा (1), (2) या (3) के तहत निर्दिष्ट किसी विशेष इरादे से बाल यौन सामग्री के भंडारण या कब्जे में रखने को दंडनीय अपराध माना गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पुलिस और अदालतें किसी भी बाल पोर्नोग्राफ़ी के भंडारण या उसके कब्जे से जुड़े किसी भी मामले की जांच करते समय पाती हैं कि उसमें धारा 15 की कोई विशेष उप-धारा लागू नहीं होती है, तो उन्हें इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए कि पोक्सो की धारा 15 के तहत कोई अपराध नहीं बनता है। अदालत ने कहा है कि ऐसे मामले में उन्हें यह पता लगाने की कोशिश करनी चाहिए कि क्या यह मामला पोक्सो की किन्हीं अन्य उप-धारा के अंतर्गत आता है या नहीं। अपने निर्णय में पीठ ने कहा है कि यौन क्रिया के किसी भी स्पष्ट कृत्य के चित्रण में कोई विवेकशील व्यक्ति यदि प्रथम दृष्टया मानता है कि उसमें किसी बच्चे को दर्शाया गया है या उसमें कोई बच्चा शामिल है, उसे बाल पोर्नोग्राफ़ी माना जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा है कि ऐसी सामग्री के बारे में संतुष्टि फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला रिपोर्ट या संबंधित सामग्री पर किसी विशेषज्ञ की राय या न्यायालयों द्वारा स्वयं ऐसी सामग्री के मूल्यांकन से प्राप्त की जा सकती है। न्यायालय ने यह भी कहा कि आईटी अधिनियम की धारा 67बी एक व्यापक प्रावधान है, जिसे बच्चों के ऑनलाइन शोषण और दुर्व्यवहार के विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक रूपों को देखने और दंडित करने के लिए तैयार किया गया है। शीर्ष अदालत ने कहा, यह (धारा) न केवल बाल पोर्नोग्राफ़िक सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक प्रसार को दंडित करती है, बल्कि ऐसी सामग्री के निर्माण, कब्जे (अपने पास रखने), प्रचार और उपभोग के साथ-साथ ऑनलाइन यौन अपमान और बच्चों के शोषण के विभिन्न प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कृत्यों को भी दंडित करती है। पीठ ने कहा कि आईटी अधिनियम की धारा 67, 67ए और 67बी क्रमशः एक पूर्ण संहिता हैं। इन धाराओं की व्याख्या ऐसे उद्देश्यपूर्ण तरीके से की जानी चाहिए, जिससे शरारतों पर रोक लगे तथा बच्चों से संबंधित विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिये अश्लील सामग्री के उपयोग को दंडित करने के विधायी उद्देश्य और प्रावधान बेकार न हो। बाल पोर्नोग्राफ़ी शब्द के उपयोग के संबंध में अदालत ने यह महसूस किया कि इस शब्दावली का प्रयोग अपराध को गौण बना सकता है, क्योंकि पोर्नोग्राफ़ी को अक्सर वयस्कों के बीच सहमति से किया गया कार्य माना जाता है। अदालत की राय में यह शब्दावली किसी की पीड़ा की भावना को कमज़ोर करने वाली है। न्यायालय का मानना है कि पोक्सो कानून में बच्चों के साथ यौन शोषण और दुर्व्यवहार के लिए बाल पोर्नोग्राफ़ी की जगह बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री (सीएसईएएम) सही होगा।

85 हजार रुपए...

अदालत ने कहा कि पूजा आयोजकों को राज्य निधि का वितरण पूजा पंडाल स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रशंसनीय उद्देश्य के लिए हो सकता है क्योंकि यह राज्य की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। कोर्ट ने कहा कि पूजा पंडालों की स्थापना में जो धनराशि खर्च की जा रही है, हमारा विचार है कि 85,000 रुपए की राशि मुश्किल से पूजा पंडाल की स्थापना और पूरी अवधि के लिए अन्य गतिविधियों को पूरा करने की लागत को पूरा कर सकती है। इसलिए, जरूरी है कि यह देखा जाए कि धन का उपयोग कैसे किया जाता है। जिन समितियों को ऐसे धन प्राप्त हुए हैं वे राज्य के प्रति जवाबदेह हैं। याचिकाकर्ता की वकील नंदिनी मित्रा ने कहा कि यह चिंताजनक है कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रदान की गई अनुदान राशि को लेकर दुर्गा पूजा समितियां खर्च का हिसाब नहीं दे रही हैं। मित्रा ने कहा कि खर्च की रिपोर्ट जमा नहीं करने के बावजूद क्लबों को साल दर साल दुर्गा पूजा आयोजित करने के लिए धनराशि वितरित की जा रही है। राज्य के वकील ने कहा कि इस मुद्दे पर एक याचिका का निपटारा अक्टूबर 2020 में उच्च न्यायालय ने कर दिया था और अदालत के निर्देश के अनुसार सरकार द्वारा एक रिपोर्ट भी दायर की गई थी।

भारत में एमपॉक्स ...

मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में इलाज उपलब्ध है। इसके साथ ही केरल के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के हवाई अड्डों पर निगरानी बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जिन देशों में संक्रमण की सूचना मिली थी, वहां से आने वाले लोगों को निर्देश दिया गया है कि अगर उनमें कोई लक्षण हैं तो वे हवाई अड्डे पर रिपोर्ट करें।

2022 में एमपॉक्स के प्रकोप के बाद केरल ने एक मानक संचालन प्रक्रिया तय की थी। इसके अनुसार संक्रमितों को क्वारंटीन करने, सैंपल लेने और उपचार का इंतजाम किया गया। स्वास्थ्य मंत्री जॉर्ज ने प्रभावित व्यक्तियों के नमूनों को संभालने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को संक्रमण नियंत्रण सावधानियों का सख्ती से पालन करने के लिए आगाह किया। एमपॉक्स वायरस की पहचान सबसे पहले 1958 में बंदरों में हुई थी (इसलिए इसका नाम मंकीपॉक्स रखा गया)। इंसानों में पहली बार 1970 के दशक में इसका केस सामने आया था। वैसे तो ये अफ्रीकी देशों में अधिक आम था, हालांकि अब संयुक्त राज्य अमेरिका, यूके सहित कई एशियाई देशों में भी पहुंच गया है।

कांग्रेस की सभाओं ...

अमित शाह ने यमुनानगर में राम मंदिर और तीन तलाक का मुद्दा उठाया। वहीं राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अमेरिका में जाकर आरक्षण खत्म करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक मोदी जी है, भाजपा का बच्चा बच्चा है आरक्षण को हम हाथ नहीं लगाने देंगे। अमित शाह ने कहा कि पत्रकार का फोन आया कि अमित भाई क्या लगता है। मैंने कहा कि जीत तो जाएंगे, लेकिन थोड़ा ज्यादा घुमना पड़ेगा। तो उन्होंने कहा कि चिंता मत करो आप जीत रहे हो। उन्होंने कहा कि जहां एक अनार हो सो बीमार हो, वहां चुनाव नहीं जीते जाते। उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री पद है सुरज-वाला ने नए कपड़े सिलवा लिए हैं, सैलजा जी रूठ कर उत्तराखंड गई है, इसके अलावा बड़े हुड्डा और छोटे हुड्डा में भी लड़ाई चल रही है। हमारे यहां तो समय हुआ तो मनोहर जी ने कहा कि मेरा टाइम हुआ मैं निकलता हूं और युवा मुख्यमंत्री को हमने बैठा दिया, उनको ये जिम्मेदारी। उन्होंने टिकट वितरण पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले हरियाणा कि सरकार जिस जिले का मुख्यमंत्री हो वहां के लिए चलती थी, हमने पूरे हरियाणा की सरकार दी। पहले जिस जाति का मुख्यमंत्री हो उसके लिए चलती थी। हमने 36 बिरादरी का विकास करने वाली सरकार देने का काम किया। उन्होंने यमुनानगर में किए गए काम भी गिनवाए।

तिरुपति मंदिर में ...

इस बात की पुष्टि की। बताया कि यह अनुष्ठान सुबह छह बजे शुरू हुआ और सुबह 10 बजे तक चला। इसका उद्देश्य भगवान वेंकटेश्वर स्वामी को खुश करना है।

टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव ने रविवार को कहा कि ये अनुष्ठान श्रीवारी भक्तों की भलाई के साथ-साथ लड्डू प्रसादम की पवित्रता को बहाल करेंगे। आंध्र में जून में सत्ता परिवर्तन हुआ था। जिसके बाद चंद्रबाबू नायडू की पार्टी सत्ता में वापस आई है। मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद चंद्रबाबू नायडू ने मंदिर के लड्डुओं में मिलावट की आशंका जाहिर की थी। जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने सप्लाई किए गए घी के सैंपल लेकर जांच के लिए गुजरात स्थित डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की लैब सेंटर ऑफ एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइव स्टॉक एंड फूड (सीएएलएफ) भेजे थे। जिसके बाद लैब की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे हुए।

तिरुपति मंदिर में घी की...

गौरतलब है कि सोशल मीडिया के अनुसार आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के शासन काल में तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसाद में पशुओं की चर्बी मिलायी जा रही थी।

शारदीय नवरात्र : गढ़कालिका माता मंदिर में दीपमालिका की बुकिंग फुल

सिद्धपीठ गढ़कालिका माता मंदिर में शारदीय नवरात्र में दीपमालिका प्रज्वलित कराने के लिए बुकिंग फुल हो गई है। भक्तों ने महापर्व शुरू होने से एक सप्ताह पहले ही नौ दिन की बुकिंग करा ली है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, महाकाल मंदिर में महालोक बनने के बाद गढ़कालिका माता मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। बाहर से आने वाले दर्शनार्थी मंदिर में होने वाली कुमकुम पूजा और दीपमालिका प्रज्वलित कराने में रुचि ले रहे हैं।

12-12 फीट ऊंचे हैं दो दीप स्तंभ

इससे पहले दीपमालिका प्रज्वलित कराने के लिए प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी तथा उनके परिचितों को बुकिंग कराना पड़ती थी। मंदिर प्रशासक मूलचंद जाटवा ने बताया गढ़कालिका माता मंदिर में करीब 12-12 फीट ऊंचे दो दीप स्तंभ हैं। प्रत्येक दीप स्तंभ में 108 दीपक है।

दोनों दीप स्तंभ में कुल 216 दीपक हैं, इन्हें दीपमालिका कहा जाता है। नवरात्र के दिनों में संध्या आरती के समय दीपमालिका प्रज्वलित होने के बाद गढ़कालिका माता की आरती की जाती है। देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा मांगी गई मुराद पूरी होने अथवा देवी की प्रसन्नता के लिए दीपमालिका प्रज्वलित कराते हैं।

अब ज्यादा भक्त पहुंच रहे मंदिर

महाकाल महालोक बनने से पहले दीपमालिका प्रज्वलित कराने वाले भक्तों की संख्या काफी कम थी। महालोक बनने के बाद देशभर से श्रद्धालु यहां दर्शन करने आने लगे। दर्शनार्थियों को मंदिर में दीपमालिका प्रज्वलित होने की जानकारी मिली, तो बुकिंग भी तुंरत होने लगी।

इस बार नवरात्र के लिए बुकिंग एक सप्ताह पहले से ही फुल हो गई है। 5 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के जनसंपर्क आयुक्त मनीषसिंह माता के दरबार में दीपमालिका प्रज्वलित कराएंगे।

3100 रुपये का आता है खर्च

गढ़कालिका माता मंदिर में दीपमालिका प्रज्वलित कराने में करीब 3100 रुपये का खर्च आता है। प्रशासक जाटवा के अनुसार, दीपमालिका प्रज्वलित कराने के लिए 501 रुपये की शासकीय रसीद कटवाना होती है। इसके बाद 800 रुपये दीपमालिका प्रज्वलित कराने वाले का मेहनताना देना होता है।

दीपमालिका प्रज्वलित कराने में एक डब्बा तेल लगता है। पूजन के लिए नारियल, हार, मिठाई ऐसे करीब 3100 रुपये में कोई भी व्यक्ति दीपमालिका प्रज्वलित करा सकते हैं।

नहीं होती सामूहिक बुकिंग

शक्तिपीठ हरसिद्धि मंदिर में नवरात्र के नौ दिनों में सामूहिक दीपमालिका प्रज्वलित कराने की व्यवस्था है। लेकिन गढ़कालिका माता मंदिर में एक दिन में एक व्यक्ति की बुकिंग ही की जाती है। भक्त अपने जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ आदि पर भी दीपमालिका प्रज्वलित करा सकते हैं।

जापान और भारत को जोड़ता है यह मंदिर

दर्शन मात्र से बनते हैं सभी बिगड़े काम

जापान के टोक्यो के भगवान गणेश का एक ऐसा मंदिर है, जिसकी चर्चा दूर-दूर तक है। यह भारत और जापान दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह मंदिर जापान के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है, जो हजारों साल पुराना है। साथ ही बप्पा के भक्तों के लिए बहुत महत्व रखता है। इस धाम में लोग दूर-दूर से दर्शन करने के लिए आते हैं। यह मंदिर पूर्ण रूप से जापानी देवता कांगिटेन या भगवान गणेश के जापानी स्वरूप को समर्पित है।

ऐसे जापान में हुआ हिंदू मान्यताओं का विस्तार

आपको बता दें, यहां भगवान गणेश को जापान में अलग-अलग नामों से जाना जाता है, जैसे - 'कांगीटेन,' 'शोटेन,' 'गणबाची' (गणपति), या 'बिनायकतेन।' उनकी पूजा का प्रारंभिक इतिहास 8वीं-9वीं शताब्दी ईस्वी में शुरू हुआ था। यहां गणेश जी की पूजा ओडिशा में उभरे बौद्ध धर्म के तांत्रिक रूप का हिस्सा है। यह प्रथा पहले चीन पहुंची और फिर जापान तक जा पहुंची। जापान में शिंगोन बौद्ध धर्म की स्थापना एक जापानी विद्वान कुकाई ने की थी।

चढ़ती है चावल की बियर

हिंदू देवताओं और बौद्ध धर्म के बारे में गहराई से जानने के बाद कुकाई एक दशक बाद वापस लौटे, जिसके बाद उन्होंने जापान को कई हिंदू देवी-देवताओं और बौद्ध धर्म के तांत्रिक रूप का भी परिचय दिया। बता दें, लोग अच्छे भाग्य और समृद्धि के लिए इस धाम में दर्शन के दौरान चावल की बियर और मूली अर्पित करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि इस धाम दर्शन मात्र से भक्तों के सभी कष्टों का अंत हो जाता है। साथ ही बप्पा की कृपा प्राप्त होती है।

अष्टमी श्राद्ध पर दुर्लभ शिववास योग का हो रहा है निर्माण, प्राप्त होगा दोगुना फल

वैदिक पंचांग के अनुसार, 24 सितंबर को आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि है। इस शुभ तिथि पर कालाष्टमी और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी। साथ ही पितरों का तर्पण एवं पिंडदान किया जाएगा। ज्योतिषियों की मानें तो पितृ पक्ष की अष्टमी तिथिपर दुर्लभ द्विपुष्कर योग समेत कई मंगलकारी शुभ संयोग बन रहे हैं। इन योग में पितरों का तर्पण करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। साथ ही सभी प्रकार के दुखों का नाश होगा। आइए पितृ पक्ष के अष्टमी श्राद्ध पर बनने वाले शुभ योग के बारे में जानते हैं।

शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि 24 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 38 मिनट तक है। इसके बाद अष्टमी तिथि शुरू हो जाएगी। अष्टमी तिथि का समापन 25 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर होगा।

दुर्लभ द्विपुष्कर योग

पितृ पक्ष की सप्तमी तिथि पर द्विपुष्कर योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 06 बजकर 11 मिनट से हो रहा है। वहीं, समापन दोपहर 12 बजकर 38 मिनट पर हो रहा है।

शिववास योग

पितृ पक्ष की अष्टमी तिथि पर शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण 24 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 39 मिनट से हो रहा है। इस दौरान देवों के देव महादेव कैलाश पर मां गौरी के साथ विराजमान रहेंगे। शिववास के समय पितरों का तर्पण करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होगी।

करण

अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर बव और बालव करण के योग बन रहे हैं। इन योग में पितरों का तर्पण कर सकते हैं। इसके साथ ही मृगशिरा नक्षत्र और आर्द्रा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इन शुभ योग में पितरों का तर्पण करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होगी।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 06 बजकर 11 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 15 मिनट पर

चन्द्रोदय- रात 11 बजकर 02 मिनट पर

चंद्रास्त- दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 35 मिनट से 05 बजकर 23 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 13 मिनट से 03 बजकर 02 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 15 मिनट से 06 बजकर 39 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 49 मिनट से 12 बजकर 37 मिनट तक

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा बोले

बेटियां खूब पढ़ें, नौकरी करें लेकिन शादी मां-बाप की इच्छा से करें

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा दान प्रेम, ज्ञान और स्नेह का है। जैसे अन्न दान करोगे, तो अन्न आएगा। धन दान करोगे तो धन की प्राप्ति होगी और प्रेम का दान करोगे तो दूसरों से प्रेम की प्राप्ति होती है।

श्री रूद्रेश्वर महादेव संघ समिति बांसपारा कुकरेल एवं

सभी शिव भक्तों के तत्वावधान में धमतरी जिले के ग्राम पंचायत कांटाकुरींडीह में आयोजित शिव महापुराण कथा का आयोजन रहा है। इसी दौरान पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि तीन चीजें सुधारकर रखोगे तो परमात्मा से मिलने में देरी नहीं होगी। तीन चीजों में नीयत, नीति और नजर है। तीनों को सुधार लें, तो परमात्मा की प्राप्ति अवश्य हो जाएगी। जीवन धन्य हो जाएगा।

नारी शक्ति पर क्या बोले प्रदीप मिश्रा

जहां स्त्री का सम्मान, आदर और इज्जत नहीं हुआ, तो भविष्य में रामायण और महाभारत का होना तय है। रावण की नीयत बिगड़ी तो रामायण हुआ और कौरवों की नीयत बिगड़ी तो महाभारत हुआ।

आज छोटी-छोटी बच्चियों, युवतियों के साथ गलत हो रहा है। मोबाइल पर अश्लीलता देखी जा रही है. इससे गलत नीयत, नीति व नजर उत्पन्न हो रही है। बेटियों व घरों की स्त्रियों की रक्षा स्वयं को करनी होगी।

कॉलेज, स्कूल भेज रहे हो, तो बच्चियों व युवतियों को तलवार, भाला, डंडा चलाने तथा कराते सीखाकर आत्मबल दीजिए। भारत की बेटियां नौकरी करेगी। खूब पढ़ेगी और शादियां मां-बाप के इच्छा से करें।

किसी भी धर्म के दिखावे पर न जाए। लोभ में न जाए। दूसरों के चक्कर में न पड़ो और दूसरे धर्मों को न अपनाएं, इसलिए नीति, नीयत और नजर हमेशा ठीक रखें।

जीवन के लिए ये तीन चीजें खतरनाक

कथाकार पंडित प्रदीप मिश्रा ने आगे कहा कि तीन चीजें शनि, मनी और दुश्मनी जीवन के लिए बहुत ही खतरनाक होती है। कुंडली में यदि शनि आ जाए तो गड़बड़ हो जाता है। जीवन में मनी और दुश्मनी आ जाए तो भी गडबड़ हो जाता है। मन में यदि मनी आए तो जीवन को बर्बाद कर देगा।

लक्ष्मी को हमेशा तिजौरी, आलमारी और लाकर में रखे। दिल में आने न दें। पैसा जिस दिन मन में आकर बैठ जाता है, उस दिन से नींद आना बंद हो जाती है। जिंदगी नर्क हो जाती है। केवल धन ही धन सोचते हैं।

इस आरती के बिना अधूरा है जितिया व्रत, जानें पारण का सही समय

जितिया व्रत का एक हिंदू धर्म में खास महत्व है। इस दिन महिलाएं अपने बच्चों की सलामती के लिए व्रत रखती और विधिवत पूजा-पाठ करती हैं। इस दिन को जीवित्पुत्रिका व्रत के नाम से भी जाना जाता है। यह व्रत मुख्य रूप से भारत के बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में मनाया जाता है। इस बार यह व्रत 25 सितंबर को रखा जाएगा।

इस दिन की पूजा का समापन विधिवत आरती करने के बाद करना चाहिए, जिससे पूजा का पूर्ण फल प्राप्त हो सके।

जितिया व्रत पारण का समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, जितिया व्रत 25 सितंबर को रखा जाएगा। वहीं, इसका पारण अगले दिन यानी 26 सितंबर को को सुबह 4 बजकर 35 मिनट से सुबह 5 बजकर 23 मिनट के बीच किया जा सकता है।

शिव जी स्तुति

कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम्।
सदा बसन्तं हृदयारबिन्दे भबं भवानीसहितं नमामि।।

जितिया व्रत आरती

ओम जय कश्यप नन्दन, प्रभु जय अदिति नन्दन।
त्रिभुवन तिमिर निकंदन, भक्त हृदय चन्दन।। ओम जय कश्यप...
सप्त अश्वरथ राजित, एक चक्रधारी।
दु:खहारी, सुखकारी, मानस मलहारी।। ओम जय कश्यप....
सुर मुनि भूसुर वन्दित, विमल विभवशाली।
अघ-दल-दलन दिवाकर, दिव्य किरण माली।। ओम जय कश्यप...
सकल सुकर्म प्रसविता, सविता शुभकारी।
विश्व विलोचन मोचन, भव-बंधन भारी।। ओम जय कश्यप...
कमल समूह विकासक, नाशक त्रय तापा।
सेवत सहज हरत अति, मनसिज संतापा।। ओम जय कश्यप...
नेत्र व्याधि हर सुरवर, भू-पीड़ा हारी।
वृष्टि विमोचन संतत, परहित व्रतधारी।। ओम जय कश्यप...
सूर्यदेव करुणाकर, अब करुणा कीजै।
हर अज्ञान मोह सब, तत्वज्ञान दीजै।। ओम जय कश्यप...
ओम जय कश्यप नन्दन, प्रभु जय अदिति नन्दन।

कालाष्टमी के दिन करें इन चीजों का दान, बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

वैदिक पंचांग के अनुसार, 24 सितंबर को कालाष्टमी है। यह पर्व हर माह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा की जाती है। तंत्र-मंत्र सीखने वाले साधक कालाष्टमी तिथि पर काल भैरव देव की कठिन भक्ति करते हैं। धार्मिक मत है कि काल भैरव की उपासना करने से साधक को जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के कष्टों की मुक्ति मिलती है। इस शुभ अवसर पर साधक श्रद्धा भाव से काल भैरव देव की पूजा करते हैं। इसके पश्चात दान-पुण्य करते हैं। अगर आप भी काल भैरव देव की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो कालाष्टमी पर स्नान-ध्यान के बाद विधिपूर्वक काल भैरव की पूजा करें। वहीं, पूजा के पश्चात इन चीजों का दान करें।

इन चीजों का करें दान

अगर आप मानसिक तनाव से निजात पाना चाहते हैं, तो कालाष्टमी पर चावल, चीनी, नमक, दूध, दही और सफेद रंग के वस्त्र का दान करें।

अगर आप कारोबार में तरक्की और उन्नति पाना चाहते हैं, तो कालाष्टमी के दिन मटर, मूंग, धनिया और हरे रंग के वस्त्र का दान करें।

सुखों में वृद्धि के लिए कालाष्टमी तिथि पर पूजा के बाद दूध, दही, चावल, सफेद वस्त्र, मखाना, साबूदाना आदि चीजों का दान करें।

अगर आप करियर को नया आयाम देना चाहते हैं, तो आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन गेहूं, मूंगफली और लाल रंग के वस्त्र का दान करें।

कुंडली में गुरु मजबूत करने के लिए कालाष्टमी के दिन पके केले, चने की दाल, बेसन, हल्दी, पीले रंग के वस्त्र, पेड़े आदि चीजों का दान करें।

अशुभ ग्रहों से निजात पाने के लिए कालाष्टमी पर भक्ति भाव से महादेव की पूजा करें। इसके बाद काले तिल, उड़द की दाल, काले चने आदि चीजों का दान करें।

अभिनेत्री अलाया एफ को डिटॉक्स फूड बहुत पसंद

बॉलीवुड अभिनेत्री अलाया एफ ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनसे ऐसा लगता है कि वह फिलहाल डिटॉक्स डाइट पर हैं।इंस्टाग्राम पर अलाया के 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज में दो फोटो शेयर की हैं। दोनों तस्वीरों में खाने की अलग-अलग डिश देखने को मिल रही है।यह 2020 की बात है, जब पूर्व अभिनेत्री पूजा बेदी की बेटी अलाया ने पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म जवानी जानेमन से अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने एक 21 वर्षीय लड़की की भूमिका निभाई, जो 40 वर्षीय व्यक्ति को अपना पिता बताती है, जिसे शादी से नफरत है।इसके बाद उन्हें पहली बार कार्तिक आर्यन के साथ 2022 की फिल्म फ्रेडी में देखा गया था। जिसमें उन्होंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया था। जिसमें उनका पति उनके साथ मारपीट करता है।

हालांकि, कहानी में नया मोड़ आता है, जब वह कार्तिन आर्यन को अपने प्रेम में फंसाकर अपने पति की हत्या करवा देती है।2023 में, वह करण मेहता के साथ ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत में थीं।इसके बाद उन्होंने अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, मानुषी छिल्लर और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों में काम किया।अलाया, राजकुमार राव के साथ श्रीकांत में शामिल थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें अभिनेता बाबिल खान के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया था, जिससे उनके संभावित नए प्रोजेक्ट या उनके बीच रिश्ते के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं।वीडियो में अलाया ने काले रंग का स्लीवलेस टॉप पहना हुआ था और इसे मैचिंग जींस के साथ पेयर किया था।दोनों ने कैमरे के सामने अपनी मुस्कान बिखेरी।दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल को आखिरी बार वेब सीरीज द रेलवे मेन : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ भोपाल 1984 में देखा गया था।इसमें आर माधवन, केके मेनन और दिव्येंदु भी हैं। बाबिल क़ला और फ्राइडे नाइट प्लान जैसी परियोजनाओं का भी हिस्सा रहे हैं।वह अगली बार द उमेश क्रॉनिकल्स में नजऱ आएंगे।

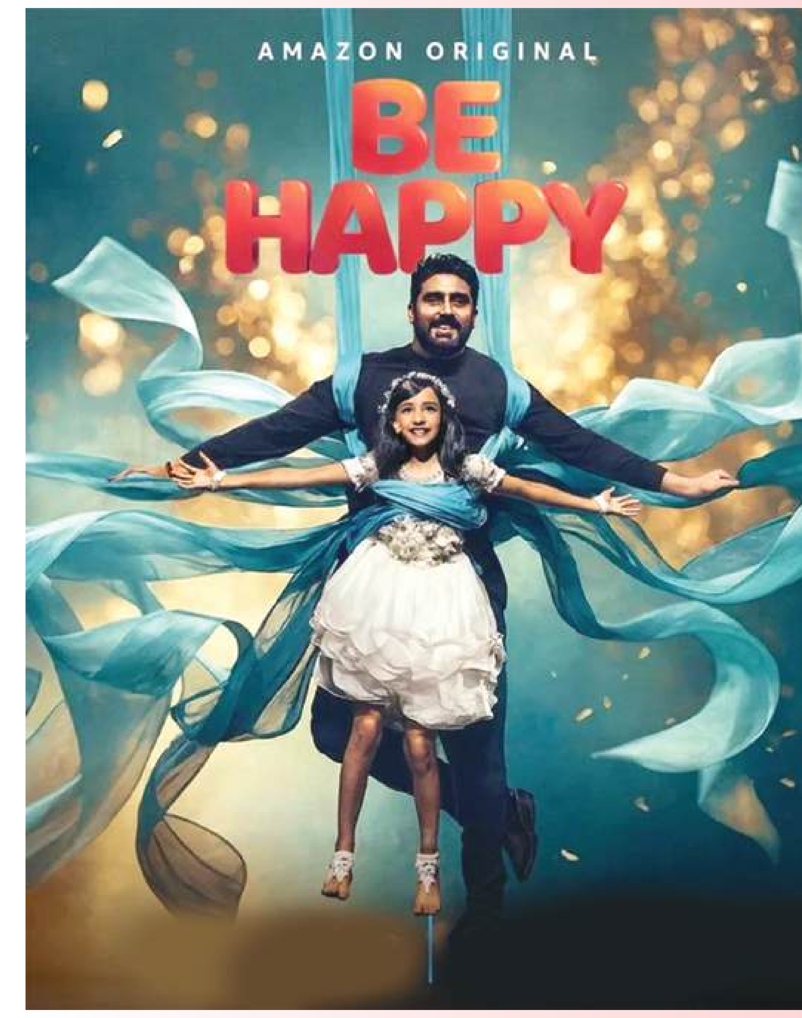

बी हैप्पी से अभिषेक बच्चन की पहली झलक जारी

सिंगल फादर बनकर बेटी की हर ख्वाहिश पूरी करेंगे अभिनेता

काफी समय से खबर आ रही थी कि अभिषेक बच्चन और रेमो डिसूजा बी हैप्पी नाम की एक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। चर्चा थी कि फिल्म में अभिषेक एक बेटी के पिता का किरदार निभाने वाले हैं।फिल्म से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आई थीं, लेकिन न तो निर्माता-निर्देशक और ना ही अभिषेक ने इसकी पुष्टि की थी।अब आखिरकार फिल्म का ऐलान हो गया है और इससे अभिषेक की पहली झलक भी सामने आ गई है।बता दें कि अभिषेक की यह फिल्म सीधे अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म में अभिषेक के साथ बाल कलाकार इनायत वर्मा नजर आएंगी, जो फिल्म के पहले पोस्टर में अभिषेक के साथ दिख रही हैं।फिल्म में अभिषेक अकेले अपने बेटी की परवरिश करते दिखेंगे, क्योंकि वह इसमें सिंगल फादर की भूमिका निभा रहे हैं।यह एक अकेले पिता और उसकी समझदार बेटी की अनूठी और दिल को छू लेने वाली यात्रा पर आधारित है।यह एक डांस ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें अभिषेक के किरदार का नाम शिव रस्तोगी होगा। वह इसमें एक ऐसे पिता बने हैं, जो अपनी बेटी की ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहता है।फिल्म की कहानी दर्शकों को खुश करने के साथ-साथ उन्हें भावुक कर देगी। एक अकेला पिता अपनी बेटी के सपने पूरे करने के लिए क्या कुछ करता है, फिल्म में उनकी इसी यात्रा को दिखाया जाएगा।इस फिल्म में अभिषेक के अलावा अभिनेत्री नोरा फतेही भी एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं, वहीं जॉनी लीवर और हरलीन सेठी भी इसमें महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखेंगे।

फिल्म के निर्देशन की कमान रेमो ने संभाली है और इसके प्रोडक्शन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है।बताया जा रहा है कि रेमो जल्द ही बाप-बेटी की एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश करने वाले हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान नहीं हुआ है।इनायत और अभिषेक दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों 2020 में आई फिल्म लूडो में साथ दिखे थे। अब 4 साल बाद अभिषेक और इनायत फिर साथ आ रहे हैं।फिल्म के पोस्टर ने दर्शकों की उत्सकुता बढ़ा दी है। दोनों एक डांस प्रस्तुति के लिए तैयार दिख रहे हैं।बता दें कि यह वही फिल्म है, जिसका नाम रेमो ने पहले डांसिंग डैड रखा था और सलमान खान फिल्म में काम करने वाले थे।

विजय एंटनी की एक्शन थ्रिलर हिटलर का ट्रेलर जारी

27 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अपनी विविधतापूर्ण फिल्मों से दक्षिण के दर्शकों को प्रभावित करने के लिए मशहूर हीरो विजय एंटनी अपनी नई फिल्म हिटलर के साथ स्क्रीन पर आने के लिए तैयार हैं। चेंडूर फिल्म इंटरनेशनल, जिसने पहले विजय राघवन का निर्माण किया था, अब अपनी सातवीं परियोजना के रूप में हिटलर का निर्माण कर रहा है, जिसके निर्माता डी.टी. राजा और डी.आर. संजय कुमार हैं।धना द्वारा निर्देशित हिटलर एक आकर्षक एक्शन थ्रिलर कहानी का वादा करती है और इस महीने की 27 तारीख को तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में एक भव्य नाट्य रिलीज के लिए तैयार है। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, निर्माताओं ने हिटलर का ट्रेलर जारी किया है और यह एक आकर्षक एक्शन ड्रामा का वादा करता है।ट्रेलर की शुरुआत एक दमदार डायलॉग से होती है, जिसमें कहा गया है कि दुनिया में सत्ता का ही असली प्रभाव होता है। इसमें विजय एंटनी को दिखाया गया है, जो पुलिस द्वारा इस चालाक अपर-ाधी की तलाश में पकड़े जाने से बचते हुए, विभिन्न भेषों में तीन लक्ष्यों को कुशलता से मार गिराता है। तीव्र एक्शन दृश्यों के अलावा, ट्रेलर में नायक और उसकी प्रेमिका रिया सुमन द्वारा निभाई गई भूमिका के बीच रोमांटिक सबप्लॉट का भी खुलासा किया गया है।ट्रेलर में फिल्म के मुख्य किरदारों की झलक दिखाई गई है। यह होनहार निर्देशक की ट्विस्ट और टर्न से भरी फिल्म होने जा रही है। नवीन कुमार ने एक्शन थ्रिलर के लिए दृश्य कैप्चर किए हैं। चरण राज एक स्वार्थी राजनीतिक नेता की भूमिका निभाते हैं, जो दशकों से राजनीतिक परिदृश्य में उलझा हुआ है। गौतम वासुदेव मेनन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते हैं।हिटलर का ट्रेलर राजनीतिक ड्रामा, एक्शन और रोमांस के मिश्रण से आकर्षित करता है। हाइलाइट्स में विजय एंटनी का सम्मोहक प्रदर्शन, उच्च उत्पादन मूल्य, एक आकर्षक बैकग्राउंड स्कोर और प्रभावशाली सिनेमैटोग्राफी शामिल हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि हिटलर विजय एंटनी के करियर में एक और विशिष्ट प्रविष्टि होगी।

3 साल से अच्छे काम के इंतजार में है अहाना कुमरा

फूटा दर्द, बोलीं- इंडस्ट्री में केवल ए ग्रेड एक्टर की मांग

टीवी और ओटीटी पर संघर्ष करने के बाद फिल्मों में काम कर चुकी एक्ट्रेस अहाना कुमरा को अब 3 साल से काम नहीं मिला है। अहाना कुमरा ने खुद इसकी जानकारी दी है। अहाना कुमरा ने बताया कि वे 3 साल से अच्छे किरदारों का इंतजार कर रही हैं। लेकिन अभी तक उन्हें कोई अच्छा रोल नहीं मिला है। इसी के चलते परेशान होकर अहाना कुमरा ने फिल्म मेकिंग पर फोकस शुरू कर दिया है। अहाना ने बताया कि बॉलीवुड में केवल ए ग्रेड एक्टर्स के पास ही अच्छा काम आता है।

2 साल पहले 2022 में आई मधुर भंडारकर की फिल्म लॉकडाउन में नजर आने वाली एक्ट्रेस अहाना कुमरा बताया कि बॉलीवुड में केवल ए ग्रेड एक्टर्स को ही लगातार काम मिलता है। अहाना ने बताया, मैं बीते 3 साल से काम के इंतजार में हूं। लेकिन अभी तक मेरे पास कोई काम नहीं आया है। कोई भी किसी तरह का काम मुझे ऑफर नहीं कर रहा है। मैं ओटीटी पर खूब काम किया करती थी। लेकिन लंबे समय से मेरे पास कोई काम नहीं है। लेकिन ये सब चलता रहता है। बॉलीवुड में लोग केवल ए ग्रेड एक्टर्स को ही लगातार काम देते हैं। या तो फिल्म मेकर्स किसी बड़े स्टार के पास जाता है या फिर बिल्कुल ही कम पैसे वाले एक्टर्स को कास्ट कर लेता है। मैं कुछ और काम करने का भी सोच रही हूं क्योंकि मुझे भी अपना घर चलाना है।

अहाना कुमरा ने साल 2009 में अपने करियर की शुरुआत की थी। टीवी सीरियल बॉलीवुड हीरो में नजर आने के बाद अहाना कुमरा ने कई शानदार प्रोजेक्ट्स में काम किया। इतना ही नहीं 2 दर्जन से ज्यादा टीवी सीरियल और ओटीटी सीरीज में दमदार किरदार निभाए हैं। अपने अब तक के करियर में अहाना कुमरा ने 39 से ज्यादा टीवी सीरियल, ओटीटी सीरीज और फिल्मों में काम कर लिया है। अहाना बताती है, मुझे भी लोगों ने गुड एक्टर का टैग दिया।

मैंने इसके लिए खूब मेहनत की और लोगों ने मेरे टैलेंट को पहचाना। लेकिन ऐसा टैग किस काम का जो काम ही न दिला पाए। गुड एक्टर का टैग लगने के बाद भी गैरेंटी नहीं है कि काम मिलता ही रहेगा।

बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग के बाद धमाड़ हुई सिद्धांत की फिल्म युध्रा

नहीं चली राघव जुयाल की विलेनगिरी

राघव जुयाल, सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन की फिल्म युध्रा ने ओपनिंग डे पर अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरे दिन इसमें बड़ी गिरावट देखी गई। शुक्रवार को फिल्म ने जहां 4 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किए, वहीं शनिवार को इसके कलेक्शन का ग्राफ गिर गया।शुक्रवार को युध्रा को नेशनल सिनेमा डे का फायदा मिला, क्योंकि इस दिन देश के सभी सिनेमाघरों में सभी फिल्म के टिकट 99 रुपये थे। इससे फिल्म के कलेक्शन में इजाफा देखने को मिला। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, युध्रा ने पहले दिन 4।50 करोड़ रुपये कमाए। जबकि दूसरे दिन, इसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1.50 करोड़ की कमाई की। दो दिनों के बाद फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ रुपये कमाए हैं। शनिवार को युध्रा की हिंदी ऑक्यूपेंसी कुल 11.40 प्रतिशत रही।फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका लीड रोल में नजर आए हैं। सिद्धांत की यह पहली सोलो फिल्म है। वहीं, कोरियोग्राफर-एक्टर राघव जुयाल फिल्म में विलेन का किरदार निभाते दिखें। दर्शकों ने राघव के विलेन अवतार को काफी सराहा है। इनके अलावा फिल्म में गजराज राव, राम कपूर और राज अर्जुन भी हैं। एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है।

फिल्म में सिद्धांत ने एक किरदार को प्ले किया है, जिसे गुस्सा बहुत आता है। सिद्धांत का किरदार फिरोज और उसके बेटे शफीक के ड्रग सिंडिकेट का नामों निशान खत्म करने के लिए अंडरकवर में शामिल हो जाता है। फिल्म में मालविका मोहनन भी निखत और राघव जुयाल विलेन शफीक की भूमिका में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फँसने से सावधान रहें। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घुमने को जा सकते हैं। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका पैसा तभी आपके काम आएगा जब आप उसको संचित करेंगे यह बात भली भांति जान लें नहीं तो आपको आने वाले समय में पछताना पड़ेगा। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। प्रभावशाली लोगों से संपर्क करना आपके लिए अच्छे परिणाम लाएगा। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

मानसिक तौर पर आप स्थिर महसूस नहीं करेंगे- इसलिए इस बात का ख़याल रखें कि दूसरों के सामने आप कैसे बर्ताव करते और बोलते हैं। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं- लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे । आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। नौकरी-पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। लंबित परियोजनाएं पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सिर्फ़ सकारात्मक विचारों के ज़रिए इन समस्याओं से निजात पायी जा सकती है। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन-देन के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। कार्यक्षेत्र में दिल लगाने से बचें नहीं तो आपकी बदनामी हो सकती है। यदि आप किसी से जुड़ना भी चाहते हैं तो ऑफिस से दूरी बनाकर ही उनसे बात करें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मानसिक शान्ति के लिए किसी दान-पुण्य के काम में सहभागिता करें। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। गर्लफ्रेण्ड/बॉयफ्रेण्ड से धोखा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएं, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएं। आपका जीवनसाथी रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा करने से अपने हाथ पीछे खींच सकता है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 24 सितंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 12:41 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 09:54 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 01:25 तक
करण : बव दोपहर 12:41 तक
चन्द्रराशि : वृषभ प्रातः 09:55 तक
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:10 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:14 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:01 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सप्तमी श्राद्ध , कालाष्टमी

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में विपक्ष जनता को गुमराह करने में लगा है : सैनी

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नायब सिंह सैनी ने सोमवार को अपनी पार्टी के प्रति राज्य के मतदाताओं की नाराजगी की बात को विपक्ष की मनगढंत कहनी बताते हुए खारिज कर दिया।

श्री सैनी ने कहा कि उनकी पार्टी ने राज्य में पिछले दस साल में बिना भेदभाव के सबके हित में काम किया है और कुछ अधूरे काम पूरे किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने हरियाणा विधान सभा चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियों के जोरदार प्रचार अभियान के बीच एक टीवी चैनल के परिचर्चा कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि सरकारी भर्तियों में आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

सत्ता विरोधी लहर और भाजपा की पांच लोकसभा सीटों की हार पर चैनल की ओर से पूछे गए सवाल पर श्री सैनी ने भाजपा के प्रति राज्य की जनता में असंतोष के किसी भी दावे को खारिज करते हुए इसे मनगढ़ंत कहानी कहा। उन्होंने कांग्रेस पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा, उन्होंने (कांग्रेस ने) दो साल पहले यह झूठी स्क्रिप्ट लिखी और इसे हिमाचल प्रदेश में लागू किया, लेकिन नौकरी देने से लेकर नकदी बांटने तक के उनके वादे अधूरे हैं। श्री सैनी ने हरियाणा में भाजपा की संभावनाओं के बारे में सवालों के जवाब देते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में, राज्य ने बिना किसी भेदभाव के महत्वपूर्ण प्रगति देखी है। उन्होंने कहा, लोग समझते हैं कि हमारे इरादे नेक हैं। कुछ मामलों में, काम अभी भी लंबित है, लेकिन हम उन्हें जल्द ही हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर खास कर आरक्षण के मुद्दे पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वे झूठ फैलाते हैं कि अगर मोदी सरकार फिर से चुनी गई तो संविधान और आरक्षण खत्म कर दिए जाएंगे। उल्टे, राहुल गांधी जैसे कांग्रेस नेताओं ने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान कहा था कि अगर वे सत्ता में वापस आए तो आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। पहलवान विनेश फोगट विवाद पर मुख्यमंत्री सैनी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने महिला पहलवान विनेश को सम्मानित करने के लिए एक तारीख तय की थी, लेकिन चुनाव की आचार संहिता के कारण इसमें देरी हुई। सुश्री फोगट कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रही है। उन्होंने हाल में कहा था कि उन्हें हरियाणा सरकार से कोई समर्थन नहीं मिला। मुख्यमंत्री सैनी ने राजनीतिक लाभ के लिए एथलीटों का उपयोग करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।

कांग्रेस में खींचतान नहीं : पवन खेड़ा

चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस के मीडिया कम्युनिकेशन विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सोमवार को ज़ोरदार खंडन किया कि कांग्रेस अंदरूनी खींचतान का शिकार है। श्री खेड़ा चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। पत्रकारों के सवालों के जवाब में श्री खेड़ा ने स्वीकार किया कि कुछ लोगों को नाराजगी हो सकती है। किसी भी परिवार में इस प्रकार की गलत फैहमियां पैदा हो जाना एक साधारण बात है और इन चुनावों के लिये पार्टी एकजुट है। उनसे जब कुमारी सैलजा की नाराज़गी को लेकर सवाल पूछा गया तो उनका कहना था कि कुमारी सैलजा स्वयं इस बात को खारिज कर चुकी हैं जबकि भाजपा अपने सियासी लाभ के लिये इस मुद्दे को उछाल रही है।

उन्होंने कहा कि आज हर कोई जानता है कि किस प्रकार अपने वरिष्ठ नेताओं का भाजपा ने अपमान किया है। उनसे पूछा गया कि भाजपा सैलजा प्रकरण को दलितों के अपमान के तौर पर पेश कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि अगर दलितों को सबसे ज्यादा अत्याचारों का सामना करना पड़ा है तो वह भाजपा के शासन काल में सहना पड़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आज तक केवल एक दलित को अध्यक्ष बनाया है और उसे भी अपमानजनक स्थिति में बाहर का रास्ता दिखा दिया गया जबकि कांग्रेस ने पार्टी के चार-चार दलित अध्यक्ष बनाये हैं। आरक्षण को लेकर भाजपा द्वारा फैलाये जा रहे दुष्प्रचार पर श्री खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस न कभी आरक्षण के खिलाफ़ थी और न कभी होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता राहुल गांधी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि देश में जब तक असमानता रहेगी तब तक आरक्षण रहेगा।

राजनाथ ने जयपुर में नए सैनिक स्कूल का उद्घाटन किया

नई दिल्ली/जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को राजस्थान की राजधानी जयपुर में सैनिक स्कूल का औपचारिक उद्घाटन किया।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि मंत्रालय ने राज्य सरकारों, गैर सरकारी संगठनों और निजी स्कूलों के साथ सहयोग से इन 100 स्कूलों में से 45 को मंजूरी दे दी है और इनमें से चालीस स्कूलों का संचालन शुरू हो गया है। सैनिक स्कूल जयपुर इन 40 स्कूलों में से एक है। रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि यह स्कूल राज्य के देशभक्त युवाओं के लिए वरदान साबित होगा क्योंकि उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होने और राष्ट्र की सेवा करने के लिए उचित मार्गदर्शन तथा आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा, राजस्थान महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान, महाराज सूरजमल और सवाई जय सिंह जैसे शूरवीरों की भूमि है। ये युवा पीढ़ी के लिए सेना में शामिल होने के लिए प्रेरणा हैं। यह नया सैनिक स्कूल उन्हें अपनी मातृभूमि की सेवा करने की दिशा प्रदान करेगा।

श्री सिंह ने कहा कि पीपीपी-मॉडल को आम तौर पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी के रूप में माना जाता है, लेकिन यह सहयोग अब अपनी मानक परिभाषा से दूर जा रहा है, और अब इसे निजी-सार्वजनिक-साझेदारी के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा निजी क्षेत्र अब देश की अर्थव्यवस्था के चालक की सीट पर है, जो कृषि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इन नए सैनिक स्कूलों के माध्यम से, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र एक साथ आएंगे और हमारी भावी पीढ़ियों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करेंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी सैनिक स्कूल, रीवा के प्रतिभाशाली छात्र हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ सशस्त्र बल ही नहीं, सैनिक स्कूलों के छात्र कोई अन्य करियर चुन सकते हैं और अपने तरीके से देश की सेवा कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे कभी हार न मानें और अपने इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहें।साझेदारी मोड में चलाए जाने वाले 100 नए सैनिक स्कूल मौजूदा 33 सैनिक स्कूलों से अलग हैं जो पहले से ही पूर्ववर्ती पैटर्न के तहत काम कर रहे हैं। ये नए स्कूल, संबंधित शिक्षा बोर्डों से संबद्धता के अलावा, सैनिक स्कूल सोसायटी के तत्वावधान में कार्य करेंगे और इसके नियमों और विनियमों का पालन करेंगे। वे अपने नियमित संबद्ध बोर्ड पाठ्यक्रम के अलावा, सैनिक स्कूल पैटर्न के छात्रों को अकादमिक प्लस पाठ्यक्रम की शिक्षा प्रदान करेंगे। इस पाठ्यक्रम में लैंगिक समानता और पर्यावरण संरक्षण, कौशल-आधारित प्रशिक्षण, पाठ्येतर गतिविधियाँ, सामुदायिक सेवा, शारीरिक प्रशिक्षण, एनसीसी, पर्यटन और भ्रमण और प्रेरक वार्ता जैसी मूल्य-आधारित पहल शामिल हैं। अकादमिक प्लस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करना है ताकि उन्हें राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने वाला सदस्य बनाया जा सके। सैनिक स्कूल सोसायटी, रक्षा मंत्रालय ने पिछले वर्ष सितंबर में भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल, जयपुर में नए सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (सेवानिवृत्त) सैनिक स्कूल, जयपुर के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में से थे।

कुमारी सैलजा नरवाना में 26 सितंबर को करेंगी प्रचार: सुरजेवाला

चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में सिरसा की सांसद के पार्टी से नाराज होने और चुनावी प्रचार से दूर रहने की अटकलों के बीच रणदीप सुरजेवाला ने सोमवार को बताया कि कुमारी सैलजा 26 सितंबर को नरवाना में कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगी।

श्री सुरजेवाला ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा है, सांसद एवं बड़ी बहन कुमारी सैलजा नरवाना में 26 सितंबर को दोपहर 12 बजे जनसभा को संबोधित करेंगी और कांग्रेस के लिये प्रचार करेंगी। उधर, कांग्रेस ने सैलजा का एक निजी टीवी चैनल के एक कार्यक्रम का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें सिरसा की सांसद कह रही हैं कि सैलजा की रगों में कांग्रेस का खून है, जैसे मेरे पिता जी कांग्रेस के तिरंगे में लिपटकर गये थे, सैलजा भी वैसे ही जायेगी। केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के कुमारी सैलजा को भाजपा में आमंत्रित करने के बाद कांग्रेस में कुमारी सैलजा को मनाने की कोशिशें तेज हो गयी हैं। कुमारी सैलजा टिकट बंटवारे के समय से ही नाराज बतायी जाती हैं।

मेनिफेस्टो हमने कॉपी नहीं किया बल्कि कांग्रेस ने चुरा लिया है : अनिल विज

अंबाला/चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने सोमवार को कांग्रेस के लगाए गए मेनिफेस्टो चोरी के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि 10 साल हमारा राज रहा है और कांग्रेस के कई नेता हमारे दरबार में, हमारी सरकार के दरबार में आया करते थे और हो सकता है किसी ने सुन लिया हो हमने कॉपी नहीं की बल्कि कांग्रेस ने हमारा मेनिफेस्टो चोरी किया है।

श्री विज का रविवार अंबाला के गरनाला गांव में किसानों ने रास्ता रोका और विरोध किया, के संबंध में उन्होंने पत्रकारों से कहा, कल गरनाला में मेरा प्रोग्राम था जिसकी बाकायदा हमने चुनाव आयोग से मंजूरी ली हुई थी और कांग्रेस का वर्कर और कांग्रेस का सरपंच तथा आसपास के दो गांव के और लोग भी थे। जिन्हें मैं एक-एक को जानता हूं और उनकी सभी की वीडियो भी बनाई गई है और उनकी पहचान भी की गई है। यह भेष बदलकर गुंडागर्दी पर उतर आए हैं क्योंकि कांग्रेस ने अपनी हार मान ली। गुंडागर्दी से कांग्रेस का पुराना नाता रहा है पहले भी इस शहर ने गुंडागर्दी अच्छी से इनकी देखी है तब भी लोगों की संपत्तियों को इन्होंने कब्जा किया है। यह पूरी तरह से हार चुके हैं और घबराए आदमी इसी तरह की हरकतें करता है।कांग्रेस द्वारा नौकरियों बांटने के संबंध में दिए गए बयान के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का कल्चर है लोगों ने पहले भी देखा हुआ है यह नौकरियां और तबादलों की मंडियां लगाते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कांग्रेस के नेता का वक्तव्य देखा है जिसमें वह कह रहे हैं कि बिना बदमाशी के और बिना स्कैम के राज चल नहीं सकता। यह तो लोगों ने निर्णय लेना है कि लोगों को स्कैम करने वाले चाहिए या देश को आगे बढ़ाने वाले चाहिए।

श्री विज ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, वर्ष 1984 में भी जब सिखों का सारे देश में कत्लेआम हुआ। तब राहुल गांधी के पिताजी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी उसको ठीक ठहराया। उन्होंने कहा था जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने बाप का ही बेटा है तो वह वही बातें करेगा जो उसके बाप ने की थी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा सरकार बनाने को लेकर दिए गए बयान के संबंध में उन्होंने कहा, एक ही पार्टी, एक ही नेता, जो गांधी परिवार का गुलाम है, एक प्रदेश में एक बात है तो दूसरे प्रदेश में दूसरी बात है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है और वह कह रहे हैं कि हम यहां पर नशा उगाएंगे और उसको बेचेंगे। इस पार्टी के नेता यहां चुनाव से पहले कहते हैं कि हम राज्य को नशा मुक्त बनाएंगे। यह कांग्रेस का दोहरा हथियार है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर उन्होंने कहा कि मुझे जनता का भरपूर समर्थन और सहयोग मिल रहा है। अंबाला में कांग्रेस सारी सीटें हार रही है क्योंकि वह (अध्यक्ष) यहां पर आना नहीं चाहते हैं, इस कारण से उन्होंने रिपोर्ट लेकर इस कार्यक्रम को रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक पार्टी नहीं है यह विभिन्न धड़ों का समूह है। यह सारे हरियाणा में एक दूसरे को काटने में लगे हुए हैं।

जहां भारतवंशी गए, वहां का विकास किया : बागड़े

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि जहां भारतवंशी गए हैं, उस देश के विकास में अपना योगदान दिया है।

श्री बागड़े सोमवार को राजभवन से कनाडा में आयोजित 'विदेश में भारतवंशी संस्कृति' विषयक वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतवंशियों ने अपनी परंपरागत विशेषताओं को स्थानीय सांस्कृतिक धारा में सम्मिलित करके विदेशी राष्ट्रों को समृद्ध किया है। श्री बागड़े ने कहा कि भारतवंशी जहां जहां बसे हैं, वहां के राष्ट्रीय एवं सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने राजस्थान के उन लोगों को भी स्मरण किया जिन्होंने विदेशों में जाकर राज्य एवं देश का नाम रौशन किया है।

उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गुरूजी का स्मरण करते हुए कहा कि वह कहा करते थे, यह संपूर्ण विश्व मेरा घर है। उन्होंने कहा कि गुरूजी यह बात इसीलिए कहते थे कि भारवंशी कहीं भी जाते हैं तो उस देश को अपना घर मानकर वहां के विकास के लिए कार्य करते हैं। श्री बागड़े ने भारतीय ज्ञान परम्-परा की चर्चा करते हुए कहा कि आचार्य कणाद ने सबसे पहले परमाणु संरचना पर विश्वभर में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शून्य एवं दशमलव की खोज भारत में ही हुई। इस खोज ने ही विश्वभर में गणितीय जटिलताओं को खत्म किया। उन्होंने जगदीशचन्द्र बसु द्वारा माइक्रोवेव, बायोफिजिक्स और प्लांट न्यूरोबायोलॉजी के प्रवर्तक रहने और आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे द्वारा हिंदू रसायन विज्ञान के इतिहास आदि की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय विज्ञान आरंभ से ही समृद्ध रहा है।

जैसलमेर में ईटीएफ एक घंटे में पांच लाख 19 हजार पौधे लगाकर बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

जैसलमेर, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के जैसलमेर में एक पेड़ मां के नाम थीम पर प्रादेशिक सेना की 128वीं पैदल वाहिनी (ईटीएफ) के तत्वावधान में एक घण्टे में पांच लाख 19 हजार पौधे लगा कर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड दर्ज किया गया।

जिला प्रशासन, सेना, सीमा सुरक्षा बल, वायुसेना, पंचायत, वन विभाग एवं नगरपरिषद के सहयोग ये यह अभियान सात अलग-अलग स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया जो सामुदायिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट प्रयास को दर्शाता है। यह अभियान मुख्य कार्यक्रम जैसलमेर मिल्ट्री स्टेशन एवं न्यू लिंक रोड रानीसर सहित अन्य चार स्थानों पर आयोजित हुआ है। इस अभियान में बैटल एक्स डिवीजन के मेजर जनरल एच एस बजाज, मैजर जनरल एस.एस.पाटिल, एडीजी बटालियन योगेंद्र सिंह राठौड़ जिला कलेक्टर प्रताप सिंह नाथावत, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, सांसद, जैसलमेर विधायक छोटू सिंह, शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी सहित बड़ी संख्या अधिकारी, जवान एवं सैकड़ों की संख्या में आमजन ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ।

प्रोजेक्ट एवं प्रशासनिक अधिकारी राणीसर प्लांटेशन साईट मैजर अनंत कुमार सिंह ने बताया कि प्रादेशिक सेना की 128वीं पैदल वाहिनी (ईटीएफ) के तत्वावधान में विशेष पौधारोपण अभियान के तहत रविवार को एक घंटे में कुल पांच लाख 19 हजार 310 पौधे लगाकर वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि इसमें मिल्ट्री स्टेशन क्षेत्र में दो लाख 57 हजार 820, न्यू लिंक रोड़ राणीसर जैसलमेर में 01 लाख 70 हजार एवं देगराय माता मंदिर सांवता, हियागजी का मंदिर श्रीमोहनगढ़, वीरश्री सोढ़ा जी का मंदिर सलखा, सतीमाता मंदिर हमीरा व घोटारु साईट पर 91 हजार 490 पौधे लगाये गये। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड लन्दन द्वारा ईटीएफ को इस वर्ल्ड रिकार्ड के लिए प्रोविजनल सर्टिफिकेट भी प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व असम सरकार के वन विभाग द्वारा 03 लाख 31 हजार पौधे 01 घंटे में लगाकर वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज किया था। बाद में एक घण्टे में पांच लाख से ज्यादा पेड़ लगाने का रिकार्ड बनने पर प्रावधिक वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन द्वारा मान्यता दी गई है।

सीतामढ़ी ट्रैफिक पुलिस पर रिश्वतखोरी का आरोप

पोस्टमास्टर ने घूस लेने का वीडियो बनाकर खोला राज

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी जिले के कारगिल चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों पर जुर्माने के नाम पर अवैध वसूली करने का गंभीर आरोप सामने आया है। मेजरगंज के पोस्टमास्टर उपेंद्र कुमार सिंह ने एक ट्रैफिक पुलिस अधिकारी पर रिश्वत लेने का आरोप लगाते हुए इसका वीडियो भी बनाया है। यह घटना तब हुई जब उपेंद्र कुमार एक निजी काम से शहर के कारगिल चौक पर आए थे और वाहन जांच के दौरान उनकी गाड़ी को रोककर जुर्माने की मांग की गई।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार के दिन पोस्टमास्टर उपेंद्र कुमार अपनी गाड़ी के साथ कारगिल चौक पहुंचे थे। जब एक पुलिस अधिकारी अजीत कुमार ने उनकी गाड़ी को रोककर जांच शुरू की। गाड़ी से संबंधित कागजात दिखाने के बावजूद पुलिसकर्मी ने उनकी गाड़ी का प्रदूषण प्रमाणपत्र (पॉल्यूशन) फेल होने का हवाला देकर 11 हजार रुपये का जुर्माना लगाने की धमकी दी।

पोस्टमास्टर ने पुलिस अधिकारी से उचित चालान काटने की बात की, लेकिन पुलिसकर्मी ने उनसे दो हजार रुपये की रिश्वत मांगी। इस दौरान उपेंद्र कुमार ने पुलिसकर्मी को रिश्वत की रकम दी और चुपके से इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

तकरार के बीच, पुलिस अधिकारी ने उपेंद्र से कहा कि प्रदूषण प्रमाणपत्र फेल होने के कारण 11 हजार रुपये का जुर्माना लगेगा और अगर बहस करेंगे तो यह 15 हजार रुपये तक बढ़ जाएगा।

जब उपेंद्र कुमार ने पोस्टमास्टर होने की बात कही तो पुलिसकर्मी ने जुर्माना कम करने का प्रस्ताव दिया और पांच हजार रुपये में मामला रफा-दफा करने की बात कही।

वहीं, पुलिसकर्मी ने उपेंद्र को गाड़ी थाने ले जाने और केस दर्ज करने की धमकी भी दी। परेशान पोस्टमास्टर ने पहले 500 रुपये देने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मी ने मना कर दो हजार रुपये की मांग की। आखिर में उपेंद्र कुमार ने दो हजार रुपये देकर मामले को खत्म किया और पुलिसकर्मी का रिश्वत लेने का वीडियो बना लिया।

इस मामले की शिकायत उपेंद्र कुमार ने संबंधित अधिकारियों से की है। ट्रैफिक डीएसपी दीपक कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है और जांच की जा रही है। अगर आरोप सही पाए गए तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, इस घटना के बाद शहर में अवैध वसूली के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। लोगों का कहना है कि पुलिस के ऐसे भ्रष्टाचार से आम जनता का विश्वास टूटता जा रहा है और प्रशासन से दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बेगूसराय को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित करने की मांग

केंद्रीय मंत्री ने किसानों के लिए मुआवजा भी मांगा

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय जिले में बाढ़ का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे मटिहानी विधानसभा क्षेत्र समेत कई इलाके प्रभावित हो रहे हैं। बाढ़ के चलते लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं और कई घर गंगा में समा गए हैं। इस संकट के मद्देनजर बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक प्रेस वार्ता आयोजित की। उसमें उन्होंने बिहार सरकार और जिला प्रशासन से मांग की कि बेगूसराय को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित किया जाए।

गिरिराज सिंह ने कहा कि बाढ़ के कारण लगभग एक लाख हेक्टेयर जमीन प्रभावित हो चुकी है और लोगों के बीच डर का माहौल है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन इलाकों में बांधों में रिसाव हो रहा है, उसे तुरंत ठीक किया जाए, क्योंकि अगर समय रहते बांधों की मरम्मत नहीं की गई तो पूरा बेगूसराय बाढ़ की चपेट में आ सकता है। उन्होंने बेगूसराय में डेढ़ लाख हेक्टेयर उपजाऊ भूमि के प्रभावित होने का हवाला देते हुए किसानों के लिए मुआवजे की मांग भी की, ताकि उनकी फसलों का नुकसान कम किया जा सके।

मटिहानी विधायक राजकुमार सिंह ने भी क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण कई घर गंगा में समा गए हैं। उन्होंने रिंग बांध बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर सही समय पर रिंग बांध का निर्माण हो जाता, तो इलाके के लोग बाढ़ से सुरक्षित रहते। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ राहत कार्यों की सराहना की, लेकिन राज्य सरकार से दीर्घकालिक समाधान की मांग की।

वहीं, सांसद गिरिराज सिंह ने बाढ़ पीड़ितों के लिए अधिक राहत और सहायता की मांग की। साथ ही यह आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को सरकार के समक्ष उठाएंगे, ताकि बेगूसराय जिले को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित कर आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके।

सीएम के शिलान्यास कार्यक्रम में भड़के माले विधायक

नीतीश कुमार दलितों-पिछड़ों से करते हैं भेदभाव

जहानाबाद (एजेंसियां)।

जहानाबाद जिले के कल्पा पंचायत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम पर माले विधायक रामबली सिंह यादव ने गंभीर आरोप लगाए हैं। घोसी विधानसभा के माले विधायक रामबली सिंह यादव ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को जनता के पैसों का दुरुपयोग बताया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान दलित, महादलित और अति पिछड़ा समुदाय के लोगों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया गया।

विधायक यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में दलित और महादलित परिवारों के लोग चिलचिलाती धूप में अपनी समस्याएं सुनाने के लिए पहुंचे थे।

लेकिन उन्हें नजरअंदाज किया गया और यहां तक कि उन्हें उनके घरों में बंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने उनकी ओर देखना भी मुनासिब नहीं समझा।

विधायक रामबली सिंह यादव ने आरोप लगाया कि जब वह पीने के पानी की समस्या के लिए मुख्यमंत्री को दस सूत्री मांग पत्र सौंपने पहुंचे, तो उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। मुख्यमंत्री के अंगरक्षकों द्वारा उन्हें धक्का देकर बाहर कर दिया गया। विधायक ने कहा कि घोसी के कई गांवों में पीने के पानी की किल्लत है और वह इस समस्या को मुख्यमंत्री के सामने रखना चाहते थे, लेकिन उनकी आवाज दबा दी गई।

विधायक ने मुख्यमंत्री पर दलित, महादलित और अति पिछड़ा समुदाय के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार केवल दिखावे के लिए इन वर्गों की बात करते हैं, जबकि हकीकत में उनके साथ छुआछूत का व्यवहार किया जाता है। विधायक ने कहा कि इस तरह का व्यवहार निंदनीय है और जनता इसका बदला आने वाले दिनों में लेगी।

विधायक रामबली सिंह यादव ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का दलितों और महादलितों के प्रति व्यवहार बेहद निराशाजनक है। उनकी सुरक्षा में लगे लोगों ने मुझसे और आम जनता से जिस तरह का दुर्व्यवहार किया, वह अस्वीकार्य है।

जदयू सांसद बोले- हमने कभी हारना नहीं सीखा

तेजस्वी यादव में बताई नैतिकता की कमी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी के सांसद और तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व एमएलसी देवेश चंद्र ठाकुर ने उपचुनाव के मद्देनजर जदयू प्रत्याशी अभिषेक झा के समर्थन में जनसंपर्क अभियान के दौरान बड़ा बयान दिया।

उन्होंने दावा किया कि वे कभी हारने वालों में से नहीं हैं, और कोई भी उनके प्रत्याशी को हरा नहीं सकता। देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा कि हम काम और ईमानदारी के बल पर जीतते आए हैं और आगे भी जीत का सिलसिला जारी रहेगा।

जदयू सांसद ने देवेश चंद्र ठाकुर ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर सवाल उठाने

से पहले अपने 15 वर्षों के 'जंगलराज' के कार्यकाल को देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव में नैतिकता का अभाव है और उन्हें विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। वे ऐसे दौर का प्रतिनिधित्व करते हैं, जब बिहार में बेरोजगारी और अपहरण चरम पर थे।

उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का शिक्षा और जनहित के मुद्दों पर बोलना शोभा नहीं देता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में बेरोजगारी, अपहरण और अराजकता का दौर देखा है, फिर भी आज वे विकास और रोजगार पर सवाल उठा रहे हैं।

सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने जदयू सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बिहार में उनकी सरकार ने तीन साल में पांच लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया है। उन्होंने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग हमारे काम पर सवाल उठाते हैं, उन्हें पहले अपने कार्यकाल की ओर देखना चाहिए। हमारी सरकार ने विकास और रोजगार के क्षेत्र में जितना काम किया है, वह सबके सामने है।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए होने वाले उपचुनाव को लेकर सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने अपनी जीत के प्रति पूरा विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि हम 365 दिन आम जनता के लिए खड़े रहते हैं और हमारी जीत का अंतर भी बड़ा होगा। हमने कभी हारना नहीं सीखा है और यह जीत भी हमारे कार्यों और ईमानदारी के बल पर होगी।

महासेतु पर बड़ा हादसा : बिहार में निर्माणाधीन पुल का संपर्क पथ दो पिलरों के बीच धराशाई

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में फिर से पुल हादसा हुआ है। बख्तियारपुर- ताजपुर सिक्स लेन के निर्माणाधीन गंगा महासेतु के संपर्क पथ पर जिले के पटोरी के नंदनी लगुनियां रेलवे स्टेशन के उत्तर में दो पिलरों के बीच लगाया गया स्पेन करीब 50 फीट में रविवार रात धराशायी हो गया। इसके बाद पुल निर्माण में जुटी नवयुगा इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। रात के अंधेरे में लाइट जलाकर कंपनी के अधिकारी व कर्मी जेसीबी की मदद से धराशायी स्पैन के मलवे को मिट्टी के अंदर दबाकर साक्ष्य को मिटाने में लगे गये। हालांकि की सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ भी जुट गई और कुछ लोगों ने मालवा दबाए जाने का वीडियो भी बना लिया। इस मामले में कंपनी प्रोजेक्ट मैनेजर जोसेफ ने बताया उक्त स्लैब में गड़बड़ी आ गयी थी, जिससे उसे गिराया गया है। स्लैब अपने से नहीं गिरा है।

शाहपुर पटोरी एवं मोहिउद्दीन-नगर के बीच नंदिनी लगुनियां रेलवे स्टेशन के समीप रेल लाइन के ऊपर इस महासेतु के संपर्क पथ का निर्माण हो रहा है। कुछ माह पूर्व इनके पिलरों पर स्पैन चढ़ाएं गए थे। रविवार रात रेल लाइन के उत्तरी हिस्से में दो पिलरों पर अवस्थित यह स्पैन गिरकर धराशायी हो गया। इससे पुल की गुणवत्ता पर भी प्रश्न चिह्न लग गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2011 में अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में बख्तियारपुर-ताजपुर गंगा महासेतु की आधारशिला रखी थी।

45 किलोमीटर लंबे संपर्क पथ एवं 5.575 किलोमीटर लंबे नदी पुल के निर्माण में कुल 1603 करोड रुपए खर्च किए जाने हैं। अबतक पुल का लगभग 60 फीसदी काम ही पूरा हो पाया है। इसमें लगभग हजार करोड रुपए से अधिक खर्च किए जा चुका है। पुल का निर्माण वर्ष 2016 में ही हो जाना था। परंतु, वर्ष 2024 में भी यह कार्य पूरा नहीं हो सका है। महासेतु के निर्माण में 307.50 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा एवं 277.50 करोड रुपए केंद्र सरकार द्वारा खर्च किया जा रहा है।

नक्सल इलाके के बच्चों के बीच पुलिस वाले बने शिक्षक, थाना को बना दिया पाठशाला

पटना (एजेंसियां)।

नक्सल इलाके के बच्चों के बीच खाकी वाले अक्षर ज्ञान बांट रहे हैं। अशिक्षित बच्चों को शिक्षित करने के लिए थाना को ही पाठशाला बना दिया। उक्त पाठशाला में नक्सल प्रभावित इलाकों के दर्जनों गांव के बच्चे अक्षर ज्ञान की तालीम पा रहे हैं। वहीं शिक्षक की भूमिका पुलिस वाले निभा रहे हैं। यह पूरा मामला नक्सल प्रभावित क्षेत्र में स्थित गया जिले के छकरबंधा थाना की है। जहां थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह शिक्षक की भूमिका निभा रहे।

बताया जा रहा है कि गया जिले के शेरघाटी अनुमंडल क्षेत्र

के छकरबंधा थाने में अनोखी पहल की गई है। थाने में पुलिस अपना कार्य के साथ साथ पाठशाला भी संचालित कर रखे है। जहां नक्सल प्रभावित इलाकों के दर्जनों गांव के अशिक्षित बच्चों के बीच पुलिस वाले शिक्षा का अलख जगा रहे हैं। वहीं बच्चों के बीच शिक्षा के साथ साथ नैतिक शिक्षा भी दिया जा रहा है। नक्सल इलाकों के बच्चे देश के अच्छे नागरिक बन सके।

मामले में छकरबंधा थानाध्यक्ष अजय बहादुर सिंह ने कहा कि नक्सल प्रभावित इलाकों के बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष अभियान के तहत और विस्तार करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों को न केवल प्राथमिक शिक्षा दी जाए, बल्कि कंप्यूटर और अन्य तकनीकी शिक्षा भी मुहैया कराए, ताकि आने वाले भविष्य में कई अवसरों का भी लाभ उठा सकें।

वहीं उन्होंने बताया कि बच्चों की आवश्यकता और जरुरतों को देखते हुए, शीघ्र ही थाने में लाइब्रेरी का स्थापना किया जाएगा। जल्द ही गया के सीनियर एसपी आशीष भारती के नेतृत्व में लाइब्रेरी का उद्घाटन कराया जाएगा। थानाध्यक्ष ने कहा मेरी इच्छा है कि हमारे क्षेत्र के बच्चे भी बड़े-बड़े सपने देखे, लेकिन यह संभव सिर्फ शिक्षा से ही पूरी हो सकती है।

वहीं छकरबंधा थानाध्यक्ष अजय बहादुर सिंह ने कहा कि जब हम इस थाना में आए थे और गांवों में घुमते थे, तब बच्चे हमे वर्दी में देख कर डर जाते थे। कुछ दिनों के बाद बच्चों को थाने में पढ़ाने लगा।

आज बच्चे डरते नहीं है, बल्कि एक दोस्त की तरह देखते हैं। मेरी इच्छा है कि ये बच्चे बेहतर भविष्य की ओर बढ़े। देश का एक अच्छा नागरिक बने। यह सब शिक्षा के माध्यम से ही संभव हो सकता है।

इसी उद्देश्य से इस कार्य को कर रहे है। उन्होंने बताया कि शुरुआत दौर में मात्र 15 बच्चे ही पढ़ने आते थे। लेकिन धीरे-धीरे आज 450 बच्चे थाने में शिक्षा ग्रहण करने आते है।

कांग्रेस का आरोप

दिशा भटका रहे प्रशांत किशोर, उनका दृष्टिकोण अल्पसंख्यकों के हितों के खिलाफ

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक कमिटी के अध्यक्ष मो. उमेर खान ने जन सुराज पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर अल्पसंख्यकों की दिशा भटका रहे हैं। प्रशांत किशोर का राजनीतिक दृष्टिकोण अल्पसंख्यकों के हितों के खिलाफ है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मो. उमेर खान ने कहा कि प्रशांत किशोर, जो पहले नरेंद्र मोदी का प्रचार कर चुके हैं, अब अल्पसंख्यक समुदाय को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

खान ने कहा कि किशोर ने 2014 के चुनाव में मोदी को लॉन्च करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नारे 'हर हर मोदी' और 'घर घर मोदी' ने भाजपा के प्रचार को मजबूती दी।

कांग्रेस नेता उमेर खान ने आगे कहा कि किशोर ने हाल ही में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा की स्थिति का समर्थन किया था। जब लोगों को लगा कि भाजपा को बहुमत नहीं मिल रहा है, तो किशोर ने टीवी चैनलों पर यह कहकर बयान दिया कि भाजपा को 303 सीटें मिलेंगी। इससे साफ है कि उनका दृष्टिकोण अल्पसंख्यकों के खिलाफ है।

उमेर खान ने यह भी बताया कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन की सरकार 2025 में बिहार में बनेगी। कांग्रेस इस बार एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरेगी और लोगों के बीच अपनी नीतियों को पहुंचाएगी।

हम बिहार के विकास और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

खान ने इस बात पर जोर दिया कि बिहार में सभी समुदायों को एकजुट होकर विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। हम अल्पसंख्यकों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि आगामी चुनाव में वह ऐसे मुद्दों को उठाए जो आम लोगों को प्रभावित करते हैं। पार्टी ने लोगों के बीच जाकर उनके मुद्दों को समझने और समाधान के लिए योजनाएं बनाने की रणनीति बनाई है।

भोजपुर में युवक की हत्या

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के आरा में हथियार बंद बदमाशों ने जमीन के विवाद को लेकर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी मच गई। मामला नगर थाना क्षेत्र के धरहरा के पास इब्राहिम नगर का है। मृत की पहचान नगर थाना क्षेत्र के इब्राहिम नगर निवासी छबिला महतो का 28 वर्षीय पुत्र शशिकांत महतो है। वह किसान था। और, जमीन की खरीद-ब्रिकी का काम भी करता था। सूचना मिलते ही भोजपुर एसपी मिस्टर राज सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी। फॉरेंसिक की टीम वारदात से जुड़े एक एक साक्ष्य को जुटाने का प्रयास कर रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही। मृत युवक के पिता छबिला महतो ने बताया कि रविवार को शशिकांत खेत में बोरिंग बंद कर मेरे साथ साथ आया था। इसके बाद दोपहर में दवा लेने के लिए बाजार निकला। इसके बाद वापस नहीं लौटा। कई बार कॉल किया लेकिन उसने रिसीव नहीं किया। काफी खोजबीन के बाद उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो हमलोगों ने इसकी जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को दी। इसके बाद देर रात पुलिस के द्वारा हम लोग को बताया गया कि आपके लड़के की गोली मारकर किसी ने हत्या कर दी है।

परिजनों का कहना है कि हमलोगों को पूरा शक और यकिन है कि मेरे बेटे की हत्या हमारे सौतेले भाई रामभवन उर्फ राजकुमार महतो ने की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com